फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 258 प्रभात जयपुर, सोमवार 21 अप्रैल, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

A Door Cracked Open

When the Mughal scroll arrived, he read it thrice. It offered no insult. No bribe. Only validation. "You were never invisible. You were merely waiting."

Pinni vs. Panjiri

Heat? Meet Your Match

Summer-ready hairstyles for professional women!

मुद्दा यह नहीं है कि, कोविड के इन्तजामात में कुछ अरबों रुपये का भ्रष्टाचार हुआ कुछ चहेतों को ऊंची दरों पर काम देने के लिये...(2)

मुद्दा यह है कि, हजारों की संख्या में मक्खियों की तरह कोविड के मरीज मर रहे थे, उनके दाहसंस्कार की, दफन करने की व्यवस्था नही हो पा रही थी, और सरकार का ध्यान इस पर केन्द्रीत था कि कैसे चहेतों को और पैसा कमाने का मौका दिया जा सके

अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में देखा जा सकता है कि कोविड महामारी के दौरान बनाये गये आई.सी.यू. में आज अन्य वार्डों का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार यहां 70 बैड का आई.सी.यू. बनाया जाना था, जिसका कुल क्षेत्र 10500 वर्गफुट होना चाहिये था, लेकिन, उक्त आई.सी.यू. का क्षेत्र करीब तीन हजार वर्गफुट का ही नजर आ रहा है।

- **जब शीर्षस्थ नेतृत्व में मरीजों के प्रति संवेदनशीलता नहीं थी बल्कि बेरहमी थी, तो कनिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी से कैसे उम्मीद की जा सकती थी, कि वे आई.सी.यू. बनाने में उन सभी कायदे -कानून का अनुपालन करते, जो इस वजह से बनाये गये थे कि संक्रामक रोग ना फैले।**
- **छोटे-छोटे नए आई.सी.यू. में मरीजों के बैड कम जगह की वजह से इस तरह से सटे हुए थे कि, कोविड ही नहीं, बल्कि कोई संक्रमण से फैलने वाली बीमारी आसानी से फैले।**

चित्र में देखा जा सकता है कि कोटा में भी कोरोना काल में बनाये गये आई.सी.यू., पी.आई.सी.यू. में भी 150 वर्गफुट के मापदंडों की पालना नहीं की गई है।

- यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 20 अप्रेल। पिछली गहलोत सरकार के कार्यकाल में कोरोना महामारी के दौरान एस.डी.आर.एफ. फंड का गैर कानूनी उपयोग करते हुए सरकारी मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में जिन आई.सी.यू. और पी.आई.सी.यू. के निर्माण व टर्नकी प्रोजेक्ट शुरू करने के आदेश मेडिकल शिक्षा विभाग द्वारा दिये गये थे। उन निर्माण कार्य का अनुबंधन केवल तीन-चार चुनिंदा कंपनियों को सौंपा था। जैसा की विदित है, कि राज्य सरकार केवल अपने ही बजट से निवादा के रूप में यह निर्माण करवा सकती थी।

परंतु, कोविड काल में बने इन आई.सी.यू. के निर्माण कार्यों की आज की वस्तुस्थिति क्या है, इसके विषय में राष्ट्रदूत ने अलग-अलग अस्पतालों में जाकर वहां पूछताछ की और फोटो ली। हैरानी की बात है कि प्रदेश के किसी भी अस्पताल में आई.सी.यू. बनाने का प्रस्ताव न तो अस्पताल के प्रशासन ने दिया था और ना ही उससे जुड़े मेडिकल कॉलेज ने। इन सभी निर्माण कार्यों के आदेश जयपुर से चिकित्सा विभाग व चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा दिये गये। इन निर्माण कार्यों में अधिकतर का उपयोग अब आई.सी.यू. से बदलकर वॉर्ड में कर दिया गया है या अस्पताल में अन्य किसी विभाग द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है। कुछ गिनी-चुनी जगहों पर आई.सी.यू. कार्यरत हैं लेकिन इनमें पूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं और ना ही पूरे मापदंड अपनाये गये हैं।

इन सभी अस्पतालों में बनाये गये आई.सी.यू. तथा पी.आई.सी.यू. और एन.आई.सी.यू. की तस्वीरों में यह साफ देखा जा सकता है कि "इंडियन पब्लिक हैल्थ स्टैंडर्ड्स" (आई.पी.एच.एस.), जो स्वास्थ्य मंत्रालय के अन्तर्गत बनी एक संस्था है, द्वारा तय किये गये मापदंडों की पालना नहीं की गई है। इन मापदंडों के अनुसार, आई.सी.यू. तथा पी.आई.सी.यू. और एन.आई.सी.यू. में 150 वर्गफुट के क्षेत्र में केवल एक ही मरीज का बैड होना चाहिए और स्वास्थ्य कर्मियों, जैसे डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के लिये 150 फीट का सैटबैक क्षेत्र भी आवश्यक है।

उदाहरण के लिये, अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर अरविंद खरे ने बताया कि कोरोना काल के समय अजमेर शहर के तीन अस्पतालों, जवाहरलाल नेहरू अस्पताल, सेटेलाइट अस्पताल आदर्श नगर व जनाना अस्पताल में 500 नए फैब्रिकेटेड आई.सी.यू. पंलगों का वॉर्ड बनाया गया जिसके लिए फंड (संसाधन) राज्य सरकार द्वारा ही उपलब्ध कराए गए। हालांकि प्राप्त दस्तावेजों से जाहिर है कि 70 आई.सी.यू. व एन.आई.सी.यू बैड के लिये राज्य सरकार द्वारा एस.डी.आर.एफ. फंड से 1132 लाख रूपये दिये गये।

अरविंद खरे ने बताया कि जवाहरलाल नेहरू अस्पताल द्वारा इसके लिए कोई भी प्रस्ताव नहीं भिजवाया गया। जैसे-जैसे संसाधनों की आवश्यकता हुई वैसे-वैसे ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर व अन्य सुविधाएं राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध करवाई गईं। उन्होंने बताया कि अजमेर में भामाशाह द्वारा किसी भी आई.सी.यू. वार्ड का निर्माण नहीं कराया गया। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जरूर विधायकों व अन्य भामाशाहों के द्वारा उपलब्ध कराए गए। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि, कोरोना के समय जो फैब्रिकेटेड आई.सी.यू. वार्ड बनाए गए थे उन वार्डों में वर्तमान समय में मेडिसिन वार्ड व अन्य वार्ड संचालित हो रहे हैं।

इसी प्रकार, कोटा में देखा गया कि कोविड काल के दौरान कोटा मेडिकल कॉलेज प्रशासन द्वारा बड़े स्तर पर कार्य किए गए थे। कोटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल को कोविड सेंटर के रूप में कन्वर्ट कर दिया था। इसके अलावा एक 200 बेड का आइसोलेशन वार्ड भी बनाया गया था। हालांकि दस्तावेजों के अनुसार गहलोत सरकार के चिकित्सा और शिक्षा विभाग ने एस.डी.आर.एफ. फंड के उपयोग से 50 बैड के आई.सी.यू. निर्माण के लिये 750 लाख रुपये आवंटित किये थे और 20 बिस्तरों के एन.आई.सी.यू./ पी.आई.सी.यू. के निर्माण के लिये 1260 लाख रुपये आवंटित किये गये थे। सूत्रों ने यह भी पुष्टि की कि आई.सी.यू. के लिये प्रस्ताव मेडिकल कॉलेज की ओर से नहीं भेजे गये थे, जयपुर से ही चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा दिये गये थे।

कोटा में जे.के.लोन अस्पताल में 5 जुलाई 2020 को बिजली के पैनल में जो आग लगी थी, क्षतिग्रस्त आई.सी.यू. की मरम्मत कर नया आई.सी.यू. निर्माण दर्शाया गया।

न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष शर्मा बताते हैं कि यहां पर 20 बैड का एक एन.आई.सी.यू वॉर्ड कोविड के दौरान तैयार किया गया था जो वर्तमान में भी रेगुलर काम में लिया जा रहा है। इसके अलावा कोटा जे.के. लोन अस्पताल में 80 बैड के पी.आई.सी.यू. वार्ड तैयार किए गए थे। इन पी.आई.सी.यू. वार्ड का निर्माण कोटा जेके लोन अस्पताल में बच्चों की लगातार मौत के बाद तत्कालीन राज्य सरकार के निर्देश पर शुरू किया गया था, उसके बाद कोविड आ गया तो कार्य तेजी से किया गया था। जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉक्टर निर्मला शर्मा बताती हैं कि इन वार्डों के निर्माण से अस्पताल और मरीजों को काफी सहूलियत मिली है। हालांकि इन 90 बैड के आई.सी.यू./पी.आई.सी.यू. में किस विभाग ने कितना फंड दिया है, इसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी की उनके घर पर हत्या

बेंगलुरु, 20 अप्रैल। इस वक्त की बड़ी खबर कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से सामने आ रही है। बेंगलुरु में कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओमप्रकाश की हत्या कर दी गई है। आशंका जताई जा रही है कि उनकी पत्नी ने ही चाकू घोंपकर उनकी हत्या की है। हालांकि पुलिस अभी मामले की जांच कर रही है। ज्ञातव्य है कि बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट स्थित

- **पुलिस को संदेह है कि उनकी पत्नी ने हत्या की है।**

उनके घर में उनका शव बरामद हुआ है। घटना के समय घर में उनकी पत्नी और बेटी ही मौजूद थीं, जो कि घर के लिविंग रूम में थीं। पत्नी ने ही कॉल करके पुलिस को इसकी जानकारी दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी सरकार कांग्रेस के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार कर रही है - खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारे नेताओं पर 11 साल में अनगिनत रेड हुए, पर कुछ नहीं निकला

नयी दिल्ली, 20 अप्रैल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि सरकार जिस नेशनल हैरल्ड मामले में झूठे मुकदमे लगाकर कांग्रेस नेतृत्व को उलझा रही है उस अखबार को पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश की आजादी की लड़ाई के लिए शुरू किया था। खरगे ने रविवार को ट्वीट कर कहा,पंडित जवाहरलाल नेहरू ने नेशनल हैरल्ड की शुरुआत की थी। इसके अलावा, नवजीवन अख़बार और कौमी आवाज़ भी शुरू किया गया था। इन अख़बारों को शुरू करने का मकसद देश को आजाद कराना, देश की जनता को जागरुक करना और लोगों की आवाज अंग्रेजी हुकूमत तक पहुंचाने का था।

- **खड़गे ने कहा, दूसरे ताकतवर विपक्षी नेताओं पर इसी तरह फर्जी मामले चलाये जा रहे हैं। जो भारतीय जनता पार्टी में चला जाता है, उसका केस बंद कर दिया जाता है।**

उन्होंने कहा, आरएसएस व भाजपा के लोग षड्यंत्र करने में माहिर हैं। इन दिनों उन्होंने काँग्रेस को झूठे मुक़दमों में उलझाने की फिर से कोशिश की है। जैसे ही कांग्रेस का अधिवेशन अहमदाबाद में ख़त्म हुआ, एक दिन बाद नेशनल हैरल्ड की प्रॉपर्टी को अटैच कर दिया। दो दिन बाद कांग्रेस नेता सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी का नाम आरोप पत्र में डाल दिया। हमारे नेताओं के ऊपर पिछले 11 सालों में अनगिनत रेड हुए। निकला कुछ नहीं, लेकिन बदनाम करने में लगे हैं।

उन्होंने कहा "हाल में नेशनल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यू. पी. विधान सभा चुनाव सपा-कांग्रेस साथ लड़ेंगे

प्रयागराज, 20 अप्रैल। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने 2 साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। रविवार को प्रयागराज में अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा। इसका मतलब कि यूपी में सपा और कांग्रेस का साथ बना रहेगा। ज्ञातव्य

- **रविवार को प्रयागराज में अखिलेश यादव ने घोषणा की**

है कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव साल 2027 में होना है। इस चुनाव में अभी काफी समय बाकी है। लेकिन रविवार को यूपी के पूर्व सीएम और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जनेऊ उतारो, तभी कॉमन एन्ट्रेंस टेस्ट में बैठ सकते हो'

विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से रोकने वाले बीदर कॉलेज के प्राचार्य व स्टाफ सदस्य निलम्बित

बीदर, 20 अप्रैल। कर्नाटक में बीदर के साईं स्फूर्ति प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में जनेऊ विवाद में दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इन अधिकारियों पर एक विद्यार्थी ने आरोप लगाया था कि उसे कर्नाटक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) में बैठने नहीं दिया गया था। विद्यार्थी ने आरोप लगाया था कि जनेऊ उतारने से इनकार करने पर अधिकारियों ने उसे सीईटी की परीक्षा नहीं देने दी थी। गौरतलब है कि जनेऊ हिंदू पुरुषों द्वारा पारंपरिक रूप से पहना जाने वाला पवित्र धागा है। घटना के अनुसार, छात्र सुचिव्रत कुलकर्णी को 17 अप्रैल को अंडरग्रेजुएट कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (यूजीसीईटी) के गणित के पेपर में शामिल होना था। छात्र के अनुसार निरीक्षकों ने उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से रोक दिया, तथा जनेऊ उतारने या काटने को कहा। सुचिव्रत ने संवाददाताओं से कहा, "मैंने उनसे 45 मिनट तक विनती की।" बार-बार अनुरोध के बावजूद उसे परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी गई। छात्र ने बताया कि निरीक्षकों ने कहा कि वो तभी परीक्षा दे सकता है जब वो अपना जनेऊ उतार दे। मैं चाहता हूं कि सरकार या तो मुझे फिर से परीक्षा देने की अनुमति दे या मुझे

- **छात्र सुचिव्रत कुलकर्णी का 17 अप्रेल को अंडरग्रेजुएट कॉमन एंट्रेंस टेस्ट में गणित का पेपर था। कुलकर्णी के लगातार अनुरोध के बाद भी उसे परीक्षा नहीं देने दी गयी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमृतपाल अभी असम की जेल में रहेगा

अमृतसर, 20 अप्रैल। खडूर साहिब से सांसद और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। एनएसए बढ़ाए जाने को लेकर एक दस्तावेज सामने आया है। जिसके बाद यह साफ हो गया है कि अमृतपाल सिंह अब एक साल और असम की डिब्रूगढ़ जेल में रहेंगे।

- **अमृत पाल के पिता तरसेम सिंह ने कहा कि सांसद अमृत पाल को लोगों की आवाज उठाने से रोका जा रहा है।**

अमृतपाल सिंह ने 18 अप्रैल को इस पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। नया एनएसए 23 अप्रैल से लागू होगा। अगर इसकी अवधि तीसरी बार बढ़ाई जाती है तो परिवार पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए नाराजगी जताते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट ने टाऊन हॉल, जलेब चौक-पुराना पुलिस मुख्यालय को सरकारी सम्पत्ति माना

करीब ढाई हजार करोड़ रुपये की सम्पत्तियों पर जयपुर के पूर्व राजपरिवार के दावों को खारिज किया

जयपुर, 20 अप्रैल। हाईकोर्ट ने जयपुर के पुराने विधानसभा भवन (टाऊन हॉल), पुराना पुलिस मुख्यालय व पुराना होमगार्ड महानिदेशालय तथा जलेब चौक स्थित पुराने लेखाकार कार्यालय परिसर की करीब ढाई हजार करोड़ रुपए की सम्पत्ति को सरकारी सम्पत्ति मानते हुए इन पर पूर्व राजपरिवार के दावों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर कोई सिविल न्यायालय सुनवाई ही नहीं कर सकता।

न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने राज्य सरकार की चार रिवीजन याचिकाओं को मंजूर करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि ये संपत्तियां वर्ष 1949 में जयपुर रियासत और भारत सरकार के बीच हुए समझौते का हिस्सा हैं, जिनका उपयोग सरकारी प्रयोजन के लिए किया जाना था और इस संदर्भ में कोई भी सिविल वाद संविधान के अनुच्छेद 363 के तहत न्यायालय की समीक्षा से बाहर है।

- **हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि संविधान के अंतर्गत कोवनंट में किये गये समझौते से उत्पन्न विवाद को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। राज्य सरकार को इनका उपयोग केवल सरकारी कार्यों के लिये करना चाहिये, पर इसका मतलब यह नहीं कि पूर्व राजपरिवार इनका पुनः अधिकार या मुआवजा मांग सकता है।**

जयपुर के पूर्व राजपरिवार व राज्य सरकार के बीच वर्षों से चल रहे चर्चित संपत्ति विवाद पर यह फ़ैसला सुनाया गया। यह सभी सम्पत्तियां वर्तमान में सरकार के कब्जे में हैं।

अतिरिक्त महाधिवक्ता भरत व्यास ने कोर्ट से कहा कि सरकार को यह सम्पत्ति कोवनंट से मिली हैं, न कि लाइसेंस के जरिए। संविधान के अनुसार इन सम्पत्तियों के स्वामित्व को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। कोवनंट में टाउन हॉल प्रशासनिक कार्य के लिए सरकार को दिया, न कि सिर्फ विधानसभा के लिए। कोवनंट के समय यहां विधानसभा अस्तित्व में नहीं थी। सरकार इनका कोई भी उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं। इन चार याचिकाओं में सिटी पैलेस स्थित महाराजा सवाई मानसिंह-द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट, पूर्व राजपरिवार की सदस्य पद्मिनी देवी, सांसद दियाकुमारी और पद्मनाभ सिंह पक्षकार थे।

पूर्व राजपरिवार ओर से दावों में शहर की अधीनस्थ अदालत से आग्रह किया गया था कि चारों सम्पत्तियों पर पुनः दिलाया जाए और इनका मुआवज़ा दिलाया जाए। दावे में कहा गया था कि यह सम्पत्तियां सरकार को उसके उपयोग के लिए लाइसेंस पर दी गई थीं, जो सरकार के उपयोग के लिए दी गई थीं और उसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी सरकार को ही दी गई। जिस कार्य के लिए यह सम्पत्तियां दी गई थीं, अब सरकार को उन कार्यों के लिए इनकी जरूरत नहीं रही है। उद्देश्य पूरा होने के कारण अब इन्हें वापस दिलाया जाए। सरकार ने एडीजे कोर्ट में लंबित दावे को चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट ने फैसले में कहा कि संविधान के अंतर्गत कोवनंट में किए गए समझौते या संधि से उत्पन्न विवाद को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। राज्य सरकार को इनका उपयोग केवल सरकारी कार्यों के लिए करना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पूर्व राजपरिवार इनका पुनः अधिकार या मुआवज़ा मांग सकता है। यह संपत्तियाँ राज्य की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

बदलती भारतीय सामाजिक संरचना की चुनौतियां

भारतीय सामाजिक संरचना में बहुत तेज़ी से बदलाव हो रहे हैं। इतनी तेज़ी से कि हममें से बहुत सारे, विशेष रूप से वे जो पुरानी पीढ़ी से ताल्लुक रखते हैं, उन बदलावों के साथ ताल-मेल बिठाना तो दूर उन्हें समझ भी नहीं पा रहे हैं। वे हतप्रभ हैं। रह-रहकर वे एक ही वाक्य दुहराते हैं –हमारे ज़माने में तो ऐसा नहीं होता था। उनकी व्यथा एक हद तक सही भी है। उन्होंने जो सामाजिक ढांचा देखा था और जिस ढांचे में उन्होंने अपनी ज़िंदगी का बहुत बड़ा सक्रिय हिस्सा बिताया, वह अब लुप्त हो चुका है। उसकी जगह उस नई व्यवस्था ने ले ली है जिसे समझ पाने और स्वीकार कर पाने में वे अक्षम हैं। आखिर क्या और क्यों हुआ है ऐसा?

मैं जब इन बदलावों को समझने की कोशिश करता हूं तो कुछ बातें मेरे ध्यान में आती हैं। इनमें से पहली बात है लोगों का गांवों से निकल कर शहरों का रुख करना। जो कल तक गांव में थे अब कस्बों में, कस्बों वाले शहरों में और शहरों वाले महानगरों में बसने को उत्सुक और प्रयत्नरत होने लगे हैं। इतना ही नहीं। पहले जहां अपने इलाके को छोड़ बाहर जाने की कल्पना भी दुश्वार थी, अब लोग देश छोड़कर विदेश में जा बसने में भी संकोच नहीं करते हैं। इसके मूल में एक बड़ी चीज़ है शिक्षा का प्रसार। लोग पढ़ने लगे हैं, उच्च शिक्षा प्राप्त करने लगे हैं, बड़े सपने देखने लगे हैं और इन सबके लिए 'बाहर' निकलना ज़रूरी हो गया है। जब नई पीढ़ी बाहर निकल रही है तो स्वभावतः संयुक्त परिवार का ढांचा चरमरा रहा है। न युवाओं के लिए यह संभव है कि वे मां-बाप के साथ उन्हीं के परिवेश में रहें और न मां बाप के लिए यह संभव है कि वे अपना घर-बार छोड़ बच्चों के साथ जाकर रहने लगें। परिणाम यह कि संयुक्त परिवार टूट कर एकल परिवारों में तब्दील हो रहे हैं। लोगों के गांव-कस्बों से बाहर निकल कर अन्यत्र स्थापित हो जाने के कारण एक बहुत बड़ा बदलाव जाति व्यवस्था में भी आ रहा है। जाति के कठोर बंधन अब शिथिल हो रहे हैं और बहुत जगहों पर तो वे लगभग अदृश्य ही हो गए हैं। छोटे स्थानों पर जहां हर कोई दूसरों के बारे में सब कुछ जानता था, कौन किसका बेटा है, उसकी जाति-धर्म क्या है, वगैरह, अब महानगरों में और बहुत बार देश से बाहर भी यह सब जानना न संभव रह गया है न आवश्यक। जाति-धर्म-प्रांत वगैरह की पहचानें धूमिल होती जा रही हैं और लोग एक दूसरे से इंसानों की तरह, न कि सवर्ण-दलित, हिंदू-मुसलमान, जैन-वैष्णव आदि की तरह, मिलने जुलने लगे हैं। एक बड़ा बदलाव स्त्री की हैसियत में आया है। शिक्षा के प्रसार और रूढ़ियों के बंधन से मुक्त आज की स्त्री खुली हवामें सांस ले रही है और अपने काम-काज की बड़ी ज़िम्मेदारियां निबाहने के साथ-साथ अपनी ज़िंदगी से जुड़े फैसले भी खुद करने लगी है। वह समय अब अतीत हो गया है जब बच्ची को माता पिता के, युवती को पति के और वृद्धा को बेटों के संरक्षण में और उनके नियंत्रण में रहना होता था, आज स्त्रियों का एक बड़ा समूह ख़ुद मुख़्तार हो गया है। कहना अनावश्यक है कि पुरानी पीढ़ी के बहुत सारे लोगों को स्त्री की यह नव अर्जित स्वाधीनता पसंद नहीं आ रही है।

असल में पुरानी पीढ़ी का एक टुकड़ा ऐसा है जिसे न बेटियों का पढ़ना पसंद आ रहा है न उनका नौकरी करना और न उनका स्वतंत्र होना। अव्वल तो वे चाहते ही नहीं कि लड़की ज़्यादा पढ़े-लिखे, और अगर पढ़-लिख भी जाए तो कम से कम नौकरी तो न करे। और अगर नौकरी कर भी ले तो 'परिवार की मर्यादा और संस्कारों का पूर्णतः निर्वहन करती रहे। और अगर इसमें से कुछ भी उनकी कल्पनाओं से हटकर हो तो उन्हें आज की स्त्री को गरियाने में, उसके चरित्र पर लांछन लगाने में कोई संकोच नहीं होता। यही बात जाति व्यवस्था को लेकर भी है। अतीत के गांवों में कुछ ख़ास समुदायों के लोगों से जैसा व्यवहार वे करने के आदी रहे हैं, आज जब उन समुदायों के पढ़े लिखे और उच्च पदस्थ लोगों के साथ वे वैसा ही बर्ताव नहीं कर पाते हैं तो उनके पास बड़ा ख़राब समय आ गया है का रोना रोने के सिवा कोई विकल्प नहीं बचता है। बदलावों को स्वीकार न कर पाने की पीड़ा ख़ुद अपने बच्चों के साथ इस पीढ़ी के रिश्तों में भी देखी जा सकती है। हम तो अपने मां-बाप के सामने ऐसा नहीं कर सकते थे कहकर वे आज की पीढ़ी, जो निश्चय ही अधिक विवेक संपन्न और अपने अधिकारों के प्रति सजग व मुखर है, के प्रति अपनी नाराज़गी व्यक्त करते हैं। पुरानी पीढ़ी के लिए जितना सहज यह कहकर नई पीढ़ी को दबाना और उससे अपनी बात मनवाना था कि क्या इसी दिन के लिए हमने तुम्हें पाल-पोसकर बड़ा किया था, उतना आज संभव नहीं रह गया है। अगर कोई यह कहता है तो उसे इसका कोई अप्रिय उत्तर भी सुनने के लिए तैयार रहना होता है। और सही भी है। जीवन कोई सौदा तो है नहीं कि हमने यह किया तो उसके बदले में अब तुम यह करो। असल में बहुत बड़ी तक़लीफ़ यह है कि पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी को उसी ढर्रे पर चलाना चाहती है जिस ढर्रे पर चलकर उसने अपनी ज़िंदगी बिताई है, जबकि नई पीढ़ी अपनी राह ख़ुद बनाना चाहती है। आदर्श स्थिति तो यह हो कि जब बच्चे बड़े हो जाएं तो मां-बाप उनके जीवन के निर्णायक न रहकर सलाहकार की भूमिका अंगीकार कर लें। उनके पास व्यापक जीवनानुभव हैं। वे बच्चों को सलाह दे दें, और इसके बाद उनके निर्णय को सहज रूप से स्वीकार करें, भले ही वह निर्णय उनकी सलाह से भिन्न हो।

असल में पुरानी पीढ़ी का एक टुकड़ा ऐसा है जिसे न बेटियों का पढ़ना पसंद आ रहा है न उनका नौकरी करना और न उनका स्वतंत्र होना। अव्वल तो वे चाहते ही नहीं कि लड़की ज़्यादा पढ़े-लिखे, और अगर पढ़-लिख भी जाए तो कम से कम नौकरी तो न करे। और अगर नौकरी कर भी ले तो 'परिवार की मर्यादा और संस्कारों का पूर्णतः निर्वहन करती रहे।

ये जो बदलाव हमारी सामाजिक संरचना में आ रहे हैं, इनकी अपनी समस्याएं भी कम नहीं हैं। एक तरफ जहां जाति और धर्म की जंजीरें ढीली हो रही हैं वहीं हमारी सत्ताकामी राजनीति की वजह से धार्मिक विद्वेष बढ़ भी रहा है। ऐसा ही बहुत बार जातियों के मामले में भी हो रहा है। निहित स्वार्थी तत्व जातिगत विद्वेष को बढ़ाने में ज़रा भी संकोच नहीं कर रहे हैं। पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों के प्रति वैमनस्य और अवमानना को लगातार बढ़ाया जा रहा है। ऐसा ही स्त्रियों के मामले में भी हो रहा है। पारंपरिक सोच वाले परिवारों में कामकाजी स्त्री को दो पाटों के बीच पिसना पड़ रहा है। असल में तो उस पर बोझ पहले से ज़्यादा आ गया है। पहले उसकी ज़िम्मेदारी घर परिवार तक सीमित थी, अब कामकाज़ी दुनिया में आने से उस पर यह नया बोझ आ गया है, लेकिन उसकी पारंपरिक गृहिणी वाली भूमिका में उसे कोई रियायत नहीं मिली है।

यह जो बदलाव हमारे यहां आ रहा है इसकी एक बड़ी परिणति आर्थिक असमानता की वृद्धि के रूप में भी दिखाई दे रही है। पहले जहां समाज के अलग-अलग वर्गों के आर्थिक स्तर में बहुत अधिक भेद नहीं था, और अगर था तो भी वह लगभग अदृश्य था, अब यह खाई बहुत चौड़ी और दृश्यमान हो गई है। नव अर्जित वैभव वाले अपने वैभव प्रदर्शन का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं, और उनमें से ज़्यादातर दूसरों को उनकी छोटी हैसियत का दंश देने में भी कोई संकोच नहीं करते हैं। घर-परिवार, समाज और देश में सर्वत्र परंपरा और आधुनिकता के बीच द्वंद्व बढ़ता जा रहा है। इस द्वंद्व के चलते वैज्ञानिक सोच आहत हो रहा है। बहुत बार तो लगता है कि अब यह इबारत केवल संविधान में बची रह गई है। हमारा जीवन तो घोर रूढ़िवाद और दकियानूसी सोच की गिरफ़्त में आ चुका है। पूरे दृश्य पर वर्चस्व उनका है जो हमें खींच कर पीछे ले जाना चाहते हैं, और हम उनके आगे बेबस हैं। यह देखना बहुत त्रासद है।

समाज कभी जड़ नहीं होता है। वह सतत गतिशील होता है। लेकिन देखने की बात यह है कि उसकी गति की दिशा कौन-सी है। अगर वह दिशा सही नहीं है तो हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि शिक्षा और जन-चेतना के प्रसार के माध्यम से उसमें समुचित बदलाव लाएं। हमारे अपने समाज की बहुत सारी चिंताजनक प्रवृत्तियों के मामले में ऐसा ही किए जाने की ज़रूरत है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

ग्राम पंचायत टोकसी को वजीरपुर पं. समिति में शामिल करने का विरोध

पांच ग्रामीण पानी की टंकी पर चढ़े, प्रशासन के आश्वासन पर उतरे

- **ग्रामीणों ने बताया कि टोकसी ग्राम पंचायत की गंगापुर सिटी से दूरी 5 किलोमीटर है एंव वजीरपुर की 20 किलोमीटर है एवं इसके साथ ही हमारा वर्षों से गंगापुर सिटी से जुड़ाव है**
- **ग्रामीणों ने मांग नहीं माने जाने पर सड़क जाम करने की चेतावनी दी**

गंगापुर सिटी, (निसं)। टोकसी ग्राम पंचायत को नई बनने वाली वजीरपुर पंचायत समिति में शामिल करने का विरोध तेज हो गया है। रविवार सुबह पांच ग्रामीण विरोध जताने के लिए पानी की टंकी पर चढ़ गए। टंकी पर चढ़े लोगों में पवन टोकसी, ऋषि मीणा, मंटू मीणा, वेदप्रकाश मीणा और आशीष मीणा शामिल थे। सुबह 7.30 बजे से शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन करीब तीन घंटे तक चला। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और प्रशासन व सरकार के विरोध में नारे लगाने लगे।

ग्रामीणों ने बताया कि टोकसी ग्राम पंचायत की गंगापुर सिटी से दूरी 5 किलोमीटर है एंव वजीरपुर की 20 किलोमीटर है एवं इसके साथ ही हमारा वर्षों से गंगापुर सिटी से जुड़ाव है। ग्रामीणों ने मांग नहीं माने जाने पर सड़क जाम करने की चेतावनी दी है। सूचना मिलते ही तहसीलदार बृजेश सिहरा और थानाधिकारी करणसिंह राठौड पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। लिखित आश्वासन मिलने के बाद पांचों ग्रामीण टंकी से नीचे उतर आए। वर्तमान में पंचायत राज अधिनियम के तहत ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन और नए सीमांकन का काम चल रहा है। कलेक्टर के निर्देश पर गंगापुर सिटी में भी यह प्रक्रिया जारी है। टोकसी ग्राम पंचायत को नई बनने वाली वजीरपुर पंचायत समिति में शामिल करने का प्रस्ताव है। इससे पहले भी ग्रामीण मिनी सचिवालय में विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। उनकी मांग है कि टोकसी ग्राम पंचायत को गंगापुर सिटी पंचायत समिति में ही रखा जाए।

टोकसी पंचायत को वजीरपुर में शामिल करने के विरोध में पानी की टंकी पर पांच युवक चढ़ गये।

बीकानेर संभाग का सबसे बड़ा पीबीएम हॉस्पिटल सुरक्षा मानकों पर खरा नहीं उतर पा रहा

पीबीएम अस्पताल में मरीज सुरक्षित नहीं, बिल्डिंग की फायर और सेफ्टी ऑडिट कभी हुई

- **यही कारण है कि अचानक कोई घटना होने पर भगदड़ के हालात बन जाते हैं और मरीजों की जान पर बन आती है**

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर संभाग का सबसे बड़ा पीबीएम हॉस्पिटल सुरक्षा मानकों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। फायर सेफ्टी ऑडिट के लिए डीपीआर अब तक नहीं बनी और बिल्डिंग की सेफ्टी ऑडिट कभी करवाई ही नहीं गई है। यही कारण है कि अचानक कोई घटना होने पर भगदड़ के हालात बन जाते हैं और मरीजों की जान पर बन आती है।

पीबीएम हॉस्पिटल के चर्म, रति एवं कुष्ठ रोग विभाग के प्रथम तल पर एचओडी कक्ष के एसी में हाल ही में आग लग गई थी। इससे पहले भी आग लगने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। पीबीएम हॉस्पिटल की प्रमुख बिल्डिंग्स की सेफ्टी ऑडिट की तो काफी खामियां नजर आई। पीबीएम की मेन बिल्डिंग की छत कई जगह से पानी भरने के कारण डैमेज हो चुकी है। एक्स वार्ड और उसके सामने गैलरी में सुरक्षा की दृष्टि से लोहे के एंगल लगाए गए हैं। सी वार्ड के बाहर पट्टियां टूटी पड़ी हैं, जिन्हें एंगल से रोका हुआ है। इसी वार्ड के टॉयलेट की छत पिछले साल गिर पड़ी थी। उसे अब तक रिपेयर नहीं करवाया जा सका। इसके कारण एफ वार्ड का टॉयलेट भी बंद है। वार्डों के बाहर लगे अग्निशमन यंत्र अवधिपार हो चुके हैं। पिछले साल फरवरी में नए लगाए गए थे। सबसे अहम बात ये है कि मेन बिल्डिंग में मरीजों के लिए दो ही रैंप हैं। उनके फर्श भी उखड़े हुए हैं। ऑपरेशन के बाद शिफ्टिंग के दौरान या जांच के लिए जाते समय मरीज दर्द से कराह उठते हैं। मेन बिल्डिंग में लिफ्ट खराब पड़ी है। मरीजों को लाने ले जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। स्ट्रेचर खींचने के लिए अटेंडेंट की कोई व्यवस्था नहीं है।

पीबीएम प्रशासन ने बिजली का खर्च बचाने के लिए छतों पर सोलर प्लेटें लगवा कर काम तो अच्छा किया, लेकिन प्लेटों की हाइट फर्श से मात्र डेढ़-दो फीट ही रखी, जिससे कचरा और बारिश का पानी छत पर जमा होने लगा है। सफाई कभी होती नहीं। इससे छत के क्षतिग्रस्त होने की संभावना बढ़ गई है। पुरानी बिल्डिंग में पट्टियां क्रेक होना आम बात है। ग्राउंड फ्लोर पर उखड़ी हुई छतों को फॉल्स सीलिंग से ढक दिया गया है, जबकि जरूरत ही नहीं थी। हादसे सरकारी बिल्डिंग्स में ही ज्यादा होते हैं और उन्हीं की सेफ्टी ऑडिट के लिए कोई नियम ही नहीं है।

पीडब्ल्यूडी के रिटायर्ड एसई मुकेश गुप्ता बताते हैं कि सरकार ने सरकारी स्कूलों के लिए सेफ्टी ऑडिट के नियम बना रखे हैं, लेकिन सरकारी अस्पतालों के लिए ऐसा कोई नियम नहीं है। अस्पताल प्रशासन के मांग करने पर संबंधित बिल्डिंग या स्थान की ऑडिट कराई जा सकती है।

आजकल निर्माण एजेंसियों भी काफी हो गई हैं। पीडब्ल्यूडी के अलावा यूआईटी, एनएचएम, आरएसआरडीसी भी सरकारी अस्पतालों में निर्माण कार्य करवाती है। पीबीएम हॉस्पिटल का निर्माण रियासतकाल में हुआ था। बिल्डिंग को डिजायन ही ऐसा है, जिससे वेंटिलेशन की कोई समस्या नहीं है। अब नई बिल्डिंग्स आर्किटेक्चर से डिजायन कराई जाती हैं। हालांकि सभी तरह के सुरक्षा मानकों का ध्यान रखा जाता है। नई बिल्डिंग्स में फायर सिस्टम अनिवार्य कर दिया गया है। यह सिस्टम पुरानी बिल्डिंग में भी होना चाहिए। मेन बिल्डिंग सौ साल पुरानी है, जहां फायर सिस्टम तक नहीं है। सुरक्षा मानकों का ध्यान नहीं रखा गया है।

बिजली के तार और पैनल खुले पड़े हैं। बच्चा अस्पताल के पीछे हॉस्टल जर्जर हालत में है। पूरा परिसर किसी भूल-भुलैया से कम नहीं है। कहीं पर भी पीबीएम का नक्शा नहीं है, जिससे यह पता नहीं चलता कि किस विभाग की बिल्डिंग कहां पर है। वार्ड और लैब की जानकारी के लिए मरीजों को भटकना पड़ता है। बाहर से आने वाले मरीजों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सभी वार्डों में टीवी स्क्रीन तो लगा दी, लेकिन उसमें भी विभागों का नक्शा फीड नहीं किया गया। लिफ्ट खराब होने पर मरीज को ले जाने के लिए रैंप तक का पता पूछना पड़ता है। हल्दीराम मूलचंद हार्ट हॉस्पिटल में आपातकालीन प्रवेश द्वार अलग होना चाहिए। ढोला मारू के सामने प्रस्तावित था, लेकिन नहीं बना। ऊपर वार्ड के टॉयलेट के पास ही एक स्पेस है, जो कैथ लैब में खुलता है। पिछले साल एक मरीज की नीचे गिरने से मौत हो चुकी है।

डॉ. गौरीशंकर जोशी, उप अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी आपदा प्रबंध बीकानेर का कहना है कि यह सही है कि पीबीएम हॉस्पिटल की फायर और सेफ्टी ऑडिट नहीं हुई है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी को लिखा जा चुका है। पुरानी बिल्डिंग में फायर सिस्टम इंस्टालेशन करना आसान नहीं है। इसके लिए डीपीआर बननी है, जो बिना ब्ल्यू प्रिंट के संभव नहीं है। किसी आर्किटेक्चर से इसका ब्ल्यू प्रिंट तैयार करवाया जाएगा।

भरतपुर के सरकारी जनाना अस्पताल में सुविधाओं का अभाव, मरीज परेशान

- **अस्पताल में आने वाले मरीज गर्मी से बेहाल, लोग बाहर से पानी खरीदकर पीने को मजबूर**
- **खाली वार्ड में कूलर लगे हुए हैं, जहां मरीजों के लिए कूलर लगना चाहिए, वहां कूलर नहीं लगा रखा है**

भरतपुर, (निसं)। राज्य सरकार का लोगों को सरकारी अस्पतालों में बेहतर सुविधा प्रदान करने का दावा भरतपुर में खोखला नजर आ रहा है, लेकिन जिले के सरकारी जनाना अस्पताल में गर्मी के मौसम में पंखे तो हैं लेकिन चल नहीं रहे, जिस कारण ओपीडी पर्ची लेने के लिए लाइन में लगे मरीजों के पसीने छूट रहे हैं। यहां तक कि पीने के पानी की व्यवस्था भी अस्पताल में नहीं है। लोग बाहर से पानी खरीदकर पी रहे हैं।

अस्पताल के वार्डो में भर्ती मरीजों के लिए कूलर नहीं है जबकि खाली वार्ड में कूलर लगे हुए हैं। जनाना अस्पताल संभाग का बड़ा अस्पताल है। यहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में मरीज पहुंचते है। लेकिन यहां पहुंचने वाले मरीजों को अस्पताल में सुविधाओं का अभाव है। यहां पहुंचने वाले मरीज गर्मी से परेशान है। ओपीडी पर्ची लेने के लिए लाइन में लगे मरीजों के ऊपर पंखा तो है लेकिन चल नहीं रहा, जिससे लोग गर्मी से परेशान है। ओपीडी पर्ची काउंटर के पास दो वॉटर कूलर हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं होने से मरीज पैसे से पानी खरीदने को मजबूर है। लोग कई किलोमीटर का सफर तय कर अपस्ताल पहुंचते हैं, उन्हें उम्मीद होती है कि अस्पताल में पानी मिलेगा, लेकिन जब वहां पीने का पानी नहीं होने से मरीजों को काफी परेशानी हो रही है। जनाना अस्पताल के वार्डों में हालत यह है कि कूलर तो लेकिन वह कूलर मरीजों के काम नहीं आ रहे हैं। खाली वार्ड में कूलर लगे हुए हैं, जहां मरीजों के लिए कूलर लगना चाहिए वहां कूलर नहीं लगा रखा है। जिससे मरीज भीषण गर्मी में पंखे से काम चला रहे हैं। जब इस मामले को लेकर पीएमओ डॉ नगेंद्र भदौरिया से बात की तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जाएगी।

जनाना अस्पताल की हालत से जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव भी बाख़िब है। यही वजह है कि शनिवार को जनाना अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। जहां अस्पताल प्रशासन को कमियों को लेकर फटकार लगाई।

'नंदीशाला जन सहभागिता योजना अन्तर्गत नंदीशाला की स्थापना की जाएगी'

- **रोहट, बाली, सुमेरपुर, देसूरी, रानी, मारवाड़ जंक्शन, जैतारण में नंदीशाला की स्थापना की जाएगी**

पाली, (नि.सं.)। जिले में सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित, बेसहारा नर गौवंशों के संरक्षण के लिए नंदीशाला जन सहभागिता योजना अन्तर्गत पंचायत समिति रोहट, बाली, सुमेरपुर, देसूरी, रानी, मारवाड़ जंक्शन, जैतारण में एक नंदीशाला की स्थापना की जाएगी।

सदस्य सचिव जिला स्तरीय गौपालन समिति एवं पशुपालन विभाग संयुक्त निदेशक डॉ. ओमप्रकाश बुनकर ने बताया कि नंदीशाला जन सहभागिता योजना के तहत इसके लिए पंचायत समिति स्तरीय नंदीशाला खोलने की पात्रता में स्थानीय निकाय/पंचायतीराज संस्थाओं के अतिरिक्त रजि. संस्था/गैर सरकारी संस्था/ पंजीकृत ट्रस्ट/पंजीकृत सहकारी संस्थाओं का नंदीशाला संचालन एवं निर्माण के लिए पात्र है। 250 नर गौवंश हेतु 10 बीघा भूमि, गौवंश वृद्धि अनुसार उसके अनुपात में अधिक भूमि की आवश्यकता, संस्था के पास स्वयं के स्वामित्व की 10 बीघा भूमि हो, 250 नर गौवंश को 20 वर्ष तक देखभाल करना आवश्यक हो, नन्दीशाला में संधारित गौवंशों को अनुदान 12 माह का देय होगा। नन्दीशाला का चयन जिला गोपालन समिति द्वारा आर्थिक, तकनीकी, भौतिक मापदण्डों के आधार पर किया जायेगा। तकनीकी मापदण्ड हेतु संस्था के पास निर्माण कार्यों हेतु तकनीकी विषय विशेषज्ञों की टीम होना आवश्यक हैं। 10 प्रतिशत अंशदान राशि का सी.ए. द्वारा जारी प्रमाण पत्र जमा कराना होगा। नन्दीशाला की स्थापना एवं निर्माण के लिए लागत 1.57 करोड़ का 90 प्रतिशत राज्यांश तथा 10 प्रतिशत संस्था का हिस्सा होगा। 10 प्रतिशत राशि का निर्माण कार्य संस्था द्वारा करवाया जायेगा।

डॉ. ओमप्रकाश बुनकर ने बताया कि नन्दीशाला संचालन समिति का चयन निविदा जारी कर किया जायेगा। निविदा जारी करने के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर निर्णय जिला गोपालन समिति द्वारा किया जायेगा। नंदीशाला में करवाये जाने वाले नये निर्माण कार्यों का नंदीशाला संचालन समिति द्वारा एस्टीमेट जिला गोपालन समिति को उपलब्ध करवायेगा।

जिला स्तरीय गोपालन समिति द्वारा संस्था का चयन उपरान्त संयुक्त निदेशक द्वारा एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहयोग से जारी की जायेगी। सहायता राशि तीन किश्तों में उपलब्ध करवाई जायेगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 21 अप्रैल, 2025

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र दिन 12:37 तक, साध्य योग रात्रि 11:00 तक, बालवकरण प्रातः 7:00 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 12:37 से सूर्योदय तक है। आज शीतला बूढ़ा बास्योडा है। आज से राष्ट्रीय वैशाख मास आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:37 तक, शुभ 9:13 से 10:49 तक, चर 2:02 से 3:38 तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:01, सूर्यास्त 6:50

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा।

कन्या
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
घर-परिवार में आपसी वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अतिथियों के कारण दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आज समय खराब होगा।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

जाति विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में अनुराग कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज

- जाति-विशेष को लेकर सोशल मीडिया पर डाली थी आपत्तिजनक पोस्ट
- फिल्म फुले को लेकर खड़ा हुआ था विवाद

जयपुर।जाति-विशेष को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप के खिलाफ बजाज नगर थाने में मामला दर्ज हुआ है। मामला सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट डालने से जुड़ा है, जिसमें जाति-विशेष को लेकर अपशब्द लिखे गए थे।

जांच अधिकारी एएसआई इंद्राज ने बताया कि बरकत नगर में रहने वाले अनिल चतुर्वेदी ने शनिवार रात फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप के खिलाफ शिकायत दी थी। शिकायत में बताया कि फिल्म डायरेक्टर की ओर से जाति-विशेष को लेकर विवादित पोस्ट डाली गई। सोशल मीडिया पर अपशब्द बोलकर अपमानित किया गया है।

फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप की फिल्म फुले को लेकर विवाद खड़ा हुआ है। 25 अप्रेल को फिल्म फुले रिलीज होने वाली है। फिल्म समाज सुधारक दंपती ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है। फिल्म के रिलीज होने से पहले ही जातिवाद को बढ़ावा देने का आरोप लग रहा है। सेंसर बोर्ड की ओर से भी फिल्म में कुछ बदलावों की मांग की गई थी। इस पर फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप की ओर से नाराजगी जाहिर कर सोशल मीडिया पर विवादित बयान पोस्ट किया था। जाति-विशेष को लेकर फिल्म डायरेक्टर के बयान के बाद देशभर में बवाल मच गया। दरअसल, फुले फिल्म पर कॉन्ट्रोवर्सी चल रही है। इसकी रिलीज में देरी और सीबीएफसी के बदलावों से परेशान होकर अनुराग ने केंद्र सरकार, ब्राह्मण समुदाय और सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन पर कई सवाल उठाए थे। इसके बाद कश्यप को ब्राह्मण समुदाय ने जमकर ट्रोल किया था। अनुराग पर निशाना साधते हुए एक यूजर ने लिखा था कि ब्राह्मण तुम्हारे बाप हैं, जितना तुम्हारी उनसे सुलगती, उतना तुम्हारी सुलगाएंगे। इसका जवाब देते हुए डायरेक्टर ने आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।

अनुराग को ट्रोल किया गया तो उन्होंने ब्राह्मण समुदाय पर दिए अपने आपत्तिजनक बयान पर माफी मांगी। शुक्रवार (18 अप्रैल) देर रात उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया।

उन्होंने लिखा था कि मैं माफी मांगता हूं, पर अपनी पोस्ट के लिए नहीं बल्कि उस एक लाइन के लिए मांग रहा हूं, जिसको गलत तरह से लिया गया और नफरत फैलाई गई। कोई भी एक्शन या स्पीच आपकी बेटी, परिवार, दोस्त और जानने वालों से ज्यादा नहीं। उन्हें रेप की धमकी मिल रही है, जान से मारने की धमकी दी जा रही है। जो खुद को संस्कारी कहते हैं, वो लोग ये सब कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि तो कही हुई बात वापस नहीं ली जा सकती और न लूंगा, लेकिन मुझे जो गाली देनी है दो। मेरे परिवार ने न कुछ कहा है और न कहता है। इसलिए अगर मुझसे माफी ही चाहिए तो ये मेरी माफी है। ब्राह्मण लोग औरतों को बख्श दो, इतना संस्कार तो शास्त्रों में भी है, सिर्फ मनुवाद में नहीं है। आप कौन से ब्राह्मण हो तय कर लो? बाकी मेरी तरफ से माफी।

दरअसल प्रतीक गांधी और पत्रलेखा स्टारर फिल्म फुले विवादों में घिरी हुई है। इस पर जातिवाद फैलाने का आरोप है। समाज सुधारक जोड़ी ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले की जिंदगी पर बनी इस फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया था। फिल्म पहले 11 अप्रेल को रिलीज होनी थी। गौरतलब है कि फिल्म में सेंसर बोर्ड ने कई बदलाव करने के लिए मेकर्स को कहा था। फिल्म से मांग, महर, पेशवाई जैसे शब्दों को हटाया गया। साथ ही 3000 साल पुरानी गुलामी डायलॉग को भी बदलकर कई साल पुरानी गुलामी करवा दिया गया था। फिल्म का निर्देशन अनंत महादेवन ने किया है।

चल विद्यालयों को भामाशाह सहयोग करें : मदन दिलावर

- 'सरकार शीघ्र ही चल विद्यालय शुरू करने जा रही है । इन विद्यालयों के जरिए उन विद्यार्थियों तक पहुंच बनाई जाएगी जो घुमंतु जातियों से है'

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि राजस्थान सरकार प्रदेश में 70000 से अधिक सरकारी विद्यालयों का संचालन कर रही है। ताकि प्रदेश के हर कोने में हर बच्चे को शिक्षा मिले। सरकार का प्रयास है कि कोई भी बच्चा किसी भी कारण से शिक्षा से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य को लेकर सरकार शीघ्र ही चल विद्यालय शुरू करने जा रही है । इन विद्यालयों के जरिए उन विद्यार्थियों तक पहुंच बनाई जाएगी जो घुमंतु जातियों से है। इन विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर घुमंतु जाति के बच्चों को प्रवेश देकर उनके ही स्थान पर विद्यालय की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि वह शिक्षा से जुड़कर अपना भविष्य बना सके।

मदन दिलावर रविवार को चेन्नई में आयोजित राजस्थानी प्रवासी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। श्री दिलावर ने कहा कि सरकार अपनी ओर से सबको शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। परंतु आपका भामाशाह के रूप में सहयोग मिले तो हम राजस्थान में शिक्षा की बेहतरी के कीर्तिमान स्थापित कर सकते हैं। मंत्री दिलावर ने कहा कि हमने पिछले डेढ़ वर्ष में अनेक नवाचार कर राजस्थान में शिक्षा प्रणाली में अनेक सुधार किए हैं। बच्चों को डिजिटल माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। जहां विद्यालय में विषय विशेषज्ञ अध्यापकों का अभाव था वहां अध्यापक लगाए जा रहे हैं। साथ ही सरकार प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की शिक्षा को भी जोड़ने जा रही है जिससे बच्चों को अत्याधुनिक शिक्षा मिल सके और वह विश्व के बदलते परिवेश में आगे बढ़ सके।

दिलावर ने कहा कि आप प्रदेश में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं से जुड़कर अपना योगदान दे सकते हैं। सरकार आपके द्वारा लगाए गए धन और आपके प्रयास का भरपूर संरक्षण करेगी। सम्मेलन में बड़ी संख्या में चेन्नई में रह रहे राजस्थानी मूल के प्रवासियों ने शिरकत की तथा प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं को लेकर मंत्री महोदय से चर्चा की। शिक्षा मंत्री श्री दिलावर ने प्रवासियों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

रविवार को ही दिलावर अपने दौरे के अगले चरण में बेंगलुरु पहुंचे जहां दिलावर का कर्नाटक में रह रहे राजस्थानी प्रवासियों से मिलने का कार्यक्रम है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात रहेंगे सात आई.पी.एस.समेत 2400 जवान

- हॉस्पिटल में हर ब्लड ग्रुप की 5 यूनिट रिजर्व, मिलने वालों का होगा कोरोना टेस्ट

जयपुर। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड (जेडी) वेंस के जयपुर दौरे को लेकर पुलिस ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। वेंस की सुरक्षा में 7 आईपीएस अधिकारी, 20 एडिशनल डीसीपी, 40 एसीपी, 300 एएसआई, एसआई और सीआई लगाए जाएंगे। 2100 कांस्टेबल को फील्ड में तैनात किया जाएगा। जयपुर के तीन हॉस्पिटल (सरकारी-प्राइवेट) को हर ब्लड ग्रुप की 5 यूनिट रिजर्व रखने के निर्देश दिए गए हैं। उपराष्ट्रपति से मिलने वाले या आसपास रहने वाले हर शख्स का कोरोना टेस्ट कराया जाएगा। इससे पहले विदेशी सुरक्षा एजेंसी के अधिकारी हवा महल,सिटी पैलेस सहित आमेर किला का दौरा कर चुके हैं।

वेंस जयपुर में 21 से 24 अप्रेल तक रहेंगे। सुरक्षा एजेंसियों की ओर से चिह्नित हॉस्पिटल में हर प्रकार की बीमारी के स्पेशलिस्ट (कार्डियक, ऑर्थो, एलर्जी, इनफेक्शन, चर्म रोग) डॉक्टर तैनात रहेंगे। इसके अलावा दौरे के दौरान अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एंबुलेंस और डॉक्टरों की टीम साथ रहेगी। वेंस की टीम जहां भी रुकेगी, वहां फूड टेस्टिंग टीम रहेगी। खाने-पीने वाली हर चीज की पहले जांच होगी, फिर सर्व किया जाएगा। वीवीआईपी दौरे को देखते हुए संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन भी कराया गया है। वेंस के दौरे के दौरान काफिले में एक एम्बुलेंस 24 घंटे मौजूद रहेगी। इसमें सीनियर डॉक्टर्स की टीम मौजूद रहेगी। टीम के पास इमरजेंसी पर दी जाने वाली सभी दवाएं और अन्य उपकरण होंगे। पुलिस को भी अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। वीवीआईपी की सुरक्षा के लिए उनके प्राइवेट वाहनों के अलावा 20 गाड़ी राजस्थान सरकार की उनके काफिले में होंगी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति डेविड वेंस जयपुर दौरे के दौरान कई बड़ी हस्तियों से मिलेंगे। सुरक्षा एजेंसी ने सभी मिलने वालों का कोरोना जांच करवाना अनिवार्य किया है। सुरक्षा एजेंसियों ने रैपिड एंटीजन टेस्ट को स्टैंडबाय में रखा है। मिलने वालों को बहुत कम समय के लिए उनके पास रोका जाएगा।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर डॉ.रामेश्वर सिंह ने बताया कि सुरक्षा की पूरी तैयारी हो गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति की सुरक्षा में हर पॉइंट पर पुलिस टीम रहेगी। उनके एयरपोर्ट पर लैंड करने से लेकर यहां रुकने तक कड़ी सुरक्षा रखी जाएगी। 21 अप्रेल को दिल्ली पहुंचने के कुछ घंटों बाद वेंस और उनका परिवार स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर जाएंगे। वहां हैंडीक्राफ्ट सामान वाले शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को भी विजिट कर सकते हैं। सोमवार शाम 6.30 बजे पीएम मोदी वेंस की मेजबानी करेंगे। भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के साथ - साथ दोनों देशों के बीच संबंधों को और बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा होगी। मीटिंग के बाद पीएम नरेंद्र मोदी अमेरिकी डेलिगेशन के लिए डिनर भी होस्ट करेंगे। दिल्ली में अमेरिकी उपराष्ट्रपति और उनका परिवार आईटीसी मौर्य होटल में ठहरेंगे।

आईपीएल टी-20 क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले पांच युवक गिरफ्तार

- पुलिस ने छह लाख चौवन हजार नब्बे रुपये व विदेशी मुद्रा के अलग-अलग देशों के 44 नोट बरामद हुये हैं व ऑनलाईन सट्टा चलाने के लिये प्रयुक्त दो चौपहिया और दो दुपहिया वाहन जब्त किये गये

जयपुर। मोती डूंगरी थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व (डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए टी-20 आईपीएल क्रिकेट मैच में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाने वाले पांच युवकों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस टीम ने गिरफ्तार युवकों के कब्जे से 3 लैपटॉप चालू अवस्था में खुले हुए थे तथा 18 मोबाईल फोन एंड्रॉयड व 11 मोबाईल फोन की पेड, एक सोनी कंपनी का रिकार्डर, एक प्रिंटर, एक इंटरनेट वाईफाई राउटर, 4 कंप्यूटर के कीबोर्ड 1 कैलकुलेटर, 2 माइक लीड, 2 मोबाईल कनेक्शन पेटी, 2 इलेक्ट्रिक सप्लाई बोर्ड चालू अवस्था में सामने रखे थे, तथा दीवार पर लगे 1 एलईडी टीवी मे राजस्थान रॉयल बनाम लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच आईपीएल क्रिकेट मैच चल रहा था को जब्त किये गये व साथ ही छः लाख चौवन हजार नब्बे रुपये व विदेशी मुद्रा के कुल 44 नोट अलग अलग देशों के बरामद हुये है। व ऑनलाईन सटटा चलाने के लिये प्रयुक्त दो चौपहिया और दो दुपहिया वाहन जब्त किये गये।

फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने मे जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि मोती डूंगरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टी-20 आईपीएल क्रिकेट मैच में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाने वाले प्रभजीत सिंह उर्फ रिंकू निवासी जवाहर नगर, गगनदीप सिंह निवासी जवाहर नगर ,योगेश लखारा निवासी जवाहर सर्किल जयपुर, राहुल सक्सैना निवासी जवाहर सर्किल और अभिषेक जैन निवासी शिप्रा पथ जयपुर को गिरफ्तार किया। जो बीस दुकान आदर्श नगर में किराए के मकान में आईपीएल टी 20 क्रिकेट मैच पर सट्टा चल रहे थे।

जिस पर टीम ने मौके पर दबिश देकर उनके कब्जे से मौके पर ही अवैध सट्टा उपकरण जब्त किया है। इस सट्टे की खाईवाली और कौन कौन लोग इसमें शामिल है इसके बारे में पुलिस टीम द्वारा पूछताछ की जा रही है। साथ ही पूछताछ में कई अन्य वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

अब संभव है सोरायसिस का आयुर्वेदिक समाधान : आचार्य बालकृष्ण

- विश्व प्रसिद्ध ''टेलर एंड फेंसिस'' प्रकाशन के रिसर्च जर्नल में पतंजलि का शोध प्रकाशित
- 'पतंजलि ने सोरोग्रिट और दिव्य-तेल की सहायता से सोरायसिस जैसी बीमारी को दूर करने में सफलता पाई'

हरिद्वार। पतंजलि का एक महत्वपूर्ण शोध विश्व प्रसिद्ध ''टेलर एंड फेंसिस'' प्रकाशन के रिसर्च जर्नल जर्नल ऑफ इन्फ्लेमेशन रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। इस महत्वपूर्ण शोध के अनुसार पतंजलि ने सोरोग्रिट और दिव्य-तेल की सहायता से सोरायसिस जैसी बीमारी को दूर करने में सफलता पाई।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि के वैज्ञानिकों ने विविध शोध कर सोरोग्रिट टैबलेट तथा दिव्य तेल का निर्माण किया है जो सोरायसिस की अचूक औषधि हैं। सोरायसिस एक दीर्घकालिक त्वचा रोग है, जिसमें त्वचा पर चांदी जैसी चमकदार पपड़ी, और लाल चकत्ते दिखाई देते हैं। इन चकत्तों में बहुत खुजली होती है। एलोपैथिक चिकित्सा में इस रोग में मात्र लक्षणों को कम किया जाता है, और साथ ही एलोपैथ के दुष्प्रभाव भी देखने को मिलते हैं।

सोरायसिस एक गम्भीर ऑटो इम्यून रोग है जिसमें रोगी को असहनीय परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अभी तक इसका कोई स्थाई उपचार नहीं था। आज पतंजलि ने सिद्ध कर दिया है कि प्राकृतिक जड़ी-बूटियों के माध्यम से सोरायसिस जैसे लाइलाज समझे जाने वाले रोग को भी ठीक किया जा सकता है। पतंजलि के वैज्ञानिकों द्वारा चूहों के इमिक्विमोड और टीपीए इनड्यूस्ड सोरायसिस के दो अलग-अलग प्रीक्लीनिकल मॉडल को, सोरोग्रिट टैबलेट दी गई और दिव्य-तेल का उपयोग उनकी त्वचा पर किया गया, तो इसके सकारात्मक परिणाम मिले।

BANASTHALI VIDYAPITH

(Notified as Deemed to be University Under Section 3 of the UGC Act)

University for women: University with a difference

Banasthali Vidyapith, the world's largest fully residential university for women is NAAC 'A++', the second highest ranked women's university in the world having more than 15000 students on its 850-acre campus situated amidst rural setting in Rajasthan, having a distinct educational ideology and offering a variety of programmes from nursery up to doctoral level across a wide spectrum of disciplines to prepare enlightened citizens with strong value-base.

Programmes offered

ENGINEERING & TECHNOLOGY

B.Tech.* (Comp. Sc.& Engg./Comp. Sc.-Artificial Intelligence/Electronics & Comm./ Electronics & Instru./Electrical & Electronics/Mechatronics/ IT/Biotech./Chemical Engg./Electronics Engg.-VLSI Design and Technology)
M.Tech. Integrated* (Comp. Sc./Mechatronics)*
M.Tech. (Artificial Intelligence)
M.Tech. (Computer Science/IT)
M.Tech. (Robotics & Automation)
M.Tech. (VLSI Design)
M.Tech. (Remote Sensing)
M.Tech. (Biotechnology)
M.Tech. (Chemical Engineering)
Three Year Diploma (Electronics & Instru./ Electrical & Electronics/Mechatronics)*

MATHEMATICAL & PHYSICAL SCIENCES

B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research$ (Phy./Chem./Maths/Comp.Sc./Elect./Stats)
BCA/BCA Hons./BCA Hons. with Research$
B.Sc. (Data Science)/**B.Sc.** (Data Science) Hons.
M.Sc. (Computer Science)
M.Sc. (Data Science) | **M.Sc.** (Electronics)
M.Sc. (Mathematics/Statistics/Operations Research)
M.Sc. (Physics)
MCA/PGDCA

ARCHITECTURE & PLANNING

B.Arch.+

LAW

B.A./BBA/B.Com. LL.B. (Integrated)
LL.M.* (Constitution Law/Criminal Laws & Forensics)

LIFE SCIENCES

B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research$ (Chemistry, Zoology, Botany & Microbiology)
B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research$ (Biotechnology)
B.Pharm.*
M.Pharm. (Pharmaceutical Chemistry, Pharmaceutics, Pharmacology)
M.Sc. (Chemistry) | **M.Sc.** (Microbiology)
M.Sc. (Botany) | **M.Sc.** (Zoology)
M.Sc. (Biotechnology) | **M.Sc.** (Bioinformatics)
M.Sc. (Applied Microbiology & Biotechnology)

EARTH SCIENCES

B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research$ (Geology/Geography)
M.Sc. (Geography) | **M.Sc.** (Geology)
M.Sc. (Environmental Science)

MANAGEMENT STUDIES

B.Com./B.Com. Hons./B.Com. Hons. with Research$
BBA/BBA Hons./BBA Hons. with Research$
MBA (Integrated) | **BSW** | **M.Com.**
MBA* (Business Analytics/Entrepreneurship/HR/ Finance/Marketing/Aviation/Public Policy/Banking and Finance Management)

FINE ARTS

M.A. Music (Vocal/Instru.), Dance (Kathak/Bharatnatyam), Dramatic Art (Theatre), Drawing and Painting

AVIATION

B.Sc./B.Sc. Hons. (Aviation Science)

DESIGN

B.Des. (Fashion & Lifestyle Design/Communication Design/Industrial Design)
M.A. (Textile Designing) | **M.Des.**

JOURNALISM & MASS COMMUNICATION

B.A./B.A. Hons./B.A. Hons. with Research$ (Journalism and Mass Communication)
M.A. (Journalism and Mass Communication)

HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES

B.A./B.A. Hons./B.A. Hons. with Research$ (Hindi, Sanskrit, English, Sociology, History, Maths, Statistics, Applied Statistics, Political Sc., Public Adm., Economics, Management, Music, Dance, Drama & Theatre Art, French, Drawing & Painting, Home Science, Textile Designing, Computer Application, Geography, Psychology, German)
M.A. (Economics, History, Sociology, Political Sc., Psychology, Geography, Mathematics, Statistics, Operations Research, Hindi, English & Sanskrit)
Master of Social Work

EDUCATION

B.A.B.Ed.*/B.Sc.B.Ed.* (Secondary/Middle)#, **B.Ed., M.Ed.**

HOME SCIENCE

B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research$ (Home Science)
B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research$ (Home Science) Food Science & Nutrition
M.Sc. (Home Science) (Human Development/Food Science & Nutrition/Clothing & Textile)

NURSING

B.Sc. Nursing*

*Admission to this course shall be based on all India merit-cum-aptitude test.
One year PG Programmes available for 4 years Hons./Hons. with Research Graduates.
Foreign/NRI Admissions : A limited number of seats are available for direct admission of Foreign/NRI students in select courses.
Ph.D. : Visit the University website for further details of Ph.D. in all Subjects mentioned above.

$Lateral entry also available
For queries related to lateral entry call: +91-8946925269

Toll Free 1800-270-5855

Admission 2025-26
Scan to explore for detailed information

+JEE-2 & NATA qualified
#Subject to approval
LAST DATE FOR APPLICATION
30 April, 2025

SCHOOL EDUCATION DIVISION

New admissions shall be made only to classes VI*, IX* & XI Arts/Science(Maths/Bio)/Commerce.
For admission enquiry: +91-9116624101, +91-9352878388
Email: school_admissions@banasthali.in

Enquiries can be made at

- **For general enquiry:**
+91-9352879844, +91-9352879855, +91-9352879866
- **For UG/PG Admissions:**
+91-9116624102 (Engineering & Technology)
+91-9116624103 (Mathematical & Physical Sciences)
+91-9116624104 (Life Science, Aviation, Earth Sc.)
+91-9116624105 (Law & Management Studies)
+91-9352879847 (Humanities, Social Sc., Home Sc.)
+91-9352803156 (Design, Architecture, Fine Arts, Education & Nursing)

Email: ug_admissions@banasthali.in; pg_admissions@banasthali.in

How to Apply

For each programme a separate application is required through either:
Option 1 : Online submission of application at the University's website: **http://www.banasthali.org** or
Option 2 : Send a DD for Pre-application fee of Rs. 1000/- in favour of **"Banasthali Vidyapith"** Payable at Banasthali/Jaipur to: **Secretary-Banasthali Vidyapith, P.O. Banasthali Vidyapith-304022 (Raj.)**
Scan to explore

Scholarships

The Vidyapith provides financial support to the needy students in the form of merit-cum-need scholarships. It also encourages meritorious students by awarding them merit scholarships.

BANASTHALI VIDYAPITH
P.O. Banasthali Vidyapith (Raj.) 304022 • Phone : +91-1438228384, +91-1438228990
Mob.: +91-9352879844, +91-9352879855, +91-9352879866 • Email : admissions@banasthali.in
Visit us at **http://www.banasthali.org**
Connect with us on www.facebook.com/banasthali.org
Connect with us on www.instagram.com/banasthali_vidyapith_official

NAAC 'A++' 3.63
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2025
nirf All India Rank
QS UNIVERSITY RANKINGS ASIA

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में स्वागत, उमड़े लोग

हर साल विकास का हिसाब देंगे और अगले साल का प्लान बताएंगे : भजनलाल शर्मा

झुंझुनूं, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को झुंझुनूं जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान झुंझुनूं के ढिगाल टोल बूथ के पास पहुंचने पर मुख्यमंत्री का विधायक राजेंद्र भांबू के नेतृत्व में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने स्वागत किया। इस मौके पर स्वागत से सीएम भी काफी खुश नजर आए। अपने संबोधन में सीएम भजनलाल शर्मा ने विधायक राजेंद्र भांबू को काम वाला आदमी बताया। उन्होंने कहा कि राजेंद्र भांबू ऐसे विधायक हैं, जिनके काम कभी खत्म ही नहीं होते। वे जब भी आते हैं, दो-चार कागज लेकर आते हैं। कभी ये चाहिए, कभी वो चाहिए, लेकिन सरकार भी उनकी हर डिमांड को पूरी कर रही है। कारण यह है कि हम जनता को हर वो सुविधा देना चाहते हैं, जिसकी वो हकदार है और जिसे देना हमारा दायित्व है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का झुंझुनूं पहुंचने पर विधायक राजेंद्र भांबू के नेतृत्व में स्वागत किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि झुंझुनूं में जो पहले जनप्रतिनिधि रहे, उनके पास झूठ के अलावा कुछ नहीं था। यही कारण है झुंझुनूं विधानसभा में दशकों से काम लंबित पड़े थे। हम एक-एक कर सभी कार्य करवा रहे हैं। उन्होंने इस मौके पर उप चुनावों में राजेंद्र भांबू को एक बड़ी जीत दिलाने पर सभी कार्यकर्ताओं और झुंझुनूं विधानसभा के लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जिस मेहनत और विश्वास के साथ भांबू को चुनाव जिताया है, हम उसी विश्वास के साथ विकास कार्यों को पूरा करवाएंगे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने झुंझुनूं में लंबे समय से राजनीति की, उन्होंने सिर्फ राजनैतिक रोटियां सेंकी और लोगों का विश्वास तोड़ा है। चार साल बाद भांबू के कार्यकाल की तुलना कर लेना। पहले के जनप्रतिनिधियों से कहीं ज्यादा काम मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भाई वो होता है, जो वक्त पर काम आए, लेकिन दूसरे लोगों को भाई चुनाव के वक्त याद आता है। तभी उन्हें जाति याद आती है और तभी उन्हें धर्म याद आता है। वोट चले जाते। वो भी गायब हो जाते हैं। ऐसे लोगों से हमें सावधान रहना चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी के लोगों के लिए प्रधानमंत्री के मन में बड़ा प्रेम है। मेरे मन में भी तड़प है। प्रधानमंत्री के सामने जब यमुना पानी की बात आई, तो उन्होंने तुरंत हरियाणा के सीएम और जल शक्ति मंत्री से इस बारे में बता की और कहा कि मेरी

- विधायक राजेंद्र भांबू काम का आदमी, मिलने के बहाने आते हैं और काम के कागज साथ लाते हैं : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

शेखावाटी की पानी की प्यास पूरी होनी चाहिए। इस मौके पर सीएम ने कहा कि हम हर साल जनता को हिसाब देंगे, हम चुनावों का इंतजार नहीं करेंगे। हर साल विकास का हिसाब देंगे और अगले साल का प्लान बताएंगे। हम भी प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करते हुए जो कहेंगे, वो करेंगे के सिद्धांत पर काम कर रहे हैं।

इस मौके पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, पूर्व पार्षद कुलदीप पूनियां, कुलोद मंडल अध्यक्ष अनुपम जाखड़, सुलताना मंडल अध्यक्ष राजकुमार जांगिड़ व चिड़ावा प्रधान रोहिताश धांगड़ आदि मौजूद थे।

कृषि उपज मंडी परिसर में तेल के गोदाम में आग लगी

नगर निगम की दमकल व हाइड्रो क्रेन की मदद से आग पर काबू पाया।

भीलवाड़ा, (निसं)। रविवार को शहर के बीचों-बीच स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में तेल के गोदाम में अचानक भभकी आग ने क्षेत्र में दहशत फैला दी। एक के बाद एक करीब छह दमकलों ने कई चक्कर लगाकर आग को काबू पाने के प्रयास किए।

जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा के कृषि उपज मंडी में स्थित श्री बालाजी ट्रेडिंग कंपनी के नाम से खाद्य तेल गोदाम में रविवार को सुबह अज्ञात कारणों के चलते भीषण आग लग गई।

- फैक्टरी से उठता आग और धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर दिखाई दिया

घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद नगर निगम दमकल और सुभाष नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, निगम की तीन दमकलों और हाइड्रो क्रेन की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया।

गोदाम के अंदर तेल होने से आग ने चंद मिनटों में ही विकराल रूप धारण कर लिया, फिलहाल आग लगने के कारण सामने नहीं आए हैं। फैक्टरी से उठता आग और धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से नजर आ रहा था, जिसके कारण क्षेत्र ने दहशत फैल गई। करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

हेरोइन तस्करी के मामले में एक गिरफ्तार

पंजाब के तस्करों को सहयोग व शरण दे रहा था आरोपी

श्री गंगानगर, (निसं)। बॉर्डर पार से मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए श्रीगंगानगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस थाना नई मण्डी घड़साना और सीआईडी जोन श्रीगंगानगर की संयुक्त कार्रवाई में हेरोइन तस्करी के मामले में एक स्थानीय आरोपी अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया है, जो पंजाब के तस्करों को सहयोग व शरण दे रहा था।

जानकारी के अनुसार 21 मार्च को भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के रावला क्षेत्र अंतर्गत रोही चक तीन केएनएम हेतराम के खेत से बीएसएफ और रावला पुलिस ने दो पैकेट में 3 किलो 32 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। मौके पर कोई संदिग्ध नहीं मिला था, जिसके आधार पर पुलिस थाना रावला में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र कुमार और वृत्ताधिकारी प्रशांत कौशिक के सुपरविजन में थाना अधिकारी महावीर प्रसाद के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी साधनों से जांच शुरू की। इसी बीच बीआई घड़साना के हेडकांस्टेबल शिशपाल को मुखबिर से सूचना मिली कि चक पांच बीडी बी ढाणी निवासी अमनदीप सिंह इस तस्करी में संलिप्त हो सकता है। सीआईडी और नई मण्डी पुलिस ने संयुक्त रूप से अमनदीप को राउंडअप कर पूछताछ की तो उसने बॉर्डर पार तस्करी में शामिल होना स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस टीम ने अथक प्रयास, फील्ड इंटेलिजेंस और तकनीकी संसाधनों की सहायता से आरोपी को पकड़ा। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर बॉर्डर तस्करी के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

डॉक्टर से मारपीट की, मामला दर्ज

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना इलाके में बाइक सवार ने पहले चलती कार को साईड से टक्कर मारी और कार चालक द्वारा टोकने पर बाइक सवार ने कार चालक डॉक्टर से मारपीट की। मारपीट में घायल डॉक्टर झालावाड़ मेडिकल कॉलेज में असिंटेट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

जानकारी के अनुसार डॉक्टर शहादत हुसैन अंसारी ने इस मामले में विज्ञान नगर थाने में रिपोर्ट दी है, जिसमें कहा कि परिवार को लेकर कार से जा रहे थे विज्ञान नगर इलाके के हरमित मेडिकल के समीप एरोड्रम की तरफ से बाइक सवार तेज रफ्तार से आया और साइड से कार को टक्कर मार दी। जिस तरफ उसकी पत्नी व बालक बैठा हुआ था। बाइक सवार को टोका तो उसने मारपीट कर दी। विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि डॉक्टर शहादत हुसैन अंसारी ने रिपोर्ट में बाइक सवार के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दी है। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

महिला की गला रेतकर हत्या, पैरों को काटकर चांदी के कड़े ले गए चोर

आक्रोशित ग्रामीणों ने बामनवास, गढ़मोरा सड़क मार्ग पर जाम लगाया

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के जहिरा गांव में रविवार को सुबह करीब सात बजे अपने खेत पर ईंधन लेने गई 50 वर्षीय महिला की अज्ञात बदमाश चोरों ने गला रेत कर हत्या दी। हत्या कर देने के बाद मृत महिला के दोनों पैर काटकर चांदी के कड़े चुरा ले गए। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बामनवास, गढ़मोरा सड़क मार्ग पर जाम लगा दिया। देर शाम तक पुलिस प्रशासन व ग्रामीणों के बीच समझौता वार्ता जारी है।

मृतक महिला के परिवार के सदस्य महेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि मृतक हमारी ताई उर्मिला पत्नी मौसरिया मीणा उम्र 50 वर्ष निवासी जाहिरा उपखंड व थाना बामनवास रविवार को सुबह सात बजे रोज की तरह खेत पर ईंधन लेने गई थी। जब वह करीब चार घंटे बाद भी नहीं लोटी तो सभी परिजनों को चिंता हुई और सभी उसे खोजते हुए खेत पर पहुंचे, जहां पर ताई मृत अवस्था में पड़ी मिली, उसके गले पर गहरा घाव था एवं दोनों पैर कटे हुए थे दोनों पैरों के कडे गायब थे। आसपास जब खोज की गई तो कुंड के पास कटे पैर पड़े मिले पैरों के कड़े गायब थे। संभवतया बदमाशों ने पहले गला रेतकर हत्या की एवं पेर काटकर चांदी के कड़े चुराकर ले गए। वारदात की सूचना पाकर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए एवं बामनवास व गढ़मोरा सड़क मार्ग पर जाम लगा दिया। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बौंली नीलकमल मीणा, गंगापुर पुलिस उपाधीक्षक संतराम, बामनवास पुलिस अधीक्षक सीताराम, बामनवास थाना प्रभारी राकेश कुमार शर्मा, बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह एवं बामनवास उपखंड अधिकारी व तहसीलदार मौके पर पहुंचे एवं ग्रामीणों व परिजनों से समझौता वार्ता शुरू की। देर शात तक समझौता वार्ता जारी थी।

मृतक महिला का फाइल फोटो।

- परिजनों ने आसपास जब खोज की तो कुंड के पास कटे पैर पड़े मिले, पैरों के कड़े गायब थे

हादसे में युवक की मौत

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में शनिवार देर रात्रि को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक युवक शिवराज मेघवाल है।

पुलिस ने बताया कि कुराड़ गांव निवासी शिवराज मेघवाल बाइक से कोटा से गांव की ओर जा रहा था तभी नान्ता इलाके में अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन को चलाते हुए बाइक चालक शिवराज को टक्कर मार दी। कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए युवक को उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया, जहां रविवार को उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक शिवराज मेघवाल कोटा में निजि कोचिंग में गार्ड था। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज आबूरोड आयेंगे

जालोर, (कासं)। सिरोही जिले के आबूरोड स्थित ब्रहमकुमारी संस्थान के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में देश के प्रहरियों के लिए आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के समापन समारोह में 21 अप्रैल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शिरकत करेंगे।

वही चार दिन तक चले सुरक्षा सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को सोमवार को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संगठन के शांतिवन परिसर में स्थित डायमंड हाल में संबोधित करेंगे।

कार में क्वालिटी इंस्पेक्टर का शव मिला

कार से पानी और शराब की बोतल समेत खाने की सामग्री भी मिली

टोंक, (निसं)। कोतवाली क्षेत्र में शनिवार रात्रि के समय सड़क किनारे संदिग्ध अवस्था में खड़ी कार में क्वालिटी इंस्पेक्टर का शव मिला। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्वालिटी इंस्पेक्टर को कार से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों उसे मृत घोषित कर दिया।

कोतवाली थानाधिकारी भंवर सिंह वैष्णव ने बताया कि शनिवार रात को लोगों से जानकारी मिली कि पोस्ट ऑफिस की ओर सवाईमाधोपुर रोड किनारे एक कार खड़ी है। उसकी सीट पर एक व्यक्ति बेहोश सा नजर आ रहा है, बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और कार की खिड़की खोलकर इंस्पेक्टर को सआदत अस्पताल ले गई, जहां उसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। रविवार को पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

- परिजनों से पूछताछ में पता चला कि मृतक का पत्नी से अलगाव चल रहा था, जिसके कारण वह कुछ दिन से ज्यादा तनाव में थे

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक भंवर सिंह मीणा (33) पुत्र जानकी नंदन मीणा निवासी कासोटी खेड़ा जिला धौलपुर थाना बाड़ी का रहने वाला बताया गया है। परिजनों से पूछताछ में पता चला कि मृतक का पत्नी से काफी समय से अलगाव चल रहा था, जिसके कारण वह कुछ दिन से ज्यादा तनाव में थे। मृतक भारतीय खाद्य निगम में जयपुर में क्वालिटी इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत थे, गत दिनों ही उसका कोटा ट्रांसफर हुआ था। वह 4 दिन पहले जयपुर से कार लेकर कोटा ज्वाइनिंग करने के लिए रवाना हुए थे। मृतक इंस्पेक्टर की कार से पानी और शराब की बोतल समेत खाने की सामग्री भी मिली है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है, उसकी पहचान कार में मिली विभागीय पहचान पत्र से हुई हैं।

यूपी की महिला की करौली में सड़क हादसे में मौत, चार घायल

करौली, (निसं)। उत्तर प्रदेश के कैलारस से कैलामाता के दर्शन करने आये श्रृद्धालुओं के टेंपो और पिकअप वाहन में टक्कर हो गई, जिसमें एक महिला मौत हो गई व चार दर्शनार्थी घायल हो गये।

करौली में सदर थाने के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-23 पर रविवार प्रात 8'00 टेंपो और पिकअप की टक्कर हो गई। हादसे में एक महिला कि मौके पर ही मौत हो गई वही उसके परिवार के 4 लोग घायल हो गए। जिनका करौली अस्पताल के ट्रोमा वार्ड मे उपचार किया गया बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश के कैलारस क्षेत्र के लीलर का पुरा गांव की सोमवती 52 अपने परिजनों के साथ रविवार को प्रातः कैलादेवी मंदिर दर्शन के लिए जा रही थी। इसी दौरान उनके टैंपो और सामने से आ रही पिकअप वाहन कि टक्कर से सोमवती कि मौके पर ही मौत हो गई। सामने ही सदर थाना से पुलिस जवान भाग कर बाहर निकले। इस दौरान उन्होंने अपने स्तर पर वाहनों की व्यवस्था कर घायल विजेंद्र सिंह, उसकी पत्नी रिंकी, कुलदीप और उसकी पत्नी पूजा को करौली जिला अस्पताल के ट्रोमा वार्ड में भर्ती कराया।

घायल कुलदीप कुशवाहा ने बताया कि उसकी शादी अप्रैल में हुई थी। वह अपनी पत्नी, मां और परिवार के साथ शादी की जात करने कैलादेवी जा रहा था। सदर थाना प्रभारी एएसआई प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों वाहनों को जप्त कर लिया गया है। पुलिस मामले कि जांच कर रही है।

दम्पती को कार ने टक्कर मारी, पत्नी की मौत

भरतपुर, (निसं)। जिले के उच्चैन थाना इलाके में उच्चैन-बयाना बाइपास पर रविवार अलसुबह पैदल जा रहे पति-पत्नी को पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि पति की हालत गंभीर है। एसएचओ गिर्राज सिंह ने बताया कि उच्चैन-बयाना बाइपास के पास रहने वाले चतर फौजी (50) और उनकी पत्नी वीरवती (47) रोजाना घर से 500 मीटर दूरी पर बने बाड़े में मवेशियों का दूध निकालकर घर लौटते थे। रविवार को भी सुबह 5:30 बजे वे पैदल ही घर लौट रहे थे। उच्चैन-बयाना बाइपास पर पीछे से आ रही सफेद रंग की तेज रफ्तार कार दोनों को पीछे से जोरदार टक्कर मारते हुए निकल गई। चतर फौजी और वीरवती उछलकर 15 फीट दूर जाकर गिरे। वीरवती की मौके पर ही मौत हो गई। चतर फौजी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार ड्राइवर की तलाश कर रही है। वहीं परिजनों का कहना है कि घायलों को लेकर जब वे उच्चैन सीएचसी पहुंचे तो वहां घायलों को संभालने के लिए कोई डॉक्टर नहीं मिला। ऐसे में गुस्साए लोगों ने सीएचसी के गेट पर ताला लगा दिया और प्रदर्शन करने लगे। पुलिस ने लोगों को समझाया और सीएचसी का ताला खुलवाया।

- पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार ड्राइवर की तलाश कर रही है

हथियार के साथ एक गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। दतवास थाना पुलिस ने अवैध टोपीदार एक नाली बन्दूक रखने के आरोप में एक जने को गिरफ्तार किया है, जिससे एक नाली बन्दूक, 250 ग्राम बारूद व 108 छर्रे जब्त किए हैं।

दतवास थानाधिकारी कालूराम मीणा ने बताया कि विशेष टीम का गठन किया। टीम द्वारा दतवास क्षैत्र के गांव श्रीराजधानपुरा मोड पर एक अवैध टोपीदार एक नाली बन्दूक रखने का आरोपी चकन सोलंकी पुत्र तेजपाल मोग्या निवासी देवपुरा थाना निवाई को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से एक बन्दूक, बारूद, छोटे व बडे छर्रे व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को जब्त किया गया।

दोस्ती कर नाबालिग से दुष्कर्म

पाली, (नि.सं.)। पाली में एक स्कूली छात्रा को दोस्ती के जाल में फंसाकर रेप करने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी को रविवार को मेडिकल के लिए हॉस्पिटल लाया गया।

- पिता की रिपोर्ट पर आरोपी को गिरफ्तार किया

पुलिस के अनुसार, पाली शहर के एक थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने 12 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज करवाई, जिसमें बताया कि उसकी नाबालिग बेटी के स्कूल आने-जाने के दौरान उमेश (31) उर्फ सुनील उर्फ लक्की पुत्र खेताराम पीछा करने लगा। आरोपी ने बच्ची से दोस्ती की और फिर करीब एक साल पहले उसे डराकर उसके साथ दरिंदगी की। आरोपी ने किसी को कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी दी। नाबालिग को डरा हुआ देख उसकी मां ने प्यार से पूछा तो उसने सारी बात बताई। इस पर घटना को लेकर पाली के एक थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दी। मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपी उमेश उर्फ सुनील उर्फ लक्की को गिरफ्तार किया और मेडिकल के लिए रविवार को पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

डोटासरा अपना घर संभालें, दूसरे के घर में ताक झांक करना अच्छी आदत नहीं है : मदन राठौड़

पाली, (नि.सं.)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि डोटासरा पहले अपनी पार्टी तो संभाल लें। मेरी पार्टी का मैं सत्यानाश कर रहा हूं, या कुछ और कर रहा हूं, यह मेरी चिंता है। वे इसकी चिंता क्यों कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि डोटासरा अपना घर संभालें, दूसरे के घर में ताक-झांक करना अच्छी आदत नहीं है, यह उन्हें समझा दें। रही बात नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की, तो वे भी अपनी पार्टी और नेताओं की सोचें। भाजपा के बारे में सोचने के लिए हम बैठे हैं। मदन राठौड़ ने रविवार को पाली में अपने आवास पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों से मुलाकात की। इस दौरान मीडिया से बातचीत में कांग्रेस पर भी गंभीर आरोप लगाए।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पाली में अपने आवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर पलटवार किया
- नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया, राहुल और वाड्रा जेल जाएंगे, वक्फ की संपत्ति हमें नहीं चाहिए : मदन राठौड़

जानकारी के अनुसार बीते दिनों डोटासरा ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को लेकर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि वे (मदन राठौड़) किसी को छूटा सांड कहते हैं तो कभी महिला को एक्सपोर्ट क्वालिटी कहते हैं। बाद में माफी मांगने की बजाय सफाई देते हैं, जबकि उन्हें तुरंत देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। ऐसा ही चलता रहा तो वे भाजपा का राजस्थान में सत्यानाश कर देंगे। 50 लाख में करीब 500 करोड़ की संपत्ति हड़पने का आरोप पर राठौड़ ने कहा कि नेशनल हेराल्ड केस में यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी, सांसद राहुल गांधी और राबर्ट वाड्रा जेल जाएंगे। उन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग की। कांग्रेस शासन के समय सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मामला दर्ज हुआ था। वे फिलहाल जमानत पर है और जेल जाएंगे। क्योंकि अखबार के नाम पर करोड़ों की जमीन लाखों में ली और अब उसका दूसरा उपयोग किया जा रहा है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने भ्रष्टाचार किया है। जमीन अखबार के लिए मिली थी, जिसका बेचान नहीं हो सकता और इन्होंने बेचान कर दिया। 38-38 प्रतिशत शेयर राहुल गांधी और सोनिया गांधी के पास है, बाकी शेयर अन्य के पास है। वास्तव में यह संपत्ति सरकारी या समाचार पत्र के लिए होनी चाहिए। राठौड़ ने कहा कि उन्होंने 50 लाख में करीब 500 करोड़ की संपत्ति हड़पने का काम किया है। इस मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा फिलहाल जमानत पर है। वे जांच के बाद जेल जाएंगे। हालांकि इस मामले में मुकदमा हमने (भाजपा) दर्ज नहीं करवाया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ है, वह भी कांग्रेस शासन काल में। इससे भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन मुसलमानों के हित में है। इससे गरीब तबके के मुसलमानों को फायदा होगा। भाजपा को वक्फ बोर्ड की संपत्ति नहीं चाहिए। वक्फ की संपत्ति से जितनी आय होनी चाहिए, उससे काफी कम बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कानून ठीक बना है। मैनेजमेंट में कोई गैर मुस्लिम नहीं है। हालांकि मैनेजमेंट में कोई लापरवाही होती है, तो उसकी निगरानी के लिए दो गैर मुस्लिमों को लिया गया है। पता नहीं, उनको क्यों डर लगता है। कोई विवादित मैटर होता है तो पहले उनके स्तर पर ही सुनवाई होती थी। अब इसमें संशोधन होने के बाद सुनवाई कोर्ट में होगी।

महंगी कारों को किराये पर ले जाकर खुर्द-बुर्द करने वाली गैंग का मुख्य सरगना गिरफ्तार

आरोपी जेल में रहकर संचालित कर रहा था गिरोह

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए धोखे से महंगी कारों को किराये पर ले जाकर खुर्द-बुर्द करने वाली गैंग के मुख्य सरगना को अलवर जेल से गिरफ्तार किया है। जयपुर

- **पूर्व में पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके है**
- **गैंग के बदमाश योजना के तहत महंगी कारों को किराए पर लेते थे और फिर बेचने के बाद पैसा मास्टरमाइंड तक पहुंचाते थे**

पुलिस आरोपी को अलवर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर जयपुर लाई है। आरोपी की गैंग के बदमाश योजना के तहत महंगी कारों को किराए पर लेते थे और फिर ड्रग तस्करों को बेचने के बाद पैसा मास्टरमाइंड तक पहुंचाते थे।इस मामले में पूर्व में पुलिस पांच आरोपियों को पकड़ चुकी है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए धोखे से महंगी कारों को किराये पर ले जाकर खुर्द-बुर्द करने वाली गैंग के मुख्य सरगना जयंत कुमार (23) निवासी कोटपूतली सदर बहरोड़ को अलवर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ बहरोड़ व झुंझुनूं में छह आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए धोखे से महंगी कारों को किराये पर ले जाकर खुर्द-बुर्द करने वाली गैंग के मुख्य सरगना को अलवर जेल से गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि 9 मार्च को करधनी थाने में परिवादी राहुल सैनी ने स्कॉर्पियो चोरी का मामला दर्ज करवाया था। जहां जांच में पता चला कि किराये कंपनी चलाने वाले से फेक आईडी से दो बदमाश स्कॉर्पियो लेकर गए थे। उसका जीपीएस भी बंद कर दिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर गैंग के बदमाश मनीष यादव, रामलाल, अंशु सिंह, कर्मवीर सिंह उर्फ मोनू और विजय कुमार शर्मा उर्फ मोटया को गिरफ्तार किया।

जहां आरोपियों ने पूछताछ में अलवर जेल में बंद जयंत कुमार का सरगना होने का पता चला। अलवर जेल में बंद बदमाश जयंत लूट गैंग का संचालन कर रहा था। उसकी योजना के तहत किराए पर महंगी कारों को लिया जाता। फेक आईडी से ली कारों को ड्रग तस्करों को बेचान कर देते थे। जिसे मिले पैसों में मास्टर माइंड जयंत के कहे अनुसार बांट कर उस तक भिजवा देते थे। पुलिस ने अलवर जेल में बंद बदमाश जयंत कुमार को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है।

दुपहिया वाहन चुराने वाला वाहन चोर गिरफ्तार

मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चोरी के तीन दुपहिया वाहनों को जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन चोर प्रदीप नावरिया निवासी चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर हाल सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से चुराए गए तीन चोरी के दुपहिया वाहन बरामद किए गए है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कई वारदातों को अंजाम देना कबूला है।

विद्युत निगमों में अभियंता संवर्ग की भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी

जयपुर। राज्य के पाँच विद्युत निगमों में कुल 487 पदों के लिये प्रारम्भ की गई भर्ती प्रक्रिया के प्रथम चरण में अभियन्ता संवर्ग के कुल 271 पदों के लिये 11 और 12 अप्रैल 2025 को आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम शनिवार को जारी कर दिया गया है।

- **कनिष्ठ अभियंता और कनिष्ठ रसायनज्ञ के कुल 271 पदों पर भर्ती के लिए 11 और 12 अप्रैल को हुई थी ऑनलाइन परीक्षा**

परिणाम जारी किए गए अभियन्ता संवर्ग के कुल 271 पदों में कनिष्ठ अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) के 228 पद, कनिष्ठ अभियंता (मैकेनिकल) के 25 पद, कनिष्ठ अभियन्ता (सी एण्ड आई/कम्युनिकेशन) के 11 पद, कनिष्ठ अभियन्ता (फायर एंड सेफ्टी) के 2 पद और कनिष्ठ रसायनज्ञ के 5 पद शामिल हैं।

परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को 26 से 29 अप्रैल तक चम्बल रेस्ट हाऊस, हवा सड़क, सोडाला पुलिस थाने के पास, जयपुर में दस्तावेजों के सत्यापन हेतु बुलाया गया है। ऑनलाइन परीक्षा के एक सप्ताह की अल्प अवधि में ही अभियंता संवर्ग के पदो का परिणाम जारी कर ऊर्जा विभाग एवं पांचों विद्युत निगमों की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

अभ्यर्थी अपने प्राप्तांक, उक्त में से किसी भी निगम की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

परिणाम जारी होने की सूचना समस्त अभ्यार्थियों को उनके मोबाइल नम्बर पर संदेश (एसएमएस) द्वारा दे दी गई है।

सफल अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन हेतु वेबसाइट से कॉल लेटर डाऊनलोड करने की सूचना उनके द्वारा दिए गए मोबाईल नम्बर एवं ई-मेल पर भी दी गयी है। दस्तावेज सत्यापन हेतु अभ्यर्थियों को समस्त मूल प्रमाण पत्र मय फोटो प्रति साथ लाने हेतु निर्देशित किया गया है।

विद्युत निगमों में भर्ती संबंधी हेल्पलाइन डेस्क 9414056655 पर संपर्क करके भर्ती संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

परशुराम जयन्ती पर हाथी, घोड़े, पालकी में निकाली जाएगी शोभायात्रा

जयपुर। ब्राह्मण समाज राजस्थान की ओर से आगामी 30 अप्रैल को परशुराम जयन्ती धूमधाम से मनाई जाएगी। इस मौके पर ब्राह्मण समाज राजस्थान की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें हाथी, घोडे और पालकी में भगवान परशुराम विराजे होंगे। ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को सीकर रोड स्थित प्रधान कार्यालय पर पदाधिकारियों की बैठक हुई।

बैठक में कार्यक्रम के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया जिसमें ओम महाराज, सुशील कुमार शर्मा, पार्षद हरिशंकर बोरा, संदीप शर्मा, सुभाष चंद्र शर्मा को शामिल किया गया है। प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार परशुराम जन्मोत्सव पर शाम 4 बजे 1100 जोडों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी।

शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली जाएगी और यह गायत्री नगर, हरिहर विहार, सीकर रोड से अनोखा मोड़ होते हुए सीकर रोड गौडो की ढाणी स्थित ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रधान कार्यालय पर आकर समाप्त होगी।

परशुराम जयन्ती के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को सीकर रोड स्थित ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रधान कार्यालय पर पदाधिकारियों की बैठक हुई।

यहां सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा साथ ही समाज के वरिष्ठ लोगो का सम्मान भी किया जाएगा। महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शारदा शर्मा ने बताया कि परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के लिए मातृशक्ति को भी जिम्मेदारियां दी गई है। वहीं कार्यक्रम में प्रमुख कार्यों की जिम्मेदारी भी महिलाओ को सौंपी जाएगी। बैठक में सोनिया शर्मा, नेता रमेश चंद्र शर्मा, मनमोहन मिश्रा, मुन्ना लाल शर्मा, कन्हैयालाल, बनवारी लाल, ओम महाराज, सुशील शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर शहर में 21 से 24 अप्रैल तक रहेगी यातायात की विशेष व्यवस्था

जयपुर। जयपुर में 21 अप्रैल से 24 अप्रैल तक जयपुर शहर में बीवीआईपी -बीआईपी का आवागमन रहेगा। आवागमन के दौरान जयपुर एयरपोर्ट से रामनिवास बाग तक जवाहर लाल नेहरू मार्ग, भवानी सिंह रोड, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, हवामहल बाजार, सुभाष चौक से आमेर तक ओटीएस चौराहा से केवी तीन तिराहा तक का मार्ग उपयोग में लिए जाने की संभावना रहेगी। इन मार्गों पर अल्पावधि के लिए सुरक्षा कारणों से यातायात रोका जायेगा।

21 अप्रैल को जयपुर एयरपोर्ट से जवाहर सर्किल, जेडीए चौराहा तक जवाहर लाल नेहरू मार्ग, रामबाग चौराहा, पोलो सर्किल तक सामान्य यातायात को सुबह सवा नौ बजे से दस बजे 09.15 तक आवश्यकतानुसार उक्त मार्गों पर संचालित यातायात को समानांतर मार्ग टोंक रोड झालाना बाईपास, जवाहर नगर बाईपास, जनपथ, पृथ्वीराज रोड, तख्तेशाही रोड पर डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा।

उपरोक्त समय एवं मार्गों पर हल्के भार वाहक वाहन, बस-मिनी बस, धीमी गति से चलने वाले वाहनों का संचालन आवागमन के दौरान निषेध रहेगा। 21 अप्रैल को जवाहर लाल नेहरू मार्ग, सरदार पटेल मार्ग, पृथ्वीराज रोड, जनपथ, भवानी सिंह रोड पर सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग निषेध रहेगी। 21 अप्रैल से 24 अप्रैल तक शहर में आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के मद्देनजर उपरोक्त मार्गो पर आवागमन के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से कुछ समय तक सामान्य यातायात प्रभावित रहेगा। अत: उक्त मार्गों पर स्थित परीक्षा केंद्रों के अभ्यर्थी अतिरिक्त समय लेकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचे साथ ही समानान्तर मार्गों का उपयोग करने का प्रयास करें। उक्त कार्यक्रम के दौरान यातायात एवं समानांतर मार्गो की जानकारी के लिए यातायात हेल्पलाइन एवं वाट्सएप हेल्प डेस्क नंबर संचालित रहेगी।

नौकरी लगाने के नाम पर युवक से ठगीं

जयपुर। मुरलीपुरा थाना इलाके में मर्चेंट नेवी में नौकरी लगाने के नाम पर एक युवक से साढ़े पांच लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है।

पुलिस के अनुसार बादशाहपुरा विराटनगर निवासी साहिब सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि धीरेंद्र ओझा ने मर्चेंट नेवी में नौकरी लगाने के नाम उससे कई बार में साढ़े पांच लाख रुपए ले लिए। आरोपी ने उसे करीब 8-9 पहले नौकरी लगाने का झांसा दिया था। आरोपी ने उसे नौकरी भी नहीं लगवाई और न ही उसे रुपए लौटाए। आरोपी रुपए मांगने पर उसे धमका रहा है। इससे परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर्मी ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचला

जयपुर। मालपुरा गेट थाना इलाके में आर्मी ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। युवक बाइक से घर लौट रहा था इसी दौरान आर्मी ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी थी। एक्सीडेंट थाना पुलिस ने जयपुरिया हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रक को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि हादसे में वाटिका सांगानेर के रहने वाले गणेश नारायण चौधरी (30) की मौत हो गई। वह दूध बेचने का काम करता था। जो सुबह दूध बेचने के बाद खाली ड्रम लेकर बाइक से वापस घर लौट रहा था।

सुबह करीब 8:15 बजे इंडिया गेट के पास से जाते समय पीछे से आ रहे आर्मी के ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गणेश नारायण बाइक सहित रोड पर गिर गया। बेकाबू ट्रक उसे रौंदता हुआ निकल गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस एक्सीडेंट की सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जयपुरिया हॉस्पिटल के मुर्दाघर भिजवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

शिक्षा संकुल में भामाशाह भवन एवं भामाशाह पत्रिका का प्रकाशन करेगी सरकार : दिलावर

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने आज यहां बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी के ज्ञान ज्योति सभागार में आयोजित प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा की भामाशाह को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। भामाशाहो के नामकरण वाले विद्यालयों की प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु सरकार का प्रयास है।

- **शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी के ज्ञान ज्योति सभागार में आयोजित प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित किया**

दिलावर ने घोषणा की की राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, शिक्षा संकुल, जयपुर में अलग से भामाशाहों के सहयोग से भामाशाह भवन का निर्माण कराया जाएगा ताकि प्रदेश एवं प्रदेश के रहने वाले प्रवासी राजस्थानियों हेतु यह भवन न केवल शिक्षा विभाग बल्कि राजस्थान के संपूर्ण विकास का केंद्र बनेगा जहां भामाशाह अपने सुझाव सरकार तक पहुंच सकेंगे। इस भवन के माध्यम से शिक्षा विभाग की तरफ से भामाशाह हेल्प सेंटर एवं भामाशाह नामकरण वाले विद्यालय एवं भविष्य में बनाए जाने विद्यालयों के लिए केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करेगा।

शिक्षा विभाग भामाशाह पत्रिका का प्रकाशन भी करने जा रहा है। दिलावर ने कहा कि भामाशाह भवन एवं भामाशाह पत्रिका के माध्यम से भामाशाहों की अगली पीडिया तक भावनात्मक रूप से विद्यालय से जोड़े रखा जा सकेगा। जिससे इन विद्यालयों का संपूर्ण विकास भामाशाहों से सहयोग से आगे भी निरंतर रखा जा सके। भामाशाहों के नामकरण वाले विद्यालयों की प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु प्रतिमाह जिला कलेक्टर एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा जिला निष्पादन कमेटी के माध्यम से समीक्षा करने हेतु निर्देश जारी किए जाएंगे।

राज्यपाल ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सम्मेलन में भाग लिया

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को छत्रपति संभाजी नगर में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने इस दौरान भारत की महान विरासत की चर्चा करते हुए कहा कि भारत ने जब जीरो का ज्ञान दिया तब दुनिया को गिनती आई।

उन्होंने नालन्दा विश्वविधालय में बख्तियार खिलजी द्वारा भारतीय ज्ञान से जुड़ी पुस्तकें जलाने का जिक्र करते हुए कहा कि चिकित्सा के महान ग्रन्थ इसलिए आग के हवाले कर दिए गए कि भारत रोग निदान में उस समय भी अग्रणी था।

राज्यपाल ने प्राचीन भारतीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा से जुड़े ज्ञान के आलोक में भारत को अग्रणी बनाने का आव्हान किया।

उन्होंने तक्षिशला विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले महान चिकित्सक जीवक और चरक, सुश्रुत जैसे विद्वानों की चर्चा करते हुए कहा कि प्राचीन ज्ञान को सहेजते हुए चिकित्सा सेवाओं को समृद्ध और संपन्न किया जाए।

उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और चिकित्सकों को सेवा भाव रखते हुए सस्ती, सुलभ और प्रभावी चिकित्सा को केंद्र में रखकर कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने आईएमए संगठन के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने और जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों को सम्मानित भी किया।

सार-समाचार

चौहान ने राजावत को बधाई दी

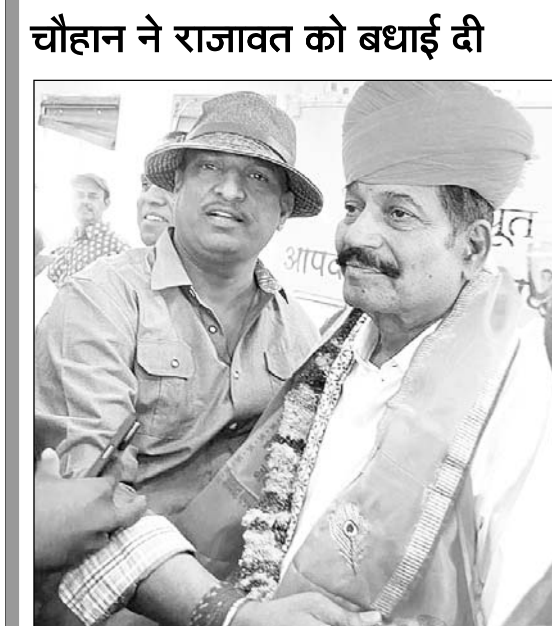

जयपुर। श्री राम सिंह जी राजावत (चंदलाई) को श्री राजपूत सभा के चुनाव में अध्यक्ष पद पर दूसरी बार विजय होने पर भगवान सिंह चौहान (पूर्व संगठन मंत्री, युवा राजपूत सभा निवाई) ने श्रीनाथजी का दुपट्टा पहनाकर स्नेहपूर्वक शुभकामनाएँ दी।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक बोर्ड ने 7,500 करोड़ रुपए की फंडरेजिंग को मंजूरी दी

मुंबई। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आज हुई बैठक में इक्विटी पूँजी (सीसीपीएस) के तहत प्रेफरेंशियल इश्यू को मंजूरी दी गई। इसमें करीब लगभग 4,876 करोड़ रुपए की राशि करंट सी इन्वेस्टमेंट्स बी.वी. को दी जाएगी, जो वारबर्ग पिंकस एलएलसी की एक सहयोगी कंपनी है। इसके अलावा, लगभग 2,624 करोड़ रुपए की मंजूरी प्लेटिनम इनविक्टस बी 2025 आरएससी लिमिटेड को मिली है, जो अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसके निजी इक्विटी विभाग द्वारा संचालित होती है। पिछले छह वर्षों में, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने खुद को एक इन्फ्रास्ट्रक्चर-केंद्रित विकास वित्त संस्थान (डीएफआई) से बदलकर एक आधुनिक, तकनीकी-संचालित और पूरे भारत में फैले यूनिवर्सल बैंक के रूप में सफलतापूर्वक रूपांतरित किया है। इस सफर में बैंक ने वितरण, तकनीक और प्रतिभा में बड़े स्तर पर निवेश किया है, ताकि वह देश के अग्रणी प्राइवेट सेक्टर बैंकों में से एक के रूप में स्थान पा सके।

नशे का इंजेक्शन लगाकर महिला से दुष्कर्म

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में दवा देने के बहाने नशे का इंजेक्शन लगाकर महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। महिला ने क्लिनिक कर्मचारी पर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हरियाणा निवासी 30 वर्षीय महिला ने मामला दर्ज करवाया कि वह रजनी विहार में किराए से रहती है। उसकी कुछ दिन से तबीयत खराब चल रही थी। इस कारण क्लिनिक पर काम करने वाला किशन कुमावत ड्रिप व इंजेक्शन लगाने आता था। आरोपी ने ड्रिप और इंजेक्शन लगाने के बहाने नशे की दवा देकर उसके साथ गलत काम किया। आरोपी ने घटना के बारे में किसी को बताने पर उसे जान से मारने की भी धमकी दी। घटना 18 अप्रैल की बताई जा रही है। मामले की जांच थानाधिकारी महावीर सिंह कर रहे है।

साइबर ठगों ने 2.90 लाख निकाले

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में एक युवक के क्रेडिट कार्ड से साइबर ठगों ने 2.90 लाख रुपए निकाल लिए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार नारायण वाटिका निवासी आशुतोष कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि उसके क्रेडिट कार्ड से किसी ने दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर कर लिए। ठगी का पता पीड़ित को बैंक खाता संभालने पर लगा। इस पर पीड़ित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया।

डमी कैंडिडेंट की मदद से एसआई परीक्षा पास करने वाला प्लाटून कमांडर अरेस्ट

जयपुर। एसओजी ने उपनिरीक्षक परीक्षा पेपर लीक मामले में डमी कैंडिडेट की मदद से परीक्षा पास करने वाले प्लाटून कमांडर को अरेस्ट किया है। आरोपी वर्तमान में तृतीय बटालियन आरएसी बीकानेर में प्लाटून कमाण्डर के पद तैनात है। एटीएस एवं एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी द्वारा उप निरीक्षक संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2021 के संबंध में दर्ज मुकदमा संख्या 10/2024 में तृतीय बटालियन आरएसी बीकानेर में तैनात प्लाटून कमाण्डर मदनलाल पुत्र राधाकिशन विश्नोई निवासी लोहावट फलौदी को रविवार को गिरफ्तार किया गया।

Celebrating World Creativity and Innovation Day

Every April 21, World Creativity and Innovation Day reminds us that imagination drives progress. From art to technology, every big leap begins with a bold idea. This day celebrates thinkers, dreamers, and doers, those who challenge norms and create solutions. In a rapidly changing world, creativity is more than an asset, it's a necessity. Whether you're solving global issues or reimagining daily tasks, your ideas matter. Today is a call to nurture innovation, encourage curiosity, and unleash the creative spark within us all. Because the future belongs to the creative minds shaping it.

#FOOD-TALK

Pinni vs. Panjiri

A Sweet Showdown of Tradition and Taste!

India's culinary landscape is filled with iconic sweets, but few manage to capture the heart of winter festivities and traditional nourishment like Pinni and Panjiri. Though similar in their use of ghee and flour, these two are more than just sugar-laden treats. With distinct textures, flavors, and cultural significance, Pinni and Panjiri each have a unique identity. Let's explore what makes them special.

The Essence of Indian Sweets: What Makes Pinni and Panjiri Unique?

At first glance, both Pinni and Panjiri seem like variations of the same sweet, thanks to their base ingredients: ghee, flour, and sugar. However, it's the subtle additions and the method of preparation that differentiate them.

- **Pinni:** Made from whole wheat flour or gram flour (besan), ghee, sugar, and a blend of nuts like almonds, cashews, and pistachios, Pinni is richer and smoother. The dough is roasted slowly, and flavours like cardamom or saffron bring a unique aromatic depth. Typically rolled into round balls, Pinni is a melt-in-your-mouth delight.
- **Panjiri:** In contrast, Panjiri is made using roasted wheat flour, ghee, dry fruits, and aromatic seeds like methi (fenugreek) and saunf (fennel), with the addition of edible gum (gond). These ingredients give Panjiri a grainy, rough texture and a distinctive taste that is earthy and slightly spiced. It's often served as a dry mixture that can be eaten on its own or mixed into milk.

Texture Wars: Soft and Melt-in-Your-Mouth vs. Crunchy and Nourishing

The most noticeable difference between Pinni and Panjiri is their texture.

- **Pinni:** Smooth, firm, and rich. The ghee makes Pinni soft, chewy, and dense, creating a comforting experience with every bite. It's designed to slowly dissolve in your mouth, giving off a buttery sweetness.
- **Panjiri:** Coarse and crunchy. The roasted flour and dry fruits create a crumbly texture that's more substantial. Panjiri's dry form can be eaten as it is or mixed into milk, offering both a snack and a drink in one.

Cultural Roots: The Stories Behind Pinni and Panjiri

Both sweets are steeped in cultural tradition but serve different purposes.

- **Pinni:** Primarily a winter treat, Pinni is a staple in Punjabi homes, often prepared during festivals like Lohri and Makar Sankranti. Its rich ingredients provide warmth and energy during the cold months, making it an essential winter snack.
- **Panjiri:** Historically, Panjiri has been considered a post-natal food, known for its health benefits, particularly for new mothers. It's packed with ingredients that boost strength and energy, making it a go-to choice during festivals like Navratri and Diwali.

Health Benefits: Sweetness with a Purpose

Beyond their taste, both sweets offer notable health benefits.

- **Pinni:** Packed with ghee and nuts, Pinni is a great source of healthy fats, proteins, and energy. It's ideal for boosting stamina during the winter months.
- **Panjiri:** The combination of fenugreek, fennel, and gond makes Panjiri a powerhouse of digestive and immune-boosting properties. It's often recommended to aid digestion, improve metabolism, and provide essential nutrients.

Whether you choose Pinni with its rich, buttery texture or the crunchy, health-packed goodness of Panjiri, both sweets are more than just a treat. They are cultural symbols that bring families together, nourish the body, and add sweetness to life's special moments. Next time you're faced with the choice, let the flavour, texture, or health benefits guide your decision, either way, you're indulging in a piece of Indian tradition!

A Door Cracked Open

Power doesn't always shatter with betrayal, it frays with silence. After the victories and alliances, came the harder war, one of doubt, desire, and the ache of being unseen. As Babur's blades rested, his words moved. Whispers became weapons, and loyalty began to erode, not with rebellion, but with longing. This is the story of the second silence, the one that doesn't scream, but changes everything.

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

Historically, after any failed alliance or perceived betrayal, Rajput coalitions grew increasingly cautious. Trust was delicate. The Mughals often used subtle diplomacy, offering titles, land, and non-aggression in return for loyalty. This article reflects that historical strategy: less brute force, more emotional calculus. The unravelling has begun, not with battle, but with doubt.

The Map of Desires

In the private tent of a Mughal envoy outside Jalore, a map was being redrawn, not with ink, but with whispers. On its surface, it looked like any other map of Rajputana cities, forts, rivers. But beside each kingdom's name, a symbol had been carved in gold leaf. Not military strength. Not trade output. But desire. For Bikaner, it was 'Recognition.' For Bundi, 'Autonomy.' For Jalore, 'Legacy.' And for one princeling near the hills of Sirohi, the word was simply: 'Vengeance.'

Babur's spies had done their work well. Every ruler, no matter how loyal in public, had been studied for what kept them awake at night. Their griefs, their dreams, their wounds. Babur wasn't looking for enemies. He was looking for ache. And he had found it.

In Sirohi, a door cracked open

Kunwar Amar, youngest son of Rao Lakha, had grown up in shadow. Overshadowed by elder brothers. Denied command. Denied land. But never denied vision. When the Mughal scroll arrived, he read it thrice. It offered no insult. No bribe. Only validation.

"You were never invisible. You were merely waiting."

That night, Amar walked alone to the family shrine and lit a diya. Not for guidance. But for resolve.

He would not defect. Not openly. But he would listen.

And sometimes, listening is the first betrayal.

#SILENCE AGAIN

PART:5

Meanwhile, in Chittorgarh, another map was taking shape

Sanga gathered his most trusted scribes. Not to redraw borders, but to chart trust. Not all kingdoms were equal in arms, but all had weight. Some bore grain. Others, roads. Some, memory. "Power," Sanga told them, "is not just steel and stone. It's knowing who will stay when the fire rises."

They began assigning emissaries not by rank, but by temperament.

The quietest man in the court was sent to Bundi.

A laughing, sharp-tongued soldier rode to Bikaner.

To Sirohi, they sent no one.

Not yet.

Historical Anchoring

In Mughal strategy, emotional leverage often proved more effective than force. Babur understood the inner landscape of rulers, their hunger for recognition, legitimacy, or revenge. This article builds on that historical realism, mapping not terrain but intention. Amar of Sirohi is fictional, but emblematic of the many lesser royals that history forgot, whose silences shaped greater wars.

In the hills of Sirohi, where the nights smelled of cedar and rain, Kunwar Amar sat by his window, watching the shadows curl around the palace pillars.

He had not answered Babur's letter. But he had not burned it either. It remained hidden beneath his sword belt, a scroll that said nothing treasonous, and yet everything unforgivable.

"You were never invisible. You were merely waiting."

Amar hadn't meant to listen. Not truly. But silence, once planted, grows like a root inside a man.

His elder brother, Kunwar Jawan, was away, sent to Chittorgarh for an engineering council. Their father, Rao Lakha, was still loyal to the Rajput Sangh, still proud of Amar's horse drills and court attendance. Still blind to what Amar had not said. Each evening, Amar attended the war room. He bowed. He nodded. He said nothing.

But at night, he walked. To the old granary. To the edge of the outer wall. Past sleeping guards and whispering trees. He had begun to memorize the shift rotations. The blind spots. Not to plan, but because his mind had started needing to know.

The second letter arrived hidden in a chessboard. Delivered by a travelling merchant from Agra, the board had carvings of Timur and Alexander. Amar turned it over slowly. Inside the hollowed base was a folded note and a single gold coin.

The note read:

"A future king does not wait for permission. He makes his own mirrors." Amar did not tremble. He placed the note beside the first. He held the coin to the candlelight and watched the fire bend around it. He did not respond. But neither did he destroy it.

That week, his younger cousin asked him to recite the Rajput Sangh oath at a temple ceremony. Amar smiled, took the script, and walked out before the prayer began. The priest waited. The crowd whispered. And Amar, in the shadows of the shrine, closed his eyes and tried to remember when he had last believed in the words. He couldn't.

That night, he placed both letters into an iron box and locked it. Not out of guilt. But to delay a truth he could no longer outrun.

The second silence had begun. Like Prince Salim before he became Jahangir, or countless younger sons in Rajputana who rode out not for war, but for a name of their own, Amar was not planning treason. He was planning to be seen.

Historical Anchoring

Throughout history, rebellions have often been seeded in forgotten sons, those passed over, underestimated, or silenced. Amar is fictional, but his journey reflects a deeper truth: betrayal rarely comes from hatred. It comes from being unseen. This article grounds that emotional reality, showing how silence itself can be a rebellion in slow motion.

Sanga's Scent of Smoke

Chittorgarh, February 1527

The mornings were colder now. Not the biting cold of the north, but the kind that settled in the bones of old warriors. Rana Sanga had begun waking earlier, before the fort stirred, before the sun hit the marble floor of his private hall. He walked in silence, his footsteps echoing along corridors that had once rung with the voices of princes and war chants.

Now, he listened for what was missing.

The laughter of Amar, the restless questions of younger nobles, the old songs sung without fear of being overheard, these had faded. Not vanished. Just thinned. It wasn't just the silence that disturbed Sanga. It was the kind of silence that tried to stay quiet.

In the council chamber, reports came from every border. Trade routes held. Sirhind remained fortified. Malwa sent their tributes and their princes. On paper, the confederacy had never been stronger. But on stone, on voice, on breath, it had shifted.

He could feel it in the way Rao Maldeo spoke more with his eyes than with his mouth now. In the way, Prithviraj Singh of Amber paused a second longer before offering agreement. In the way, Karnavati's hand lingered a little longer on his shoulder, when she passed behind his chair.

That morning, Sanga stood at the ramparts, gazing towards the hills of Sirohi. He said nothing aloud, but beside him, his hawk shifted on his gloved wrist.

"Send for Amar," he said finally. The wind carried the words into the distance.

Historical Anchoring

By early 1527, tensions within the Rajput confederacy would have naturally begun to grow under the weight of success, pride, and external pressure. Rana Sanga's leadership held them together, but cracks are inevitable in coalitions this large. This article imagines a leader's quiet realization, not through rebellion, but through atmosphere. Sometimes, the body senses infection before the wound appears.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

The images for the article have been sourced from the internet. "All images are for representational purposes only and do not depict actual historical events or individuals."

#J'ADORE

Heat? Meet Your Match

Summer-ready hairstyles for professional women!

Knot Bun with a Twist

Think of this as the fancier cousin of the basic bun, tie your hair into a low ponytail, knot it (literally), and secure. Minimalist, stylish, and no-nonsense.

Twisted Low Ponytail

A sleek low ponytail with a side twist at the front or wrapped with a hair strand gives off a modern, runway-ready feel. It's easy to do and ultra-polished.

Bubble Braid Ponytail

The classic ponytail gets an upgrade. Add hair ties every few inches to create 'bubbles.' It's playful, keeps hair in place, and adds a chic twist to your workday style.

French Twist Claw Clip Updo

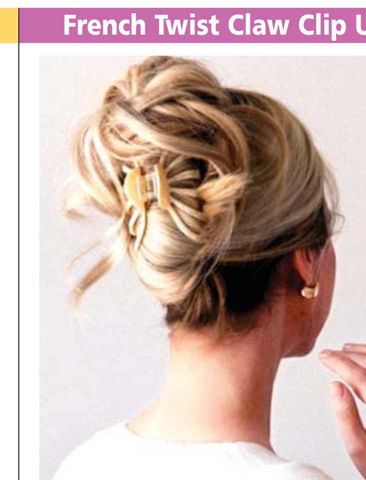

Elevate your claw clip game with a modern take on the French twist. It's elegant, quick, and keeps your hair off your neck during scorching summer days.

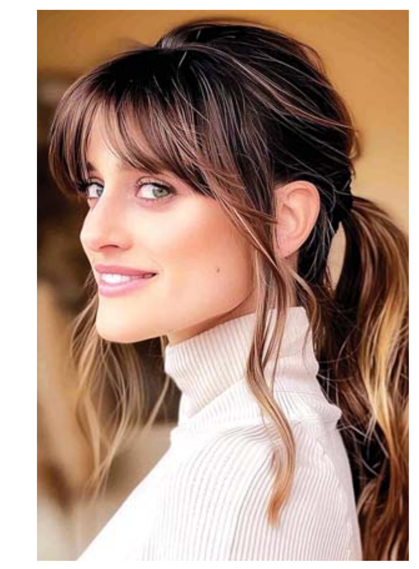

Curtain Bangs with Low Puff Ponytail

Pair soft curtain bangs with a low puff ponytail. It frames the face beautifully and gives an effortless glam vibe, especially for women with layered cuts.

Slicked-Back Wet Look Bun

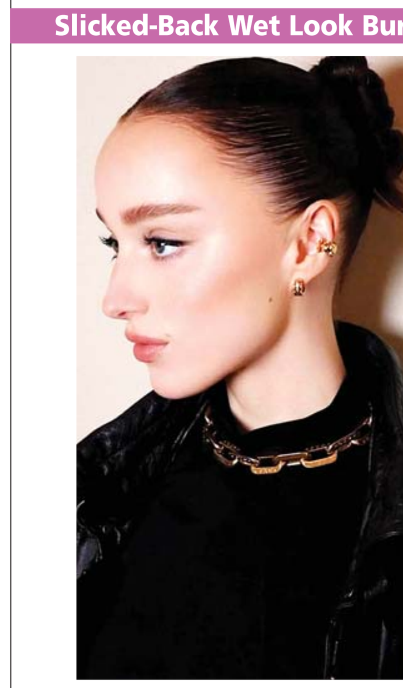

Use a strong-hold gel or serum to create a clean, slicked-back bun. This high-fashion look means business and keeps frizz out of sight.

Micro Braids or Accent Braids

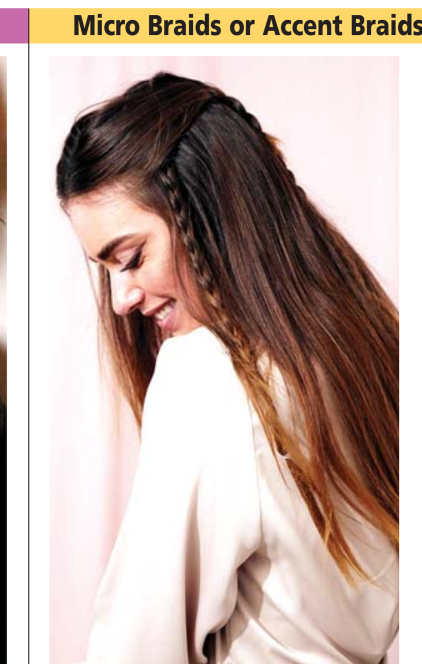

Add one or two tiny side braids to a half-updo or loose waves. It brings an edgy vibe to a professional look without going overboard.

Bonus Trend Alert: Accessories That Work

Satin scrunchies, minimalist hair claws, and pearl pins are in, adding just the right touch of flair to a structured office look.

THE WALL

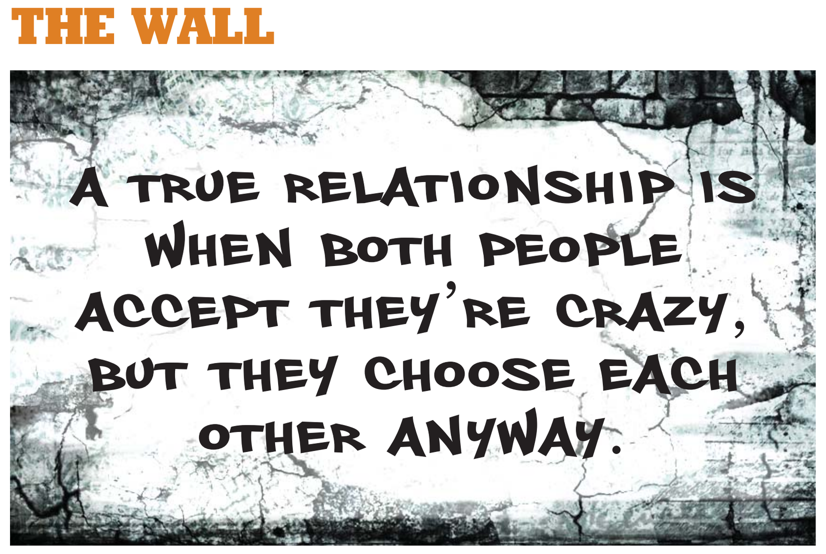

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

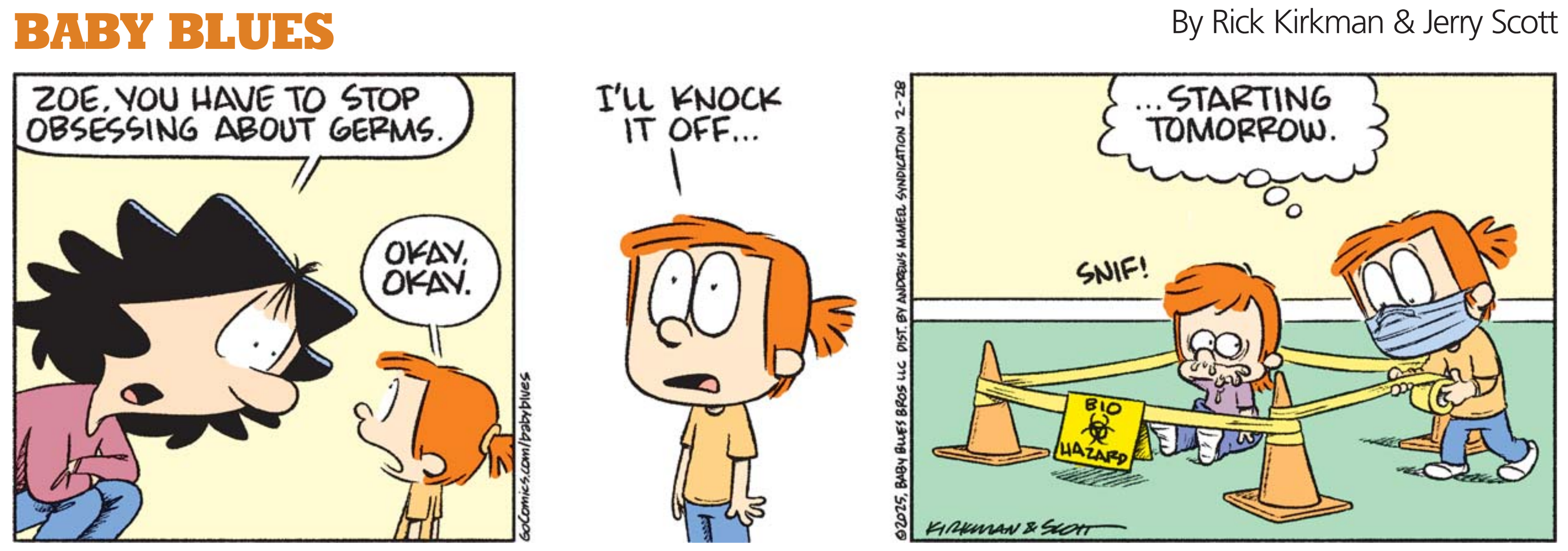

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

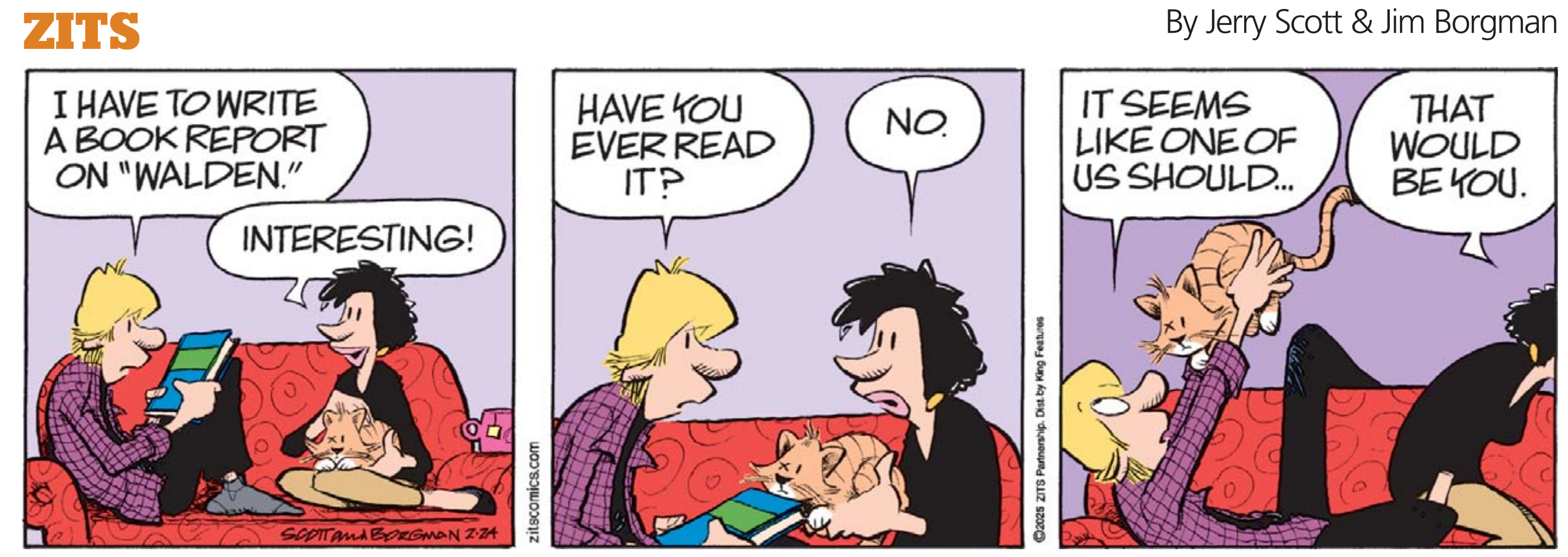

ब्लाइंड मर्डर का पर्दाफाश, तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

आरोपियों ने दो दिन तक मृतक के शव को अपने पास रखा, बाद में शव को सड़क पर डाला

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में आहोर पुलिस ने रविवार को ब्लाइंड मर्डर का 48 घंटो में ही पर्दाफाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। तीनों दोस्तों ने पूर्व प्लानिंग कर हत्या की घटना को अंजाम दिया। आरोपियों ने सड़क दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस से बच नहीं सके।

जानकारी के अनुसार जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशन में आहोर हल्का क्षैत्र में अज्ञात लोगों द्वारा भैरूसिंह राव की हत्या कर लाश शंखवाली से जोगावा रोड पर डालकर सड़क दुर्घटना का रूप देने की घटना का पर्दाफाश कर तीन अज्ञात मुलजिमानों का नामजद कर गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 17 अप्रैल को जरीये दूरभाष थाना आहोर पर सूचना मिली कि सरहद जोगावा में जोगावा से शंखवाली जाने वाली रोड पर एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त व पास में एक व्यक्ति पड़ा है। सूचना पर पुलिस जाब्ता के घटना स्थल सरहद जोगावा पहुंचे तो मौके पर एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त सड़क पर पड़ी मिली तथा पास में एक व्यक्ति की लाश पड़ी मिली, जिसकी बॉडी से बदबू आ रही थी, जिस पर घटनास्थल की वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी कर मृतक की जेब से आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड के आधार पर मृतक

जालोर जिले के आहोर पुलिस ने हत्या के मामले का पर्दाफाश कर तीन आरोपियो को गिरपतार किया।

भैरूसिंह (36) पुत्र बाबूलाल राव निवासी राजेन्द्र नगर आहोर पुलिस थाना आहोर होना पहचान हुई। घटनास्थल को सुरक्षित करवाया गया, मृतक के परिजनों की सूचित करने पर मृतक के भाई संतोष कुमार ने मृतक की हत्या होने तथा घटना को एक्सीडेंट का रूप देने व अज्ञात मुलजिमानों द्वारा हत्या करने का संदेह करने पर प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस अधीक्षक ने घटना स्थल पर पहुंच कर घटनास्थल का बारीक से निरीक्षण कर प्रकरण को ट्रेस आउट करने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया। पुलिस टीमों ने मृतक तथा संदिग्धों की कॉल डिटेल के आधार पर तीन संदिग्धों को दस्तयाब कर पूछताछ करने पर उनके द्वारा भैरूसिंह राव की हत्या करना स्वीकार करने पर पुराराम पुत्र हेमाराम, लखमाराम पुत्र हेमाराम व नरेन्द्रदास उर्फ नीतु पुत्र बजरंगदास को गिरफ्तार किया गया।

नियत में खोट आने पर वारदात को दिया अंजाम :- मृतक भैरूसिंह द्वारा आहोर स्थित रावलावास में खरीदशुदा एक भूखण्ड को करीब तीन माह पहले अभियुक्त पुराराम को बेचान कर दो लाख रूपये प्राप्त किये तथा शेष राशि पांच लाख रूपये बाकी रखे थे। आरोपी पुराराम की नियत में खोट आने के कारण पांच लाख रूपये नहीं देने के लिए पुराराम, लखमाराम व नरेन्द्रदास उर्फ नीतु द्वारा पूर्व प्लानिंग कर भैरूसिंह की हत्या करने का षड़्यंत्र रचा गया।

15 अप्रैल की रात्रि में आरोपी लखमाराम के घर के पास स्थित सूने मकान में भैरूसिंह को ले जाकर शराब पिलाकर सिर में लोहे की रॉड से गंभीर चोट मारकर हत्या कर दी। 15 अप्रैल रात्रि व 16 अप्रैल का पूरा दिन मृतक की लाश को उसी घर के अन्दर ही छिपाकर रखी गई।

16 अप्रैल की रात्रि में पुराराम, लखमाराम व नरेन्द्रदास ने पुराराम की स्वीफ्ट कार में भैरूसिंह की लाश को डालकर तथा मृतक की मोटरसाइकिल को भी साथ लेकर सरहद जोगावा से ग्राम शंखवाली की ओर जाने वाली सड़क पर पहुंचे। हत्या की घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने के लिए मृतक की मोटरसाइकिल को रोड पर डालकर तोड़-फोड़ की गई। मृतक को रोड पर डालकर उसके मुंह के आगे खून गिरने के आशय से लाल कलर का रंग डाला गया।

- **आरोपियों ने सड़क दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस से बच नहीं सके**

घटना को सडक दुर्घटना का रूप देने के लिए मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त कर उसके पास रोड पर कार के ब्रेक मारकर टायर घसीटने के निशान बनाये गये ताकि यह घटना किसी वाहन से दुर्घटना होने की लगे। मृतक के मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेसआउट नहीं हो इसलिये पूर्व षड़्यंत्र रचते समय खरीद किये गये सेमसंग कम्पनी के खराब मोबाइल फोन में मृतक की सीम डालकर मौके पर फैंक वहां से रवाना होकर अपने-अपने घर ग्राम आहोर आ गये।

कुरथल से चुराई कार बरामद, दो शातिर चोर गिरफ्तार

आरोपियों ने पूछताछ में जयपुर में भी वाहन चोरी की वारदात करना स्वीकार किया

कुरथल गांव से ब्रेजा कार चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर कार बरामद की।

मालपुरा, (निसं)। पचेवर थाना क्षेत्र के कुरथल गांव से कार चुराकर फरार हुये दो शातिर चोरों को थाना पुलिस व डीएसटी टीम ने दबोचकर कार बरामद कर दोनों चोरों को गिरफ्तार किया है।

पचेवर थानाधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि कुरथल गांव में आयोजित शादी समारोह में शिरकत करने पहुंचे कोटडी निवासी घनश्याम सिंह राजपूत की और से दी रिपोर्ट में 17 अप्रैल को कुरथल गांव से उसकी ब्रेजा कार चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुये डीएसटी टीम मालपुरा के सहयोग से थाने की विशेष पुलिस टीम ने सौ से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देख गांवों में 14 अप्रैल को आयोजित शादी समारोह में शामिल होने वाले बाहरी व संदिग्ध लोगों को सुचीबद्ध कर चलाये गये विशेष अभियान में सूचना एकत्रित कर दो शातिर चोरों को सीकर हाईवे पर डिटेन कर की गई गहन पूछताछ में गिरफ्तार किया। दोनों शातिर चोर आशीष व अंकित जाट निवासी ढाणी कुम्भाकाला कोटडा थाना हाल निवासी जयपुर झोटवाडा को चोरी के आरोप मे गिरफ्तार कर कुरथल से चुराई गई घनश्याम सिंह राजपूत निवासी कोटडी की ब्रेजा कार बरामद की गई।

थानाधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों से की गई पूछताछ में जयपुर में भी वाहन चोरी की वारदात करना स्वीकार किया। साथ ही दोनो शातिर चोरो से की गई पूछताछ मे दोनो चोरो ने कुरथल गांव मे आयोजित शादी समारोह के दौरान उनकी ब्रेजा कार चोरी की वारदात हुई जिसमे चोरो ने बताया कि सभी लोग शादी समारोह मे व्यस्त थे। जिसका फायदा उठाकर चोरो ने गजराज सिंह के बाडे के सामने खडी ब्रेजा कार को चुरा ले गये। पुलिस ने दोनो आरोपियो से वारदात स्थल व अपने गांव का मौका मुआयना करवाते हुये पूछताछ की तो चोरो ने ब्रेजा कार को खुर्द-बुर्द करने की योजना बताई। महज 48 घंटे मे लग्जरी कार चोरी की वारदात का खुलासा कर चुराई गई कार बरामद करते हुये दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

आरएएस के इंटरव्यू आज से

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2023 के इंटरव्यू 21 अप्रैल से शुरू होंगे, जिसमें 2 हजार 168 अभ्यर्थियों के इंटरव्यू लिए जाएंगे। आयोग द्वारा इसकी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। आयोग के सचिव ने बताया कि आयोग की ओर से भर्ती का विज्ञापन 28 जून 2023 को जारी किया गया था। प्रारंभ में कुल 905 पद (राज्य सेवाएं 424 एवं अधीनस्थ सेवाएं 481) के लिए अभ्यर्थियों से 1 से 31 जुलाई 2023 तक आवेदन प्राप्त हुए थे, बाद में पद बढ़ाकर 972 (राज्य सेवाएं 491 एवं अधीनस्थ सेवाएं 481) कर दिए गए। आरएएस मेंस 2023 का रिजल्ट 2 जनवरी 2025 को जारी किया गया, इसमें 2 हजार 168 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए अस्थाई रूप से सफल घोषित किया। इसमें 2 अभ्यर्थियों के रिजल्ट शील्ड कवर रखे गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं में जनसुनवाई की

झुंझुनूं/सीकर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को शेखावाटी क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन झुंझुनूं के सर्किट हाऊस में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याओं को सुना और मौके पर ही अधिकारियों को इन समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

सीएम ने जनसुनवाई में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग से संबंधित परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, विधायक राजेन्द्र भांबू, विक्रमसिंह जाखल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे।

- **आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए**

मुख्यमंत्री ने फतेहपुर में चित्रकूट बालाजी मंदिर व श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर में दर्शन किए : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शेखावाटी क्षेत्र की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन रविवार सुबह सीकर जिले के फतेहपुर में चित्रकूट बालाजी मंदिर तथा श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। शर्मा ने सर्वप्रथम चित्रकूट बालाजी मंदिर परिसर में कामधेनु-शिव मंदिर तथा बालाजी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि बुद्ध गिरी महाराज की मढ़ी पहुंचकर वहां स्थित हिंगलाज माता और शिव मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने संत शिरोमणि बुद्ध गिरी महाराज सहित अन्य संतों की समाधि पर नमन किया। वहां से शर्मा ने फतेहपुर के प्राचीन श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत् पूजा-अर्चना की और विकसित और अग्रणी राजस्थान के लिए भगवान लक्ष्मीनाथ जी से प्रार्थना की। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्मैक तस्करी के मामले में एक युवक गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने स्मैक तस्करी के मामले में झालावाड़ के थनावद निवासी पुरीलाल को गिरफ्तार किया है। 25 वर्षीय आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर ममता गुप्ता के निर्देशन में की गई। अति.पु. अधीक्षक राकेश राजोरा और वृत्ताधिकारी संतराम मीना के नेतृत्व में थानाधिकारी बनी सिंह की टीम ने कार्रवाई की। इससे पहले 6 अप्रैल को पुलिस ने रेलवे कॉलोनी गंगापुर सिटी से दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपियों में गुर्जर मोहल्ला के जयसिंह और अरनिया निवासी वीपी सिंह मीना शामिल थे। दोनों के पास से स्मैक बरामद की गई थी। टीम में थानाधिकारी बनीसिंह के अलावा हेड कॉन्स्टेबल जवर सिंह, कॉन्स्टेबल तेजराम सिंह, राजमल और ड्राइवर प्रेमचंद शामिल रहे।

कोल्ड ड्रिंक पीने से भाई-बहन की तबीयत बिगड़ी, जोधपुर रेफर

पाली, (निसं)। पाली में कोल्ड ड्रिंक पीने से के बाद 7 और 12 साल के भाई-बहन की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें नींद आने लगी आंखें खुल नहीं रही थी। यह देख परिजन इलाज के लिए हॉस्पिटल ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जोधपुर रेफर किया गया। जहां अब दोनों की हालत खतरे से बाह है और दोनों बच्चे स्वस्थ हो गए, जिससे परिजनों की भी जान में जान आई।

जानकारी के अनुसार पाली शहर के केशव नगर गोशाला वाली गली में रहने वाले सुल्तान सिंह की 7 साल की बेटी कुमकुम और 12 साल के बेटे मयंक शनिवार सुबह करीब 11 बजे अपनी मां से पैसे लेकर एक जनरल स्टोर पर गए जहां उन्होंने कोल्ड ड्रिंक पी और घर आ गए। बाद में दोनों को नींद आने लगी और सो गए। मां ने सोचा गर्मी से आए हैं इसलिए सो गए। शाम को जब उनके पिता सुल्तान सिंह घर पहुंचे तब भी दोनों बच्चे सो रहे थे। उन्होंने दोनों को उठाया लेकिन उनकी आंखें नहीं खुल रही थी। ऐसे में दोनों बच्चों को शाम के समय पाली के बांगड़ हॉस्पिटल ले गए, जहां उन्हें वार्ड में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बच्चों को फूड पॉइजिंग हुई है। ऐसे में प्राथमिक उपचार के बाद रात को ही दोनों को जोधपुर रेफर किया गया, जहां उनका उपचार किया गया। रविवार को दोनों बच्चों के पिता सुल्तान सिंह ने बताया कि अब दोनों की हालत खतरे से बाहर है और दोनों बोल रहे हैं और आंखें भी खोल रहे हैं। संभवतः सोमवार सुबह हॉस्पिटल से डिस्चार्ज भी कर देंगे।

- **दोनों बच्चों की आंखें नहीं खुल रही थी, इलाज के लिए ले गए जोधपुर**
- **प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बच्चों को फूड पॉइजिंग हुई है**

आपसी कहासुनी में भाई पर हमला : उदयपुर में आपसी कहसूनी के दौरान छोटे भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर बड़े भाई को घायल किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसर 18 अप्रेल रात में डोडावली पानाजी का खेड़ा नाई गांव में दीताराम पुत्र सवाजी के छोटे भाई मोहन पुत्र सवा आपसी कहासूनी होने पर कुल्हाड़ी से हमला कर फरार हो गया। जिससे सिर पर व हाथ में चोट लगने से दिताराम घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया।

तीन बदमाश व दो अपचारी डिटेन

उदयपुर, (निसं)। बाइक सवार लोगों को लूटने की वारदात कर वीडियो वायरल करने वाले तीन बदमाशों को बावलवाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन कर इनके कब्जे से लूट का माल बरामद किया। प्रकरण के अनुसर 16 अप्रेल को पीड़ित अर्जुनलाल पुत्र मगनलाल लुणात निवासी उपली सीरगी लुनात फला फलासिया ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 15 अप्रेल को मैं व मेरे साथ बाबुलाल पुत्र वत्तु दोनों मजदूरी कर बाइक पर डूंगरपुर से गांव लौट रहे थे। जहां बीच रास्ते मगरा पंचायत भवन के समीप दो बाइक पर खड़े नकानपोश बदमाशों ने रोककर चाकू दिखाया। इसको देख बाबूलाल फरार हो गया लेकिन मुझ हमला कर दिया। इस दौरान गिरने से मेरी जेब से आरोपी 30 हजार रूपये, आरसी दस्तावेज व मोबाईल लूट ले गए।

- **बाइक सवार लोगों को लूटने की वारदात कर वीडियो वायरल करने का मामला**

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर बावलवाड़ा थानाधिकारी गणपतसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करतेहुए उण्डा वेला गोहावाड़ा में नाकाबंदी कर जयदीप सांगिया पुत्र भूरीलाल निवासी भाई बावलवाड़ा, रोहित उर्फ लादू कसौटा पुत्र नाथूलाल कसोटा निवासी ढीकवास सतिया फला बावलवाड़ा एवं अशीष पुत्र हरजी डोडियार निवासी गरणवास आम्बाभेली फला फलासिया को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया माल बरामद किया।

हिस्ट्रीशीटर नरेश गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

आरोपी शहर में बड़ी वारदात करने की फिराक में थे, तीन पिस्टल व 33 कारतूस जब्त किये

उदयपुर, (निसं)। डीएसटी एवं सूरजपोल थाना पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए हिस्ट्रीशीटर नरेश गैंग के बदमाश सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से तीन पिस्टल, गन तथा 33 कारतूस जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक महिपाल सिंह, डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने अपराधियों की धरकपड़ एसं अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान संयुक्त कार्यवाही करते हुए नरेश हरिजन गैंग के तीन बदमाश इमरान उर्फ सरिया उर्फ मोगली पुत्र मो. असलम निवासी रामगंज बाजार भिश्तीयों का मोहल्ला रामगंज जयपुर हाल थडी मार्केट अग्रवाल फार्म मानसरोवर शिप्रापथ जयपुर, भगवानलाल उर्फ भगवती लाल पुत्र अमरा निविासी पलुणा जावरमाइंस सलूम्बर, अनिकेत चौहान पुत्र नरेश चौहान निवासी हरिजन बस्ती अम्बामाता हाल नाडाखाड़ा सूरजपोल को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 3 पिस्टल, एक गन, 33 कारतूस जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

आरोपी शहर में बड़ी वारदात करने के प्रयास में थे। नरेश हरिजन सुखेर पुलिस थाने का हिस्ट्रीशिटर होकर उसने शहर के अपराधी को मारने के लिए ईमरान उर्फ सरिया निवासी जयपुर को साढे तीन लाख रूपये की सुपारी दी व हथियार सहित उदयपुर बुलाया था। शहर आकर वे हत्या की योजना बना रहे थे। इस दौरान मुखबीर से सूचना पर पुलिस दल ने तीनों को गिरफ्तार किया। ईमरान उर्फ सरिया के खिलाफ 38 प्रकरण, भगवानलाल उर्फ भगवतीलाल के खिलाफ 3 अपराधिक प्रकरण पूर्व में दर्ज है। आरोपी मुख्य सरगना नरेश हरिजन फरार है, जिसके खिलाफ 35 अपराधिक प्रकरण चल रहे है।

पराली की टाल में आग लगी

चूरू, (निसं)। जिले के तारानगर के साहवा रोड पर चंगाई चौराहे के पास स्थित पराली की टाल में आग लगने का मामला सामने आया है। रविवार सुबह 11 बजे मिली जानकारी मामलों में स्थानीय लोगों ने आग पर अपने स्तर पर काबू पाया, क्योंकि तारानगर दमकल सोमवार को सीएम भजन लाल शर्मा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्मदिन के कार्यक्रम को लेकर चूरू दौरे पर उनके काफिले में चली गई है।

साहवा रोड पर बिजली की हाईटेंशन लाइन से शॉर्ट सर्किट से आग लग गई और यहां भी आग ने झोपड़े को चपेट में ले लिया और वह जलकर खाक हो गया। इतना ही नहीं टाल की पराली भी जलने लगी। जिसे आनन-फानन में लोगों ने चिलचिलाती धूप में मिट्टी और बोरिंग के पानी बौछारों से आग पर काबू पाया। इधर सूचना पर तारानगर थाने से एएसआई सुमेर सिंह भी मौके पर पहुंचे और मौका निरीक्षण किया।

अनियंत्रित ट्रेलर सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रेलर से टकराया

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रेलर आगे से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना कस्बे के चिड़ावा रोड़ पर रविवार शाम को दो ट्रेलर आपस में भिड़ जाने से हादसा हो गया। इस दौरान हादसे में दोनों ट्रेलर ड्राइवर घायल हो गए। दोनों घायलों का राजकीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार करवाया गया।

जानकारी के अनुसार रतनगढ़ निवासी महेश कुमार ट्रेलर में गुजरात से टाईल्स भरकर सिंघाना आया था। देवीपुरा स्टेंड के पास मार्बल गोदाम पर ट्रेलर खाली करने के बाद सड़क किनारे खड़ा कर उसमें सो गया। इस दौरान नारनौल से पशु आहार खाली कर नवलगढ़ जा रहे दूसरे ट्रेलर ने अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर को टक्कर मार दी। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा ट्रेलर में फंसे दोनों ड्राइवरों को बाहर निकाला। इस दौरान हादसे में रतनगढ़ निवासी महेश कुमार व दूसरे ट्रेलर का ड्राइवर सूरतगढ़ निवासी कुलवेंद्र घायल हो गए। हादसे में दोनों घायलों को उपचार के लिए राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घटना की सूचना पर सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई। हादसे के दौरान टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रेलर आगे से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों ट्रेलर को अलग कर साइड में खड़ा करवाया गया।

- **हादसे में दोनों ड्राइवर घायल, दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हुये**

वृद्ध की मौत

उदयपुर, (निसं)। सविना थाना पुलिस क्षैत्र में वृद्ध की तालाब में डूबने से मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को बलिया तालाब में नहाते समय पानी में डूबने से दूर्गेशसिंह (60) पुत्र लक्ष्मणसिंह निवासी वणी गोगुंदा हॉल बिलिया सविना की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक को बाहर निकलवा कर शव को मोर्चरी में रखवाया।

रॉयल्टी ठेके देते समय खनिज की उपलब्धता और अर्जित आय को किया जा रहा नजरअंदाज

बीकानेर, (निसं)। खान एवं भूविज्ञान विभाग की ओर से रॉयल्टी ठेके देते समय खनिज की उपलब्धता और उससे अर्जित आय को नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे अवैध खनन और परिवहन को बढ़ावा मिलता है और सरकार को बड़े पैमाने पर राजस्व की हानि होती है। बीकानेर वृत्त के चूरू जिले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कंसेंट टू ऑपरेट के मुताबिक मेसेनरी स्टोन के खनन से कुल वार्षिक उत्पादन की अधिकतम आय करीब 10 करोड़ रुपए है, लेकिन रॉयल्टी ठेका 15.73 करोड़ रुपए में जारी किया गया है।

- **मेसेनरी स्टोन के खनन से कुल वार्षिक उत्पादन की अधिकतम आय करीब 10 करोड़ रुपए है, रॉयल्टी ठेका 15.73 करोड़ रुपए में जारी किया**

बीकानेर वृत्त के बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू और जैसलमेर जिलों में अलग-अलग खनिजों के 15 रॉयल्टी ठेके हैं। इनकी पड़ताल की गई तो सामने आया कि चूरू की रतनगढ़ तहसील की बीरमसर पहाड़ी में खान एवं भूविज्ञान विभाग की ओर से मेसेनरी स्टोन के 18 खनन पट्टे स्वीकृत हैं। ज्यादातर की वैधता वर्ष 41 तक है। इन खनन पट्टों का कुल क्षेत्रफल 16.32 हेक्टेयर है और पर्यावरण स्वीकृति के आधार पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कंसेंट टू ऑपरेट के मुताबिक अधिकतम उत्पादन क्षमता 25,68,715 लाख टन है। वर्तमान में मेसेनरी स्टोन की रॉयल्टी 35 रुपए प्रति टन है। अगर 100 प्रतिशत उत्पादन भी हो तो 2568715 गुणा 35 यानी 8,99,05025 रुपए रॉयल्टी की वसूली होगी। इसके अलावा 89,90,503 रुपए डीएमएफटी और 17,98,100 रुपए आरएसएमईटी की वसूली हो सकती है जिसे मिलाकर कुल 10,06,93,628 रुपए की आय अर्जित की जा सकती है। जबकि, रॉयल्टी ठेका 15.73 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष में 10 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2027 तक दो साल के लिए दिया गया है। ठेका संचालन में भी एक से दो करोड़ रुपए खर्च करने होंगे और लाभांश भी होगा। सभी खनन पट्टे वन विभाग की जमीन पर हैं और अब वहां नए खनन पट्टे दिए जाना संभव नहीं, भूमि का डायवर्जन होना मुश्किल है, क्योंकि इसकी प्रक्रिया जटिल है।

कार्यवाहक अतिरिक्त निदेशक वाईएस सहवाल का कहना है कि रॉयल्टी ठेका देने की सरकारी प्रक्रिया है। इसमें रिजर्व प्राइज तय कर ऑनलाइन बोली लगती है। जिसकी राशि सबसे ज्यादा होगी, उसे नियमानुसार सभी औपचारिकताएं पूरी करने पर ठेका जारी किया जाता है। बोली की राशि जितनी ज्यादा होगी, सरकार को राजस्व का उतना ही ज्यादा फायदा होगा। रॉयल्टी वसूली में अगर कोई गड़बड़ी मिलती है तो ठेका निरस्त करने की कार्यवाही की जा सकती है।

खनन मामलों के जानकार देवेन्द्रसिंह धमोरा का कहना है कि खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों की ओर से खनन पट्टों और क्वारी लाइसेंस की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता कंसेंट टू ऑपरेट के अनुसार आकलन किए बिना ही प्रभावशील ठेके की राशि में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी कर रिजर्व प्राइज तय कर दी जाती है। उसी के मुताबिक रॉयल्टी ठेके के प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय को भेज दिए जाते हैं। इसी में अवैध खनन और निर्गमन की मौन सहमति शामिल होती है। पर्यावरण स्वीकृति, कंसेंट टू ऑपरेट, माइनिंग स्कीम की अवहेलना होती है। बिरमसर में मेसेनरी स्टोन रॉयल्टी ठेके में भी यही हो रहा है। खान विभाग के अधिकारी रॉयल्टी ठेका होने के बाद आंखें मूंद लेते हैं। सरकार को टोल प्लाजा की तर्ज पर खान विभाग को मैन पॉवर (ठेका संचालन) का ठेका जारी करना चाहिए और वसूली विभाग को ऑनलाइन प्राप्त होनी चाहिए।

संक्षिप्त

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को किया आमंत्रित

निवाई। गांव नटवाड़ा में श्री बद्री विशाल भगवान के सानिध्य में 108 कुंडिय शत चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भाग लेने के लिए राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री राजकुमारी दीया कुमारी को नटवाड़ा सरपंच नीता कंवर के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने आमंत्रित किया। सरपंच नीता कंवर ने बताया कि श्री बद्री विशाल भगवान के सानिध्य में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी आतिथ्य में आयोजित होने वाले 108 कुंडिय शत चंडी महायज्ञ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री राजकुमारी दीया कुमारी ने महायज्ञ में शामिल होने का आश्वासन दिया। ठा. विक्रमसिंह राठौड ने श्री बद्रीनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु बजट आवंटित करने के लिए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आत्मीय भेंट की।

बाइक पर सवार दो युवक घायल

निवाई। ललवाडी चौराहे के पास एक होटल के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर निवाई थानाधिकारी रामजीलाल जाप्ते घटनास्थल पर पहुंचे। एंबुलेंस पायलट शिवा की मदद से निवाई अस्पताल लाया गया। घायल खुशीराम गुर्जर व करीम खान दोनों निवासी सोप गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर हालत देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करके दोनों घायलों को तुरंत प्रभाव से जयपुर रैफर कर दिया।

3 घंटे विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

निवाई। सोमवार को शहर में 3 घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। विभाग के सहायक अभियंता केसी माली ने बताया कि विद्युत लाइनों के रखरखाव व मरम्मत के चलते सुबह 7 से 10 बजे तक तक आसाराम गौशाला, 80 फीट रोड, कीर कॉलोनी, काली का बाग रोड, मालियों का मोहल्ला, खारी कुई क्षेत्र, दशहरा मैदान, बस स्टैंड, पटेल रोड, बापू नगर व निवाई पम्प हाउस फिल्टर प्लांट क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रखी रहेगी।

आरोपी गिरफ्तार

दूदू। निकटवर्ती मोखमपुरा थाने की पुलिस ने गत माह पुलिस थाने में दर्ज एक करोड़ 22 लाख रुपए की कीमत के 292 लैपटॉप चोरी कर ले जाने के प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया थाना प्रभारी संजय मीणा ने बताया कि 5 मार्च 2025 को मुकेश कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई के बाद पुलिस ने कार्रवाई कर चार आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर 70 लख रुपए की कीमत के 190 लैपटॉप वह वारदात में काम ली गई कैंटरा ट्रक व स्विफ्ट कार बरामद कर ली थी मुख्य आरोपी शकील पठान निवासी हरियाणा जो फरार चल रहा था कोई गिरफ्तार कर लिया

जागरण का आयोजन आज

कोटपूतली। कस्बे के गोपालपुरा रोड़ स्थित श्री हनुमान जी मंदिर गूमका जोहड़ का विशाल मेला मंगलवार को आयोजित होगा। श्री श्री 1008 निरंजन दास महाराज ने बताया कि 22 अप्रैल मंगलवार को हर वर्ष की भांति विशाल मेले का आयोजन किया जायेगा। इससे पहले सोमवार 21 अप्रैल को सुबह 08.15 बजे विशाल कलश यात्रा श्रीराम मन्दिर लक्ष्मीनगर से प्रारम्भ होकर गूमका जोहड़ स्थित श्री हनुमान जी मंदिर पहुंचेगी। जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा। वहीं रात्रि 09.15 बजे से जागरण का आयोजन होगा।

हजरत बुर्हानुद्दीन का मेला सम्पन्न

मनोहरपुर। ताला ग्राम में स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत बुर्हानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला आलेह का कूल की रस्म के साथ मे शहरी मेला कूल की रस्म के साथ मे सम्पन्न हो गया इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के द्वारा भेजी गई चादर चढ़ाई गई।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

वक्फ विधेयक-2025 को लेकर भाजपा की कार्यशाला आयोजित

टोंक। भाजपा की जनजागरण अभियान की कार्यशाला एक निजी महाविद्यालय में जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यशाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी व अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य मजीद मलिक कमांडो सहभागिता ने की, लोगों में वक्फ विधेयक-2025 के बारे में भ्रांतियों व विपक्षी पार्टियों के प्रचार से निपटने के लिए भाजपा ने कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला में कैलाश चौधरी ने कहा की आप सभी को वक्फ (संशोधन) विधेयक की मूल भावना और उद्देश्यों को जन जन तक पहुँचाना है। वक्फ सुधार के इस महत्वपूर्ण कदम से समाज में पारदर्शिता और समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा। जिससे समाज के हर वर्ग के हितों का संरक्षण होगा। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल जो पास हुआ है, यह देश के हित में कानून है। गरीबों के कल्याण के लिए कानून है। विपक्ष और समाज के ठेकेदार देश का कानून खराब करना चाहते हैं। इस कानून के फायदे बताने के लिए पूरे देश में जन जागरण अभियान शुरू किया गया है। यह कानून गरीबों के कल्याण के लिए बना है। उन्होंने बताया कि विपक्ष के लोग अल्पसंख्यक समाज के लोगों के बीच गलत भ्रांतिया फैला रहे हैं, जबकि वक्फ बिल गरीबों व मुस्लिम महिलाओं और बच्चों के लिए समृद्धि वाला साबित होगा। वक्फ की संपत्तियों से जो लाभ अल्पसंख्यक के गरीबों को मिलना चाहिए था उनको नहीं मिला।

मजीद मलिक कमांडो ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक में गरीबों का हक सिर्फ गरीबों को ही मिलेगा, उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक मानती है, वहीं भाजपा गर्व और स्वाभिमान के साथ अपने आप को भारतीय कहने वाले नागरिक के रूप में उनको खड़ा करना चाहती है।

उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत वक्फ की संपत्ति का उपयोग गरीब मुसलमानों को विशेषाधिकार देने के साथ ही उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा।

कार्यशाला में भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 से वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। गरीब का हक, सिर्फ गरीब को मिलेगा। वक्फ संशोधन अधिनियम के बारे में विपक्षी दलों द्वारा दुष्प्रचार, भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं।

इस कानून के तहत वक्फ की संपत्ति का उपयोग गरीब मुसलमानों को विशेषाधिकार देने के साथ ही उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा।

भाजपा की जनजागरण अभियान की कार्यशाला निजी महाविद्यालय में जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

- 'वक्फ संशोधन बिल जो पास हुआ है, यह देश के हित में कानून है'

संशोधित विधेयक के माध्यम से वक्फ की जमीनों के बेहतर प्रबंधन, पारदर्शिता व सदुपयोग सुनिश्चित करने का कदम उठाया है।

कार्यशाला में देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, जिला प्रमुख सरोज बंसल, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल, गणेश माहुर, प्रभु बाडोलिया, विष्णु शर्मा, पूर्व वक्फ बोर्ड अध्यक्ष अबूबकर नकवी, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, दीपक संगत, शैलेन्द्र चौधरी, रामकिशन गुर्जर, वकार खान, राधेश्याम चांवला, रामचंद्र गुर्जर, प्रधान कावरा, बीना छामुनिया, कमलेश यादव, लोकेश गुप्ता, गणेश सैनी, अब्दुल राशिद, तौसीफ खान, मंडल अध्यक्ष भगवान सैनी, धर्मराज चौधरी, ,नीलिमा आमेरा, रत्तीराम पहाड़िया, अंजलि गुप्ता, जुली शर्मा, मोनिका जैन, मनीष सिसोदिया, विजय मलवानी, रामदयाल जांगिड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

संपति के मामले को लेकर चल रहा सर्च अभियान

पावटा। पावटा कस्बे में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जलदाय विभाग के अधिशाषण अभियंता अशोक जांगिड़ के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में छापेमारी शुरू की है। जानकारी के मुताबिक एसीबी की 15 सदस्यीय टीम एएसपी महेंद्र मीणा के नेतृत्व में पावटा पहुंची और बुचारा स्थित खनन लीज पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। यह खनन लीज एईएन अशोक जांगिड़ के पुत्र निखिल जांगिड़ के नाम पर पंजीकृत है। टीम लीज परिसर में दस्तावेजों की गहन छानबीन कर रही है। बताया जा रहा है कि कार्रवाई कई ठिकानों पर एक साथ चल रही है और एसीबी को जांगिड़ के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की पुख्ता शिकायतें मिली थीं। सूत्रों के अनुसार, जांगिड़ की संपत्तियों की जांच के दायरे में कई प्रतिष्ठान, बैंक खाते और अचल संपत्तियां शामिल हैं। एसीबी की यह कार्रवाई अभी जारी है और संभावना है कि जांच के दायरे में और भी कई नए खुलासे हो सकते हैं। इस मामले में एसीबी की ओर से पूरी जांच के बाद औपचारिक बयान जारी किया जा सकता है।

अम्बेडकर जयंति समरसत्ता पखवाड़े के तहत भाजपा की विचार संगोष्ठी आयोजित

मालपुरा। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंति समरसत्ता कार्यक्रम के तहत रविवार को भारतीय जनता पार्टी मालपुरा कार्यालय मे अम्बेडकर विचार संगोष्ठि का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने दीप प्रज्जवलित कर संगोष्ठि का शुभारम्भ करते हुये मौजूद भाजपाईयो व बाबा साहेब के अनुयायीयों को सम्बोधित करते हुये कहा कि दलित व पिछडा वर्ग को बाबा साहेब ने समाज की मुख्य धारा से जोडने के लिये अनेक कार्य करते हुये भारतीय संविधान को लिखा।

मेहता ने बताया आजादी के बाद पहली बार केन्द्र की मोदी सरकार ने बाबा साहेब व उनके विचारो को वैश्विक पुस्तक तक पहुंचाने का काम किया है। डबल इंजन की सरकार ने दलित व पिछडा वर्ग के उत्थान के लिये अनेक योजनाएें शुरू कर पात्र लोगो को लाभ पहुंचा रही है। बाबा साहेब के जीवन से आज हमे बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। कार्यक्रम संयोजक पुरूषोत्तम सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब के नाम का उपयोग कर सत्ता सुख भोग रहा है।

भाजपा मे सबका साथ सबका विकास है। जबकि कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ एक परिवार तक ही सीमित है। इस दौरान रमाकांत पटेल,रामप्रसाद वर्मा, शशि जैन, डीआर किशन लाल बैरवा,दयाल दास चैनपुरा, डॉ. अंकित जैन, मुकेश शर्मा, नजरूदीन देशवाल, विनोद जाट, अनिल सेन,अजय सैनी, बजरंग माली, योगेश स्वामी, बाबूलाल नावरिया, कृष्णगोपाल तेजी, पूजा लोदी, नोरत मल वर्मा, अरविन्द गौतम, बृजमोहन खारोल, आदि ने बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डाला।

भारतीय जनता पार्टी मालपुरा कार्यालय में अम्बेडकर विचार संगोष्ठि का आयोजन किया।

जेईई मेन्स परीक्षा में पांच छात्र-छात्राओं का चयन

निवाई। भगवान दास पारीक ड्रीम स्कूल निवाई के 5 विद्यार्थी हिर्तेद्रकुमार गुर्जर, चार्वी छतवानी, अंकेश चौधरी, नेहल शर्मा एवं आस्था स्वर्णकार का जेईई मेन्स 2025 परीक्षा में चयन हुआ है। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का सम्मान किया। विद्यालय के निदेशक यशवंत पारीक व डॉ. शची पारीक ने चयनित छात्रों का माला पहनाकर उत्साहवर्धन किया।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि भगवानदास पारीक ड्रीम स्कूल की शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता व प्रतिभाशाली छात्रों को पोषित करने की क्षमता को दर्शाती है। विद्यालय समुदाय प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं और उनके परिवारों को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ओमप्रकाश राजोरा, राजकुमार पारीक, देवेन्द्र सिंह, असद अहमद, शंकरलाल शर्मा, अंकित प्रजापत एवं स्वाति लुधानी सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

पंछी बचाओ परिंडा लगाओ अभियान का पोस्टर विमोचन

पावटा। माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति, पावट द्वारा चलाए जा रहे पंछी बचाओ परिंडा लगाओ अभियान का पोस्टर विमोचन सीताराम जी मंदिर बाबा भरत दास जी की बगीची टोरडा धाम में गोपाल दास महाराज की कृपा पात्र शिष्य रघुनाथ दास महाराज व मंगलदास महाराज के करकमलों द्वारा खेलना स्थित टीलाजी धाम पर किया गया। मूक बेजुबान पंछियों के लिए चलाए जा रहे इस अभियान की जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने सराहना की। पर्यावरण सुरक्षित तो हमारा भविष्य सुरक्षित, बढ़ती आबादी के कारण वैसे सभी जगह आबोहवा बिगड़ रही है, लेकिन शहरों में यह स्थिति कहीं ज्यादा भयावह है।

इन आबोहवा के बावजूद लोग शहरों में रहने को विवश है।वह शहर छोड़ रहे है। परिंदों के शहर छोड़ने के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है।पक्षियों का जीवन हमारे लिए अति आवश्यक है।

साथ ही परिंदों के संरक्षण, भीषण गर्मी में पेयजल करना हम सभी का फर्ज है। परिंदे पर्यावरण में सहयोग करते है। परिंदो द्वारा बीजारोपण किया जाता रहा है क्योकि यही परिंदे बीज खाते समय नयी जगहों पर गिराते रहते है। जिससे एक नए पेड़ का उदय होता है। इस अवसर पर ठाकुर जी धाम खेलना के पुजारी पंडित द्वारकेश मिश्र, शिक्षाविद गजानंद टीलावत, पंडित महेश मिश्र एवं एमएसडी एनजीओ के अध्यक्ष मोहन लाल सैनी एवं एनजीओ के सदस्य उपस्थित रहे।

पंछी बचाओ परिंडा लगाओ अभियान का पोस्टर विमोचन किया।

सरपंच ने अतिक्रमण हटाने के लिए कलेक्टर से मदद मांगी

सांभरझील, (निसं)। राजस्व ग्राम श्यामी की ढाणी के गै.मु. रास्ता खसरा नं. 1631, 1635 पर ग्राम पंचायत बरडोटी (श्यामी की ढाणी) के द्वारा सैक्शन (स्वीकृत) ग्रेवल सड़क बनाने के कार्य में बाधा उत्पन्न करने व रास्ते की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटवाने के लिए सरपंच मूलचंद गुर्जर ने अब कलेक्टर को पत्र भेजकर इसके लिए मदद मांगी है। इस मामले में पूर्व में तोशीबा गट्टानी पत्नी सुशील गट्टानी की ओर से विकास अधिकारी और तहसीलदार को भी अलग से शिकायत दर्ज करवाई जा चुकी है। बताया गया कि ग्राम श्यामी की ढाणी (बरडोती) तहसीलदार के आदेश से 2 अप्रैल को सर्किल पटवारी मय टीम व पुलिस जाप्ता के पहुंचकर अतिक्रमण मुक्त करवाकर रास्ता खुलवा दिया था, लेकिन फिर से कुछ लोगों द्वारा रास्ते की भूमि पर अतिक्रमण करने से सड़क का काम प्रारंभ नहीं हो पा रहा है, जबकि

- स्वीकृत सड़क में अतिकर्मियों द्वारा बाधा उत्पन्न करने का मामला

सेंक्शन सडक ग्रेवल के प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति आदेश भी जारी हो चुके हैं, जिसका रास्ते पर ग्रेवल सडक का कार्य दिनांक 08 अप्रैल को पंचायत द्वारा करना आरम्भ किया तो कुछ लोगो के द्वारा मोके पर कार्य करने से रोक दिया गया तो ग्राम पंचायत के द्वारा उनको समझाया गया परन्तु वो लोग नही माने और उलटा लेबर व ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियो के साथ अभद्रता व मारपीट करने पर उतारू हो गये। सरपंच मूलचंद गुर्जर ने राजकीय कार्य में बाधा उत्पन्न होने के कारण इन लोगों पर उचित कार्यवाही करते हुए मोके पर कार्य को शीघ्र चालू करवाया जाने हेतु निवेदन किया है

धूमधाम से मनाया जाएगा भगवान परशुराम जन्मोत्सव

निवाई। परशुराम जन्मोत्सव के आयोजन को लेकर रविवार को सकल ब्राह्मण समाज के बैठक राजस्थान ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष पवन शर्मा की अध्यक्षता में बड़े के मंदिर में आयोजित हुई। बैठक में भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। श्री परशुराम जन्मोत्सव के आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए समिति का गठन किया गया। महोत्सव समिति के हनुमान शर्मा टोंक वालों को अध्यक्ष, कुंदनमल शर्मा खण्डवा को संयोजक तथा हेमराज शर्मा गुरुजी को कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनीत गया। बैठक में ब्राह्मण समाज की प्रतिभाओं, भामाशाहों व गणमान्य नागरिकों के सम्मान को लेकर कार्य योजना तैयार की गई। सर्वेश द्विवेदी ने बताया कि सकल ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में राधादामोदर मंदिर से पूजा अर्चना के बाद भगवान परशुराम की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी।

कलेक्टर ने रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं का किया समाधान

किशनगढ़ बास। खैरथल तिजारा जिले की पंचायत समिति किशनगढ़ बास की ग्राम पंचायत कोलगांव के राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने रात्रि चौपाल लगाकर गांव के लोगों की समस्याएं सुनी उनके साथ बैठकर भोजन किया उनका दर्द सुना और वही पर ठहराव कर रात्रि विश्राम किया। इस दौरान एसडीएम मनीष जाटव, डीएसपी राजेंद्र निर्वाणा, तहसीलदार नरेंद्र भाटिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय यादव सहित अधिकारी मौजूद रहे।

गांव के राजीव गांधी सेवा पर बीता रात्रि को लगी कलेक्टर की चौपाल में पहुंचे ग्रामीणों ने अलग-अलग मिलकर अपना दुखड़ा कलेक्टर के सामने रखा और लिखित में परिवाद पेश कर समाधान की मांग की। इस दौरान कलेक्टर के समक्ष शेखपुर में जल जीवन मिशन का कार्य करवाने बाबत, पट्टे, दिव्यांगजन प्रमाण पत्र बनवाने, विवादित भूमि, रास्ते पर अवैध अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, पानी, बिजली के संबंध में कुल 18 प्रकरण रखें गए।

इस मौके पर जिला कलेक्टर ने ग्राम वासियों को गांव का पानी गांव में तथा खेत का पानी खेत में रखने एंव जल संरक्षण के महत्व के बारे में बताया और जागरूक किया। उन्होंने आने वाली पीढ़ी को पानी की विकराल समस्या से बचने के लिए वर्तमान में सभी ग्रामीणों से घर-घर जल संरक्षण करने साथ ही बरसात के पानी को संरक्षित करने की अपील की और उदाहरण के माध्यम से समझाया कि अगर किसी खाते में 1 लाख है और हर महीने 10 हजार निकाल लेते हैं तो वह 10 महीने में खत्म हो जायेंगे।

- किशनगढ़ बास क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोलगांव के राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर हुआ रात्रि चौपाल का आयोजन
- जिला कलेक्टर, एसडीएम, डीएसपी, तहसीलदार सहित अनेक विभागों के अधिकारी कार्मिकों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर किया समाधान

उन्होंने सरकार द्वारा चलाए जा रही पीएम सूर्य घर योजना तथा जल शक्ति अभियान के बारे में ग्रामीणों को बात कर जागरूक किया तथा खेतों में डीएपी की जगह यूरिया और एसएसपी के मिश्रण का उपयोग करने के फायदे गिनाये।

विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे वृद्ध जन पेंशन योजना, अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति बीमा, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सशक्त खैरथल तिजारा, लाडो योजना, वर्मी कंपोस्ट, मिट्टी जांच, किसान उपकरण अनुदान योजना, जल जीवन मिशन, पीएम सूर्यघर योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना किया के बारे में विस्तार से आवेदन की प्रक्रिया के बारे में बताया।

सार-समाचार

4 करोड़ 90 लाख की राशि स्वीकृत

अलवर। अलवर शहर में पेयजल समस्या ग्रस्त क्षेत्रो के आमजन की पेयजल समस्या के निराकरण हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा की अनुशंसा पर नयाबास पांचा के खेत, होपसर्कस, ग़ालिब सैयद प्रताप पलटन, हिंद पब्लिक स्कूल के पास मानसरोवर ,जयप्रकाश स्कूल के आसपास स्कीम 10 ,कोतवाली के पास घंटाघर ,सेड माता के पास इंदिरा कॉलोनी लक्ष्मी नगर देवखेड़ा, एम आई ए, आदि स्थानों पर करीब 127.42 लाख राशि के 10 नए थ्री फेज टयूबवेल लगाने की स्वीकृति प्रदान की गई है इसके साथ ही शहर में लगे करीब 56 स्थानो पर लगे पुराने टयूबवेलों को गहरा करने हेतु करीब 211. 12 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है इसके साथ ही नए पंप सेटों हेतु करीब 40 लाख रुपए की राशि एवं टयूबवेलों के इलेक्ट्रिक पैनल हेतु 40 लाख रुपए की राशि एवं जी आई पाइपलाइन व बिजली केबल क्रय हेतु 77 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है वहीं दूसरी ओर पुरानी एवं जर्जर क्षितग्रस्त स्थिति में स्थित चौक जाम होने वाली पाइप लाइनों के स्थान पर नई पाइपलाइन डालने हेतु करीब 73 लाख रुपए की राशि भी स्वीकृत की गई है जिसके अंतर्गत लगभग 6500 मीटर की नई पाइप लाइन डल सकेगी, उक्त स्वीकृत कार्यो हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जयपुर द्वारा प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है शीघ्र ही जलदाय विभाग अलवर द्वारा उक्त स्वीकृत स्थलों पर ट्यूब वालों को लगाने व गहरा करने सहित स्वीकृत अन्य कार्यो हेतु कार्यवाई शुरू की जावेगी, उक्त पेयजल समस्या ग्रस्त क्षेत्रों में पेयजल समस्या के निराकरण हेतु राशि स्वीकृत करने पर वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का आभार व्यक्त किया है

वार्षिकोत्सव समारोह मनाया

कोटपूतली। जिले के बागावास अहिरान स्थित अशोका द सोरिंग स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह रविवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों ने उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि विराटनगर विधायक प्रतिनिधि आशीष धनकड़ ने शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत व लगन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अध्यक्षता राजस्थान एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर डॉ. अर्जुन सिंह बालोदा ने की। विशिष्ट अतिथि पावटा एसडीएम ऋषिराज कपिल, जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव, पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अतिथियों ने विद्यालय के मेधावी छात्रों को शैक्षणिक, खेलकूद सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये मैडल, पुरूस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अतिथियों का विद्यालय के चेयरमैन शंकर लाल कसाना व शिक्षकों ने स्वागत किया। इससे पूर्व अतिथियों ने समारोह का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय का प्रांगण रंग-बिरंगी सजावट के साथ जगमगा रहा था जो उत्सव के माहौल को और भी खुशनुमा बना रहा था। अभिभावकों ने अपने बच्चों की प्रतिभा व विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अशोका द सोरिंग स्कूल छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये एक उत्कृष्ट मंच प्रदान कर रहा है। विद्यालय के निदेशक इंजी. योगेश चौधरी, इंजी. राजेश चौधरी, इंजी. विक्रम कसाना ने कहा कि वार्षिकोत्सव समारोह ना केवल विद्यालय की उपलब्धियों का उत्सव रहा, बल्कि छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों के बीच एक मजबूत बंधन और सामुदायिक भावना का प्रतीक भी रहा। शिक्षाविद् पूरण चन्द कसाना ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जबकि संचालन प्रकाश ओला ने किया। इस मौके पर पूर्व चौयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी, गोपाल मोरीजावाला, शशि मित्तल, भाजपा नेता धर्मसिंह शेखावत, संरपच रामेश्वर यादव, पूर्व सरपंच घीसा सिंह, प्रो. इन्द्रजीत यादव, प्रो. विमल यादव, प्रो. सुदीप जाट, अशोक चौहान, प्रो. मनोज सैनी, ओमप्रकाश बुनकर, अनिल शर्मा, गिरधारी चौधरी, रामौतार जागिड़, गैंदाराम, हजारी यादव, राजेश यादव समेत विद्यालय स्टॉफ सदस्य, विद्यार्थी व अभिभावकगण मौजूद रहे।

जयपुर ग्रामीण सांसद ने सालासर बालाजी के लगाई धोक

शाहपुरा। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने रविवार को सालासर बालाजी के दर्शन कर पूजा अर्चना करते हुए क्षेत्र की खुशहाली, अमन चैन एवं प्रगति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान सालासर पुजारी परिवार ने जयपुर ग्रामीण सांसद का दुपट्टा ओढ़ाकर बालाजी की फोटो भेंट करते हुए अभिनंदन किया तथा पुजारी परिवार ने सालासर बालाजी के इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए सालासर स्थल पर कराए जा रहे विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा कर धाम के भविष्य में कराए जाने वाले विकास कार्यों के बारे में अवगत करवाया। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया सह प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इस दौरान सांसद ने प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों से आपसी जुड़ाव व तीर्थ स्थलों के विकास के बारे में विस्तार से पूछताछ कर केंद्र सरकार द्वारा देशभर में धार्मिक स्थलों सहित ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास के बारे में अवगत करवाया। इस दौरान सांसद के साथ श्रवण सिंह करीरी, गंगा सिंह, अनिल शर्मा, श्री सिंह शेखावत दिवराला सहित कई लोग मौजूद रहे।

थाना अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

फुलेरा। व्यापार महासंघ, फुलेरा के बैनर तले पदाधिकारियों और व्यापारियों ने स्थानीय पुलिस थानाधिकारी श्रवण कुमार को जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से फुलेरा में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की गई। साथ ही उक्त चोरी की वारदातों का अविलम्ब खुलासे करने एवं भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोकथाम लगाने का आग्रह किया गया। इसके अलावा वहीं शहर में तीव्र गति से बढ़ रहे सूखे नशे के आपराधिक कृत्य पर चिंता व्यक्त की गई। इससे यहां हर उम्र का नागरिक विशेषकर युवा इस जानलेवा नशे में लिप्त होकर अपना भविष्य और जीवनलीला समाप्त कर रहा है। इसकी रोकथाम के लिए भी स्थानीय पुलिस थाने को अतिरिक्त पुलिस जाप्ता और आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाने की मांग की गई है। इस अवसर पर अनेक लोग उपस्थित रहे।

खोया पाया

मेरे पिताजी श्री पी.के.विजय के आवास संख्या 11/150 मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन पत्र अपने घर से स्वर्ण पथ पर गिर गया मिलने पर सूचित करें- 9372400083

बेदखली सूचना मेरे अभिभाष्यगण श्री जनार्दन शर्मा पुत्र श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा, आयु 60 वर्ष, एवं उनकी धर्मपत्नि श्रीमति सुनीता देवी पत्नि श्री जनार्दन शर्मा, आयु 54 वर्ष, जातियान ब्राहम्ण, निवासीयान 43, ब्रज मंडल कॉलोनी, जोशी मार्ग, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान 302012 के पुत्र राकेश कुमार शर्मा व राकेश कुमार शर्मा की पत्नि नेहा उर्फ डिम्पल, निवासी 43, ब्रज मंडल कॉलोनी, जोशी मार्ग, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान 302012, हाल निवासी किरायेदार, ब्राहम्णो का मोहल्ला, ग्राम निवारू, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान 302012, उक्त दोनो मेरे अभिभाष्यगण के कहे मे नही है जिस कारण से उक्त दोनों को मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पूरे परिवार सहित संबंध खत्म करते हुए उन्हे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अगर भविष्य मे उनके साथ कोई भी किसी प्रकार का व्यवहार, लेन-देन करेगा वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्यगण उनके कार्यो के जिम्मेवार नही होगें।
जयपुर (कुन्दन कुमार) एडवोकेट
दिनांक-20.04.2025 मो.न. 9785125594

नाम संशोधन

मैं सोमराज गुर्जर पुत्र नथुआ राम गुर्जर जाति गुर्जर निवासी मुंडिया शपथ पूर्वक बयान करता हूं कि मेरे शैक्षणिक एवं आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम सोमराज गुर्जर लिखा हुआ है। वर्तमान में मैं हिंडौन के स्टेशन रोड स्थित एसबीआई बैंक शाखा में हेड आरमड गार्ड 07092 के पद पर कार्यरत हूं। बैंक सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम सोमराज गुराजर लिखा हुआ है जो सही नहीं है। मेरा सही नाम सोमराज गुर्जर है।

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JAIPUR
First Floor, Sudharma-II,Lal Kothis Shopping Center, Tonk Road, Jaipur-302015
FORM NO.4
[See Regulation-13 (1) (b)]
NOTICE UNDER SECTION 17 OF SECURITIZATION ACT R/W PROVISIONS OF THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL ACT AND THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL (PROCEDURE) RULES, 1993 AS AMENED FROM TIME TO TIME.
Case No.: SA/594/2022
Exh. No.: 3787
YAHYA MOHAMMED YAKUB VS HDFC BANK
To,
1. M/S SIGMA CARE THROUGH ITS PROPRIETOR, MR WASEEM AHMAD, PLOT NO 458-A, EAST PORTION OF WEST PART OF PLOT NO-H 458,(OLD PLOT NO 407), AZAD MARG, C-SCHEME, JAIPUR RAJASTHAN
2. MR WASEEM AHMAD S/O MR JAMEEL AHMAD PLOT NO 458-A, EAST PORTION OF WEST OF PLOT NO H 458 (OLD PLOT NO 407) AZAD MARG, C-SCHEME JAIPUR RAJASTHAN
3. MRS HUMA SHAMEEM W/O WASEEM AHMAD PLOT NO H 458(OLD PLOT NO 407) AZAD MARG C-SCHEME JAIPUR RAJASTHAN
4. MR SHAMIM AHMAD S/O MR JAMIL AHMED KHAN FLAT NO 353, BLOCK 14, RANGOLI GARDEN KANAKPURA JAIPUR, RAJASTHAN
5. MR RASHID MOHAMMAD YAQUB S/O MOHAMMED YAQUB HOUSE NO 06, WARD NO 09, NEAR AZAD SCHOOL, FATEHPUR SHEKHAWATI SIKAR RAJASTHAN
Also At:
QATAR AT APARTMENT 06, BUILDING 62, STREET 810, ZONE 27, DOHA QATAR NON INDIA STATE, NON INDIA
6. MR ZUBER S/O MOHAMMED YAQUB PERMANENT RESIDENT OF HOUSE NO 06, WARD NO 09, NEAR AZAD SCHOOL, FATEHPUR SHEKHAWATI SIKAR, RAJASTHAN
Also At:
QATAR AT APARTMENT 06, BUILDING 62, STREET 810, ZONE 27, DOHA QATAR NON INDIA STATE,NON INDIA
7. MR JAWED S/O MOHAMMED YAQUB PERMANENT RESIDENT OF HOUSE NO 06, WARD NO 09, NEAR AZAD SCHOOL, FATEHPUR SHEKHAWATI SIKAR RAJASTHAN
Also At:
ALSO AT FLAT NO 161. BUILDING 107, BLOCK 2, RIGGAE, KUWAIT POSTAL ADDRESS PO BOX 666, AL SURRA 45707 KUWAIT NON INDIA STATE, NON INDIA
8. MR KHALID S/O MOHAMMED YAQOOB PERMANENT RESIDENT OF HOUSE NO 06, WARD NO 09, NEAR AZAD SCHOOL, FATEHPUR SHEKHAWATI SIKAR, RAJASTHAN
Also At:
KUWAIT AT FLAT NO 161, BUILDING 107, BLOCK 2, STREET 2 RIGGAE KUWAIT, POSTAL ADD PO BOX 666.AL SURRA 45707 KUWAIT NON INDIA STATE, NON INDIA
An application under Section 17(1) of the the Securitization & Reconstruction of Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002 has been filed before this Tribunal on 12/02/2025 in the court of Presiding Officer/ Registrar. (A copy of application is enclosed).
Show cause as to why the relief prayed for should not be granted. You are required to file reply, if any, in your defence in the paper book form in two complete sets and produce all the documents and affidavit in your support in the Tribunal personaly or through your duly authorized agent or legal practitioner and appear before this Tribunal on 05/05/2025 at at 10.30 A.M. failing which the application shall be heard and decided in your absence. You are further directed to supply advance copy of the reply to the SA to the Counsel for the Applicant.
Given under my hand and the seal of this Tribunal on this date: 19/02/2025.
By order of Tribunal
Signature of the Officer Authorised Person

संक्षिप्त

नाबालिग के अपहरण का फरार आरोपी गिरफ्तार

बौंली- बामनवास। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार चलाए जा रहे वांछित व फरार आरोपियों की धर पकड़ अभियान के तहत बामनवास थाना प्रभारी राकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल कांस्टेबल रणधीर सिंह, मोनू धाकड़, व श्री कृष्ण की टीम ने चार माह से फरार चल रहे हैं नाबालिग बालिका के अपहरण में वांछित आरोपी नवदीप उर्फ निशांत मीणा उम्र 25 वर्ष निवासी परमा की ढाणी ककराला थाना बामनवास को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस मामले को लेकर 16 दिसंबर 2024 को नाबालिग बालिका के भाई ने मामला दर्ज कराया था। गठित टीम ने आरोपी नवदीप उर्फ निशांत मीणा को मुखबिर सूचना पर ग्राम आभानेरी थाना रामगढ़ पचवारा जिला दोसा से शादी समारोह से दस्तयाब कर पोक्सो एक्ट में गिरफ्तार किया है, बालिका को पूर्व में दफ्तयाब किया जा चुका था।

भामाशाहों का किया सम्मान

निवाई। माली सैनी समाज के तत्वावधान में भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन हुआ जिसमें किन्नर तनीषा सैनी सहित कई भामाशाहों को सम्मानित किया गया। तहसील अध्यक्ष रामअवतार खुवाडिया माली ने बताया कि तनीषा सैनी ने समाज के छात्रावास में 3 लाख 51 हजार रूपए की लागत के एक बडे हॉल का निर्माण करवाने की घोषण की। तनीषा सैनी ने कहा कि शिक्षा से ही समाज का विकास होगा। उन्होंने कहा कि समाज के विकास में सभी की भागेदारी होना आवश्यक है। समारोह में सैनी समाज विकास संस्था अध्यक्ष छोटूलाल सैनी व कालू तंवर सहित समाज के कई भामाशाहों ने छात्रावास के निर्माण कार्य के लिए योगदान दिया। इस अवसर पर प्रहलाद हलसोरा, प्रेमप्रभु गंगाडा, रामावतार अजमेरा, हनुमान अजमेरा, रंगलाल चिकाना, तुलसीराम बहड़, मनोज सैनी, घनश्याम सैनी, शंकर सांखला, सत्यनारायण झिलाय, जगदीश सैनी, पूर्व पार्षद रमेश दीया, कालू तंवर, कन्हैयालाल सैनी, महामंत्री रामधन सैनी, रामकिशोर राहोली, राजेश कनेसर, सीताराम कनेसर सहित समाज के पदाधिकारी मौजूद थे।

पानी खरीद कर पीने को मजबूर

दूदू। नगर पालिका क्षेत्र दूंदू के अधीन विभिन्न कॉलोनीयो में बीसलपुर दूदू पेयजल परियोजना के तहत पर्याप्त सप्लाई नहीं होने पर उपभोक्ताओं को पीने का पानी खरीद कर पीने को मजबूर होना पड़ रहा है विभाग द्वारा माह में 15 दिन सप्लाई दी जाती है वह भी मात्र आधा घंटे में पर्याप्त पानी नहीं आता है आम गरीब जन की मूलभूत आवश्यकता पीने के पानी की300 प्रति टैंकर खरीद कर परिवार पालने को मजबूर होना पड़ रहा है इस संबंध में भाजपा मंडल महामंत्री अवधेश शर्मा अभिभाषक संघ दूदू के पूर्व महामंत्री एडवोकेट इमरान मंसूरी समाजसेवी प्रकाश धाभाई एवं वार्ड की महिलाओं द्वारा कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाकर पेयजल आपूर्ति की समस्या से अवगत कराया जा चुका है विभागीय अधिकारी द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा

गौस्वामणी के साथ तीन पंखे किए भेंट

श्रीमाधोपुर। दीपक बोलता नहीं उसका प्रकाश परिचय देता है। ठीक इसी प्रकार जयरामकाली निवासी स्व. अशोक कुमार सैनी का जीवन रहा है, इसी से प्रेरित परिजनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने श्रीराम गऊनंदी शाला हाँसपुर में स्व. अशोक कुमार सैनी की दूसरी पुण्यतिथि पर ताजा, पौष्टिक सब्जीयाँ के रूप में गौस्वामणि खिला कर गौवंश की सेवा की एवं गायों को गर्मी से बचाने के लिए तीन छत वाले पंखे भेंट कर पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस पुनीत कार्य के लिए गऊशाला की और से परिजनों का आभार प्रकट किया। इस मौके पर चंद्र प्रकाश सैनी। राजू बागवान, ओमप्रकाश प्रधान, बनवारी लाल सैनी अध्यापक ,भवानी शंकर सैनी सहित कई लोग मौजूद थे।

भामाशाह रामफूल गुर्जर ने देग भरकर चद्दर पेश की

मनोहरपुरा। रायसर के भामाशाह रामफूल गुर्जर ने ताला के हजरत बुर्हानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह आलेह चल रहे मेले में शिरकत करके बड़े ही अदब और एहतराम के साथ मे बुर्हानुद्दीन चिश्ती के आस्ताने शरीफ पर चद्दर को पेश करके अमन चैन की दुआए मांगी।

बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम पावटा में हवन-पूजन के साथ श्रीमद्भागवत कथा का समापन

पावटा। बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर पावटा के तत्वावधान एवं बाबा जयराम दास महाराज के सान्निध्य में स्व.बंशीधर अग्रवाल व स्व.कमल कुमार अग्रवाल की पुण्य स्मृति में बाबा बाबा भूतनाथ मंदिर जोहडा धाम पावटा कमेटी के सौजन्य व मंगल चंद पवन कुमार गर्ग कैलाश क्लॉथ स्टोर के नेतृत्व में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन मुख्य यजमान भगवती देवी, विमल गर्ग, नवल गर्ग, केशव कमल गर्ग द्वारा आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा 20 अप्रैल दिन रविवार को हवन-पूजन व पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गई।

कथावाचक पंडिता अखिलेश्वरी देवी मानस माधुरी जालौन चित्रकूट धाम मध्यप्रदेश द्वार सात दिनों तक चली कथा में भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा की महिमा के बारे में बताया गया।साध्वी ने सुदामा चरित और परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाई। कहा कि मित्र का चित्र रूप कितना प्यारा हो, यदि उसके आचरण में संस्कार नहीं होंगे तो वह आपके पास रहकर आपको हानि पहुंचाएगा। इसलिए मित्र ऐसे बनाइए जो आपका आचरण सुधारे। यज्ञ की पूर्णाहुति का आयोजन हुआ।

कथावाचक को सम्मानित करते हुए।

श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण को पहुंचे अनिल दिल्ली, मालीराम सूरत, शिंभूदयाल आंतेला वाले, त्रिलोक गुड़गांव, जगदीश अजमेरी वाले, कैलाश गोयल, सुरेश गोयल, दिलीप गोयल, योगेश शर्मा, अंजली गुरुजी, उमेश टांक, अंशुला दिल्ली, जगदीश मीणा, कैलाश टोडी वाले, प्रदीप सैन, संतोष गुप्ता, राजेश शर्मा जनप्रतिनिधियों सहित श्रद्धालुओं ने व्यास पीठ से आशीर्वाद लिया तथा कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस पावन कथा में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

- आयोजकों ने मंदिर कमेटी सहित कार्यकर्ताओं व सहयोगियों का किया सम्मान

उन्होंने कहा प्रख्यात कथावाचक पंडिता अखिलेश्वरी देवी के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत की कथा को सुनकर वे धन्य हो उठे है। उन्होनें कथा के लिए पावटा व आस पास के क्षेत्र के समस्त ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कथा श्रवण से सैकड़ों हजारों लोगों ने पुण्य अर्जित कर अपना जीवन धन्य किया।

वही कथा आयोजक भगवती देवी, विमल गर्ग, नवल गर्ग, केशव कमल गर्ग द्वारा बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर पावटा कमेटी से दिनेश शर्मा, रामोतार शर्मा, मामराज , अध्यक्ष विकास शर्मा सहित पदाधिकारियों व सदस्यों एवं पत्रकारों, कार्यकर्ताओं व सहयोगियों का सम्मान किया गया। इस दौरान विमल गर्ग, नवल गर्ग, केशव कमल गर्ग सहित बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर पावटा कमेटी से दिनेश शर्मा, रामोतार शर्मा, मामराज, जम्मन राठी, सुशील गौड, सुनील बोहरा, बंटी शर्मा, किशन शर्मा, अध्यक्ष विकास शर्मा सहित पदाधिकारियों व सदस्यों ने बताया कि आज सोमवार 21 अप्रैल को कथा समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन कराया जायेगा।

सडक हादसे में बाईक सवार छात्र की मौत

टोंक। उनियारा थाना क्षेत्र स्थित टोंक-सवाई माधोपुर हाईवे नया गांव के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से छात्र की मौत हो गई, छात्र बाइक पर अपने गांव जा रहा था, इसी दौरान शनिवार शाम को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना मिलने के बाद एम्बुलेंस और पुलिस मौके पर पहुंची तथा एम्बुलेंस से छात्र को सआदत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है, रविवार सुबह इसका पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक के भाई रसूलपुरा निवासी दीपक मीणा ने बताया कि शनिवार शाम को उसका भाई राकेश पुत्र रामसहाय मीणा 20 साल बाइक पर सवार होकर गांव लौट रहा था, इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, उसके बाद 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और उसे सआदत अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

जयकारों के साथ हुई हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

निवाई। सिरस उप तहसील मुख्यालय पर स्थित पुलिस चौकी वाले बालाजी मंदिर में आयोजित हनुमंत मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रविवार को मूर्ति का नगर भ्रमण करवाकर जयसियाराम व जय वीर हनुमाना के जयकारों के साथ हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। जिससे आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। युगलकिशोर दाधीच ने बताया की बालाजी मंदिर में मूर्ति स्थापना के बाद महाआरती का आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया। हनुमान मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में आचार्य पंडित हनुमानप्रसाद शर्मा, जगदीश शर्मा, कमलेश शास्त्री, पंडित शंकर शर्मा, रामेश्वर शर्मा, हरिशंकर शर्मा व सीताराम दाधीच ने विधि विधान से मंत्र उच्चारण के साथ प्राण प्रतिष्ठा संपन्न करवाई। 5 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में रोजाना सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

पीपल व ठाकुर जी के विवाह को लेकर मण्डप पर बैठे यजमान।

- जय सियाराम व जय वीर हनुमाना के जयकारों से गूंज उठा सिरस,
- विधि विधान से हुआ पीपल व ठाकुर जी का विवाह

रविवार को बालाजी मंदिर परिसर में स्थित पीपल व ठाकुर जी का विवाह भी संपन्न हुआ। जिसमें ठाकुर जी संग पीपल का विधिवत पंडितों ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ विधि विधान से पाणिग्रहण संस्कार करवाया। ठाकुर जी व पीपल के विवाह में कन्यादान करने का सौभाग्य मोहनलाल जैन को मिला। कन्यादान करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

पाणिग्रहण संस्कार के बाद सामूहिक भोज का आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओ ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर सौभागचंद जैन, दुर्गा सिंह, भागचंद जैन, पदमचंद जैन, मोहनलाल जैन, रामजीवन चौधरी, सोनू बना, बबलू प्रजापत, सरपंच शिवजीलाल जाट, श्योजीलाल फौजी, भेरूलाल गुर्जर, लालू वर्मा, जगदीश सोनी व भेरूलाल खंगार सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

मारुति महायज्ञ में संत-महात्माओं व विशिष्ट जनों ने दी आहुतियां

श्रीमाधोपुर। गढ़टकनेत ग्राम पंचायत की बड़ी ढ़ाणी रामसागर जोहड़ा स्थित श्री बालाजी महाराज के मंदिर में श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर श्री हरिदास जी महाराज के सान्निध्य में 15 अप्रेल से चल रहे श्री मारुति महायज्ञ के छठे दिन भी संत-महात्माओं एवं विशिष्ट जनों के आने का सिलसिला जारी रहा। जसवंतपुरा धाम के श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर श्री भींवादास जी महाराज का तो कलश यात्रा के दिन से ही लगातार सान्निध्य मिलता आ रहा है। महायज्ञ में पधारने वाले महानुभावों में बड़ी ढ़ाणी निवासी प्रदेश के ख्यातनाम चार्टर्ड अकाउंटेंट सीताराम शर्मा जयपुर, विनोद कुमार शर्मा जयपुर, मुकेश कुमार शर्मा जयपुर, आकाश शर्मा जयपुर, पवन कुमार शर्मा जयपुर, गजानंद जांगिड़ देहली, बंशीधर जांगिड़ देहली, अनिल कुमार जांगिड़ देहली ने महायज्ञ में अपनी-अपनी आहुतियां देकर पुण्य के भागीदार बने। शिव पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय कोकावाली के प्रधानाचार्य प्रहलाद कोक के साथ -साथ बाबूलाल निठारवाल, सागरमल, जगदीश प्रसाद, श्रवणलाल, छीतरमल जांगिड़, कैलाश खैलिया , अजय कुमार टेलर, सुभाष टेलर, भोलाराम नटवाड़िया एवं शिवदान दूधवाल ने भी चल रहे हवन में अपनी- अपनी आहुतियां देकर धार्मिक परिपाटी का निर्वहन किया। संत-महात्माओं का आना-जाना भी बदस्तूर जारी रहा।

मारुति महायज्ञ के संत-महात्माओं एवं विशिष्ट जनों ने दी आहुतियां।

महायज्ञ में अमरसर के श्री श्री 1008श्री कालीदास जी महाराज, अनंतपुरा के महावीर दास जी महाराज, अरनिया के दयानंद जी महाराज एवं रामपुरा धाम के रोहिताश दास जी महाराज ने भी महायज्ञ में शिरकत की और होम-हवन में आहुतियां देकर उपस्थित जनसमुदाय को आशीर्वचन प्रदान किए।महायज्ञ पाण्डाल एवं यज्ञ मंडप के इर्द-गिर्द सैकड़ों स्त्री-पुरुषों, -बालक-बालिकाओं -युवाओं के टोले के टोले जय-जयकार करते हुए एवं परिक्रमा लगाते हुए देखे गए। यज्ञस्थल ही नहीं समूचे गांव -ढ़ाणियों का भक्तिमय वातावरण महाराज श्री हरिदास जी की प्रेरणा से बन पाया है। विदित रहे कि 1987 से महाराज श्री इस पवित्र धार्मिक स्थल पर पूजा - अर्चना करते आ रहे हैं।

इन्हीं की मेहनत एवं सहभागिता का परिणाम है कि मंदिर के साथ- साथ इन्होंने श्री रामकृष्ण गौशाला की तकदीर भी बदलकर रख दी है। दोनों ही जगह कमेटी का गठन करके कार्य अंजाम दिया जा रहा है। लोगों की आध्यात्मिक सोच एवं उनमें आने वाले व्यवहारगत परिवर्तन के लिए महाराज श्री सदैव परिवर्तनशील रहते हैं।

सिरावास मे कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग ग्रामीण में रोष

अलवर। जिला प्रषासन सुस्त वही भूमाफिया अलवर में चुस्त नजर आ रहे है तभी तो लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग कर भूमाफिया कच्ची सडके बना कर भोले-भाले लोगों को प्लाट बेचने में लगे है अलवर तहसील अन्र्ततग पडने वाली ग्राम पंचायत ढहलावास के सिरावास गांव में खसरा नंबर 978. 982 कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर उस पर प्लाट काटे जा रहे है। लेकिन जिला प्रशासन इस और ध्यान नही दे रहा जिसका फायदा भूमाफिया जमकर उठा रहे है इन अवैध प्लाटिंग के कारोबार में क्षेत्र के पटवारी,कानून गो और तहसीलदार की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है।

- भूमाफियाओं ने ग्राहकों को लुभाने के लिए चार दिवारी बना कर बनाया रोड
- ग्रामीणों का आरोप राजस्व अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है

ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस अवैध प्लाटिंग की जानकारी कई बार अधिकारियों को भी दी है लेकिन आज तक इस पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही की गई है।

अलवर तहसील में पडने वाली ढहलावास पंचायत समिति में पडने वाले सिरावास गांव में खसरा नंबर 978. 982 में कृषि भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग की सूचना ग्रामीणों ने मीडिया को दी ताकि समय रहते इस प्लाटिंग को रूकवाया जा सके। यहां पर ताज्जुब की बात यह है कि यहां हो रही कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग की खबर अभी तक पटवारी को भी नही है जबकि अपने हल्के में होने वाली हर गतिविधि पर पटवारी की नजर होना जरूरी है लेकिन यहा ऐसा नही हुआ है अगर इस पर प्लाटिंग होने की प्रथम सूचना पर ही पटवारी भूमाफियाओं को 91 ए का नोटिस दे देते तो शायद यहां इतनी बडी अवैध प्लाटिंग नही हो पाती। इसी मौके का फायदा उठाते हुए इस भूमि पर भूमाफियाओं ने चार दिवारी बना कर गेट भी लगा दिया है और उस पर कटीले तार भी लगवा कर लोगों लुभावने के लिए यहा कच्ची सडक का निर्माण तक कर दिया है और अब ग्राहकों की तलाश जारी है।

आरोपी गिरफ्तार

बौंली- बामनवास। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार चलाए जा रहे फरार एवं वांछित आरोपियों की धर पकड़ अभियान के तहत सवाई माधोपुर जिले की बौंली थाना पुलिस की गठित टीम में शामिल साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मोगा के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह व कांस्टेबल रिछपाल सिंह की टीम ने बौंली पंचायत समिति में मेड बंदी के नाम पर 18 लाख 81हजार रुपए की धोखाघड़ी करने वाले 10 वर्ष से फरार 5हजार के इनामी आरोपी सुरेंद्र यादव उम्र43 वर्ष निवासी हिंदू पूरा को उन्नाव (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि बौंली पंचायत समिति के तत्कालीन विकास अधिकारी विजय सिंह ने दर्ज करा कर बताया था कि वर्ष 2016 में भोलाराम यादव, लक्ष्मी नारायण गुर्जर, भौरया गुर्जर, शंकर गुर्जर, राजंती देवी, बशीर सांई व छोटा देवी ने विभागीय प्रक्रिया का उल्लंघन कर अपनी-अपनी मेडबंदी फाइलों पर सरपंच, सचिव, तहसीलदार व विकास अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर कर धोखाधड़ी से 18 लाख 81 हजार रुपए की वित्तीय स्वीकृति करा ली।

श्रीमाधोपुर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह 29 को , पोस्टर का विमोचन

श्रीमाधोपुर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर कस्बे में तैयारियां जोरो से चल रही हैं। जन्मोत्सव पर श्रीमाधोपुर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन हर वर्ष विप्र समाज श्रीमाधोपुर द्वारा किया जाता है।

- श्रीमाधोपुर में शोभायात्रा 29 अप्रैल सायं 3.30 बजे श्री गौड विप्र परिषद भवन से रवाना होगी जो नगर के मुख्य बाजारों से होती हुई निकलेगी

गणेश मंदिर में भगवान परशुराम शोभायात्रा का पोस्टर विमोचन किया ।

आयोजन समिति के एडवोकेट राजेंद्र शर्मा एवं उमाशंकर गोठवाल ने बताया कि श्रीमाधोपुर में शोभायात्रा 29 अप्रैल सायं 3.30 बजे श्री गौड विप्र परिषद भवन से रवाना होगी जो नगर के मुख्य बाजारों से होती हुई निकलेगी जिसमें नगर के साथ साथ आसपास के गांवों से हजारों लोग शोभायात्रा में शामिल होंगे। समिति के परशुराम भातरा एवं ओम प्रकाश पचौरी ने बताया कि रविवार 27 अप्रैल को सांय 7 बजे चौपड़ बाजार में शंखनाद एवं दीपोत्सव का कार्यक्रम रहेगा, सोमवार 28 अप्रैल को श्री गौड विप्र परिषद भवन श्रीमाधोपुर में विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं सांय 7 बजे सुन्दरकाण्ड पाठ आयोजित होगा। इसी कड़ी में भगवान परशुराम शोभायात्रा का पोस्टर विमोचन गणेश मंदिर में रविवार को किया गया , इस मौके पर डा चंद्रप्रकाश व्यास, विनोद शर्मा, पंडित मक्खनलाल शर्मा ,रामनारायण सेवदा, रवि शर्मा, विजय शर्मा एडवोकेट, एडवोकेट हिमांशु, आर्यन शर्मा, मनोज लोकनाथका, अवधेश शर्मा, कृष्ण मुरारी गोठवाल, नृसिंह शर्मा, सुंदरपाल शर्मा, दिलीप शर्मा , पार्षद प्रतिनिधि लक्ष्मीकांत हरितवाल आदि मौजूद रहे।

सार-समाचार

प्रकल्प शिक्षिका प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

कोटपूतली। सेवा भारती समिति कोटपूतली द्वारा हर माह कस्बे के बसंत प्रभु आदर्श विद्या मंदिर में मासिक प्रकल्प शिक्षिका प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जाता है। रविवार को भी मासिक प्रकल्प शिक्षिका प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रांत सहमंत्री महेश कुमार गोयल द्वारा दीप मंत्र, गायत्री मंत्र, महापुरुषों की जीवनी, मासिक गीत, भजन व भोजन मंत्र आदि का अभ्यास कराया गया। वहीं सेवा भारती के कार्य क्षेत्र के बारे में बताया की समाज में वांछित पीडित, अपेक्षित एवं अभावग्रस्त वर्ग के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य स्वावलंबन एवं सामाजिक आयाम पर सेवा कार्य कर रही है। वर्ग में ध्यान जी महाराज बाल संस्कार केंद्र चतुर्भुज से शिक्षिका चंचल, श्री महाराणा प्रताप बाल संस्कार केंद्र आदर्श नगर से शिक्षिका वंशिका सोनी, अहिल्या बाई होलकर सिलाई केंद्र सरुण्ड से शिक्षिका राधा देवी, माता रानी बाल संस्कार केंद्र भीमराव अंबेडकर बस्ती सरुण्ड से शिक्षिका आईसा शर्मा, जमवाय माता बाल संस्कार केंद्र भीमजी की ढ़ाणी राजनौता से शिक्षिका अंबिका शेखावत व पूजा शेखावत, अमर शहीद उम्मेद सिंह शेखावत नि:शुल्क सिलाई केंद्र राजनौता शिक्षिका कुसुम कंवर, निरूशुल्क सिलाई केंद्र विराटनगर शिक्षिका सुनिता स्वामी कल्पना कुमावत, सेवा भारती के प्रवीण भूषण जिलाध्यक्ष, महेश चन्द सैनी जिला मंत्री, भूपेंद्र सोनी जिला स्वास्थ्य आयाम प्रमुख, सुरेंद्र बालास्या कोषाध्यक्ष, सत्यनारायण कौशिक जिला प्रकल्प प्रमुख, रजनी सैनी जिला किशोरी विकास प्रशिक्षण प्रमुख, सुरेश मीणा नगर उपाध्यक्ष, सह जिलामंत्री बीना सोनी, जिला सामाजिक आयाम प्रमुख नागरमल अग्रवाल, जिला स्वावलंबन प्रमुख पुरुषोत्तम सोनी, नगर शिक्षा आयाम प्रमुख पूरण चौहान, नगर सत्संग प्रमुख अमिता भटनागर समेत अन्य मौजूद रहे।इस दौरान बाल संस्कार केंद्र पर वार्षिकोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। वहीं प्रकल्प पर प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को श्री हनुमान चालीसा पाठ नियमित रूप से करने पर चर्चा की गई। बस्ती के लोगों को प्रकल्प दर्शन कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही शिक्षिका एवं प्रवासी कार्यकर्ताओं को बैग वितरित किये गये।

'आर्थिक प्रगति होगी तो ही विकास कार्य सार्थक होगें'

कोटपूतली। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह रविवार शाम कोटपूतली पहुँचे। उन्होंने कस्बे के पूतली कट पर नवनिर्मित राजी खुशी इलैक्ट्रोनिक्स व फर्नीचर शोरूम का बतौर मुख्य अतिथि फिता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर आयोजित उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा उधोग-धंधे व व्यावसायिक उपक्रम स्थापित होने चाहिये। इससे जहाँ बेरोजगारी मिटती है। साथ ही आर्थिक प्रगति भी होती है। क्योंकि आर्थिक प्रगति ही विकास कार्यो को सार्थक बनाती है। उन्होंने आयोजकों को अच्छे व्यवसाय की शुभकामनायें दी। अध्यक्षता करते हुये विधायक हंसराज पटेल ने कहा कि जितने ज्यादा व्यावसायिक उपक्रम खुलेगें, उतना ही आर्थिक विकास होगा। आर्थिक गतिविधियां ही समाज को विकसित व गतिशील बनाती है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री एड. हीरालाल रावत ने कहा कि रोजगार केवल सरकार के वश की बात नहीं है, निजी क्षेत्रों का भी इसमें व्यापक योगदान है। इस मौके पर उप प्रधान प्रतिनिधि एड. राजेन्द्र रहीसा, किसान नेता रोहिताश कसाना, भाजपा नेता सांवतराम रावत, पूर्व चौयरमैन एड. महेन्द्र सैनी, गोपाल मोरीजावाला, कर्मवीर कसाना, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष बलेश गुर्जर, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष शशि मित्तल समेत अन्य मौजूद रहे। संचालन एड. विकास जांगल ने किया। आयोजक राजी खुशी फैशन प्रा.लि. की ओर से राधा शर्मा, चुन्नीलाल शर्मा, देवदत्त शर्मा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर एड. कैलाश चंद गुर्जर, मनोज कुमार जांगिड़, राकेश कसाना, नितिन शर्मा, बरफा बाई समेत ग्रामीण मौजूद रहे।

विक्रमसिंह ब्लॉक अध्यक्ष बने

पीपलू। कस्बे के बिहारीनाथ मंदिर में राजपूत अधिकारी कर्मचारी संघ ब्लॉक पीपलू की बैठक जगदीशसिंह राजावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष अवनीशसिंह नरुका की उपस्थिति में राजपूत अधिकारी कर्मचारी संघ पीपलू उपशाखा की नवीन कार्यकारिणी का गठन कर संगठन का विस्तार किया गया। इसमें सर्वसम्मति से सरंक्षक के पद पर राजेन्द्रसिंह राजावत बलखंडियां, ब्लॉक अध्यक्ष विक्रमसिंह राठौड़ प्यावड़ी, महामंत्री कुशराजसिंह नाथावत सौंधीफल को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों ने माला पहनाकर व दस्तारबंदी करते हुए स्वागत किया। इस अवसर पर जिला संयोजक रामसिंह राजावत, जिला संयोजक महावीरसिंह सोलंकी, अरविन्दसिंह चौहान, नन्दसिंह, मनमीतसिंह व तेजसिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

विधायक ने जनता की समस्याएं सुनी

शाहपुरा । कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने रविवार को अपने निवास पर जनसुनवाई का आयोजन किया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान लोगों ने बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, पेंशन, आवास और राजस्व से जुड़ी समस्याएं विधायक के सामने रखी। यादव ने जनता की बातें ध्यान से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को फोन कर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, "मेरे दरवाजे हमेशा जनता के लिए खुले है। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह आम लोगों की परेशानियों को गंभीरता से ले और उनका शीघ्र समाधान करे। जनसुनवाई में शामिल लोगों ने विधायक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से उन्हें सीधे अपनी बात रखने और त्वरित समाधान की उम्मीद होती है। वही क्षेत्रवासियों ने शाहपुरा क्षेत्र के 1 करोड़ 93 लाख 72 हज़ार की राशि स्वीकृत करवाने पर विधायक का आभार जताया। गोरतलब है कि इस राशि से क्षेत्र में पेयजल में राहत मिलेगी। विधायक ने कहा की पेयजल के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जायेगा।

पद आवंटन करवाने की मांग

श्रीमाधोपुर। राजस्थान संस्कृत शिक्षा विभागीय शिक्षक संघ ने सरकार एवं संस्कृत शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर बजट घोषणा के अनुसार क्रमोन्नत किये संस्कृत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के क्रमोन्नित आदेश जारी करवाकर नियमानुसार सभी पद आवंटित करने की मांग की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक तिवाड़ी मऊ ने बताया कि राज्य बजट 2025-26 बजट घोषणा बिंदु संख्या 50 (II.) क्रम संख्या-5.के अनुसार संस्कृत शिक्षा विभाग के समस्त 225 प्रवेशिका विद्यालयों को वरिष्ठ उपाध्याय स्तर पर एवं 17 शास्त्री संस्कृत महाविद्यालयों को आचार्य स्तर पर क्रमोन्नत करने की घोषणा के इतने समय बाद भी सक्षम स्तर से इनके क्रमोन्नित आदेश अब तक जारी नहीं हुए हैं। विद्यालयों में नये सत्र 2025-26 हेतु अस्थाई प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ऐसे में क्रमोन्नित आदेश जारी नहीं होने से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। संगठन ने राज्य के मुख्यमंत्री शिक्षामंत्री एवं मुख्य सचिव को पत्र के माध्यम से क्रमोन्नित आदेश जारी करवाकर नियमानुसार सभी पद आवंटित करवाने का निवेदन किया गया है। प्रदेशमहामंत्री दयालसिंह काजला ने बताया कि पत्र की प्रति शासन सचिव एवं आयुक्त संस्कृत शिक्षा को भी भिजवायी गयी है।

सम्मेलन में पत्रकारों का सम्मान

अलवर। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की अलवर इकाई द्वारा पांचवां जिला स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह एवं स्मारिका कलम के सिपाही का विमोचन मोती डूंगरी स्थित पुलिस अन्वेषण मैरिज गार्डन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चेंजमेकर अवॉर्ड से सम्मानित पायल जांगिड़, पदम ऊषा चौमर, एडिशनल एसपी डॉ प्रियंका रघुवंशी, महिला एवं बालिका हेतु आत्मरक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही बहरोड़ की रेणुका यादव और शिक्षाविद डॉ अनिता सोनी थी।कार्यक्रम के अंत में सभी ने पत्रकार हितों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने की बात कही। इस अवसर पर पत्रकार आवासीय योजना में प्लॉट आवंटन के लिए जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने सहित कई विषयों पर चर्चा हुई। मंच का संचालन सुरेन्द्र सिंह चौहान ने किया।

पोस्टर का करवाया विमोचन

कोटपूतली। समाजिक कार्यकार्ता रतनलाल शर्मा ने गोपालपुरा मोड़ से बनेठी मार्ग का नाम शहीद श्रवणसिंह के नाम पर रखे जाने की माँग को लेकर रविवार को विधायक प्रतिनिधि पंकज पटेल को ज्ञापन सौंपा। शर्मा ने बताया कि ग्राम नृसिंहपुरा के शहीद श्रवण सिंह तंवर के सम्मान में उक्त मार्ग का नाम शहीद श्रवणसिंह रखे जाने को लेकर अभियान के पोस्टर का विमोचन भी करवाया गया है। शहीद श्रवणसिंह 2009 में आतंकवादियों के विरुद्ध कार्यवाही में ऑपरेशन तृतीय कुपवाड़ा में दो आतंकवादियों को मौत के घाट उतार देने के बाद शहीद हो गये थे।

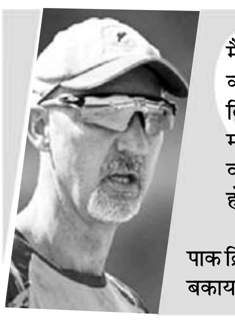

मैं अब भी पाक बोर्ड से कुछ बचे पारिश्रमिक का इंतजार कर रहा हूं। पीसीबी ने पाक टीम के लिए एक नए युग का वादा किया था लेकिन 6 महीने बाद मुझे दिए गए अधिकांश अधिकार वापस लेने के बाद इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। **- जेसन गिलेस्पी**

पाक क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच, अपनी बकाया फीस को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी

इंडियन प्रीमियर लीग के 36वें मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट के आसमान में शनिवार को वैभव सूर्यवंशी नामक एक युवा तारे ने अपनी चमक बिखेरी। मात्र 14 साल की उम्र में राजस्थान रायल्स के बल्लेबाज के तौर पर आईपीएल में पदार्पण करने वाले सूर्यवंशी ने आज अपनी 20 गेंदों की संक्षिप्त पारी में दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 34 रन बनाये। सूर्यवंशी ने अपनी पारी का आगाज लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की गेंद पर छक्का मार कर किया। सूर्यवंशी आईपीएल के इतिहास में सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बन चुके है।

क्या आप जानते हैं ?... विश्व कप फुटबॉल के इतिहास का सबसे विवादास्पद गोल इंग्लैण्ड में 1966 में हुए विश्व कप के दौरान हुआ। इस मैच में इंग्लैण्ड 4-2 से जीता।

आईसीसी कॉफ्रेंस में लिए जा सकते हैं बड़े फैसले

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। आईसीसी की हर साल कॉन्फ्रेंस होती है। इस कॉन्फ्रेंस में कई बार क्रिकेट से जुड़े कुछ फैसले लिए जाते हैं जिससे इस खेल का भविष्य सुनहरा हो सके। लगभग हर साल कोई

न कई बदलाव क्रिकेट के इस खेल में किया जाता है। इस साल सिंगापुर में जुलाई के तीसरे हफ्ते में ये कॉन्फ्रेंस होगी, जिसमें वनडे क्रिकेट से जुड़े कुछ बड़े फैसले लिए जा सकते हैं।इस साल की कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता जय शाह करेंगे, जो आईसीसी अध्यक्ष के रूप में पहली बार इस बैठक की अगुवाई करेंगे। हाल ही में हरारे में हुई मीटिंग में सिंगापुर को इस कॉन्फ्रेंस के लिए फाइनल किया गया है। इस दौरान चर्चा के लिए प्रमुख विषयों में से एक क्रिकेट समिति की सिफारिशें शामिल हैं, जिसका नेतृत्व भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली करते हैं।सौरव गांगुली की अध्यक्षता वाली समिति ने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए सुझाव दिया है कि 25वें ओवर से एक ही गेंद का इस्तेमाल हो। अभी दो गेंद शुरुआत से इस्तेमाल होती हैं जो आखिर तक चलती हैं। इस तरह पचासवें ओवर में महज 25 ओवर पुरानी ही गेंद होती है। इस बदलाव से रिवर्स स्विंग में तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी और ये विधा सफेद गेंद वाली क्रिकेट में वापस लौटेगी। ये स्किल वर्तमान में वनडे से गायब हो गई है।एक अन्य प्रमुख प्रस्ताव टेस्ट मैचों को लेकर ये है कि रेड बॉल क्रिकेट में इन-गेम क्लॉक को शुरू किया जाए, ताकि इससे हर दिन 90 ओवर पूरे करने में मदद मिले। टी20 फॉर्मेट में 60 सेकेंड के बाद ही दूसरा ओवर फेंकने के लिए टीम को तैयार रहना होता है। ऐसा ही टेस्ट क्रिकेट के लिए प्रस्तावित है। इसके अलावा आईसीसी अंडर 19 वर्ल्ड कप को वनडे की जगह टी20 फॉर्मेट में आयोजित कराए जाने का प्रस्ताव है।

सिविल सर्विसेज दिवस पर प्रशासनिक अधिकारियों ने सॉफ्ट हॉकी के बारे में जानकारी ली

जयपुर, 20 अप्रैल। सिविल सर्विसेज दिवस के अवसर पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के क्रिकेट ग्राउंड पर सॉफ्ट हॉकी खेल की पेनल्टी शूटआउट का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में डॉ. नीरज के. पवन शासन सचिव खेल विभाग एवं मालती चौहान वरिष्ठ खेल अधिकारी कार्मिक विभाग के सानिध्य में राजस्थान सरकार के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच सॉफ्ट हॉकी पेनल्टी शूटआउट का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने भी सॉफ्ट हॉकी खेल की बारीकियों की जानकारी उत्सुकतापूर्वक प्राप्त की और स्वयं खेल के पेनल्टी शूटआउट में भाग लेकर इसका आनंद लिया। पंत ने सॉफ्ट हॉकी की खूबियों की सराहना करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल के प्रदर्शन के दौरान सॉफ्ट हॉकी संघ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट गजेंद्र सिंह राठौर, सचिव रमेश सिंह, भारतीय टीम के कोच हरजिंदर सिंह बराड़ तथा टेक्निकल अधिकारी हर्षित यादव भी उपस्थित रहे। इस मौके पर सभी प्रशासनिक अधिकारियों ने सॉफ्ट हॉकी के पेनल्टी शूटआउट का उत्साहपूर्वक आनंद लिया और इस खेल की विशेषताओं के बारे में जानकारी ली। सभी ने एक स्वर में इस खेल के भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं और इसके अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता जताई।

भारतीय एथलीटों का बेहतरीन प्रदर्शन, जीते सात मैडल

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। अखिल भारतीय पिकलबॉल संघ ने शुक्रवार को बताया कि हो ची मिन्ह सिटी में खेले जा रहे विजयनाम पिकलबॉल ओपन कप में भारतीय एथलीटों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड, तीन सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते। भारतीय टीम ने गुरुवार को ओपन कैटेगरी में अपने सभी पदक जीते। ये आयोजन रविवार को जारी रहेगा, जिसमें इंटरमीडिएट और शुरुआती स्तर की प्रतियोगिताएं होंगी।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को नौ विकेट से हराया

मुम्बई, 20 अप्रैल। रोहित शर्मा (नाबाद 76) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 68) आतिशी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत मुम्बई इंडियंस ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 38वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को नौ विकेट से हरा दिया। 177 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई के लिए रायन रिकलटन और रोहित शर्मा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 63 रन जोड़े।

सातवें ओवर में रवींद्र जडेजा ने रिकलटन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। रिकलटन ने 19 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (24) रन बनाये। रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव के बीच 114 रनों की अवजित साझेदारी हुई। रोहित शर्मा ने 45 गेंदों में चार चौके और छह छक्के लगाते हुए (नाबाद 76) रनों की पारी खेली। वहीं सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंदो में छह चौके और पांच छक्के लगाते हुए) नाबाद (68) रन बनाये। मुम्बई इंडियंस ने 15.4 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया। मुम्बई इंडियंस की आठ मैचों में चौथी जीत है और वह आठ अंकों के साथ छठें पायदान पर पहुंच गई है। इससे पहले आज यहां मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने रचिन रविंद्र (पांच) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद आयुष म्हात्रे ने शेख़ रशीद

के साथ 41 रनों की साझेदारी की। सातवें ओवर में दीपक चाहर ने आयुष म्हात्रे (32) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मिचेल सैंटनर ने शेख रशीद (19) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

चेन्नई सुपर किंग्स का चौथा विकेट शिवम दुबे के रूप में गिरा। उन्हे जसप्रीत बुमराह ने आउट किया। शिवम दुबे ने 32 गेंदों में दो चौके और चार छक्कों की मदद से (50) रनों की पारी खेली। एमएस धोनी (चार) को भी बुमराह ने आउट किया। रवींद्र जडेजा ने 35 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से (नाबाद 53) रनों की पारी खेली। जेमी ओवर्टन (चार) रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 176 रन का स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस की ओर से जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट लिये। अश्विनी कुमार, दीपक चाहर, मिचेल सैंटनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु ने पंजाब किंग्स को सात विकेट से हराया

मुल्लांपुर 20 अप्रैल। क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा की शानदार गेंदबाजी के बाद विराट कोहली (नाबाद 73) और देवदत्त पड़िक्कल (61) रनों की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 37वें मैच में पंजाब किंग्स को सात गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया।

158 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में फिल सॉल्ट (एक) का विकेट गवां दिये। उन्हें अर्शदीप सिंह ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल ने विराट कोहली के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में हरप्रीत बराड़ ने देवदत्त पडिक्कल को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। देवदत्त पडिक्कल ने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रजत पाटीदार (12) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। हालांकि इस दौरान एक छोर थामे विराट कोहली रन बनाते रहे। विराट कोहली ने 54 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 73) रनों की मैच विजयी पारी खेली। जितेश शर्मा (11) रन बनाकर नाबाद रहे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18.5 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। आरसीबी की आठ मैचों में यह पांचवीं जीत है और वह अंक तालिका में 10 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर हैं।

पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह,हरप्रीत बराड़ और यजुवेंद्र चहल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।इससे पहले आज यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स के लिए प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट

के लिए 42 रन जोड़े। पांचवें ओवर में क्रुणाल पंड्या की गेंद पर प्रियांश आर्य आगे निकलकर लांग ऑफ के ऊपर से मारने के प्रयास में मिड ऑफ पर टिम डेविड को आसान कैच थमा बैठे। प्रियांश ने 15 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (22) रन बनाये। इसके बाद सातवें ओवर में क्रुणाल ने प्रभसिमरन सिंह को भी डेविड के हाथों कैच आउटकरा कर पंजाब किंग्स को दूसरा झटका दिया। प्रभसिमरन सिंह ने 17 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (33) रनों की पारी खेली।

कप्तान श्रेयस अय्यर (छह) को रोमारियो शेफर्ड ने अपना शिकार बनाया। नेहाल वढेरा (पांच) रनआउट हुये। जॉश इंग्लिस 17 गेंदों में (29) और मार्कस स्टॉयनिस (एक) को सुयश शर्मा ने आउट किया। पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 157 रन बनाये। शशांक सिंह (31) और मार्को यानसन (25) रन बनाकर नाबाद रहे। आरसीबी के लिए क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा ने दो-दो विकेट लिये।

// विराट कोहली ने रचा इतिहास //

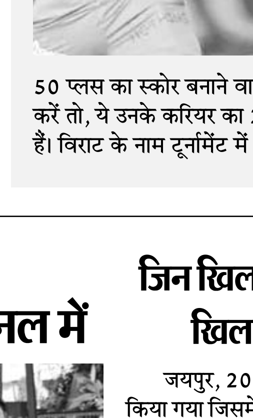

पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के 37वें मुकाबले में एक और अर्धशतक जड़ आरसीबी के स्टार बल्लेबा विराट कोहली ने इतिहास रच दिया है। किंग कोहली इस रंगारंग लीग में सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वॉर्नर का रिकॉर्ड तोड़ा है। कोहली के बल्ले से ये बेहतरीन शतक अहम मौके पर आया है। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी को 158 रनों का टारगेट दिया था। इस स्कोर का पीछा करते हुए फिल साल्ट पहले ही ओवर में आउट हो गए थे। जिसके बाद कोहली ने मैच को अपनी जीत में बदला।विराट कोहली का ये आईपीएल में 67वां 50 स्कोर है। इससे पहले डेविड वॉर्नर ने ये कारनामा 66 बार किया था। अब कोहली आईपीएळ के इतिहास में सबसे ज्यादा 50 प्लस का स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।विराट कोहली के आईपीएल करियर की बात करें तो, ये उनके करियर का 260वां मैच है, वह अभी तक 59 अर्धशतक और 8 शतक जड़ चुके हैं। विराट के नाम टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने का भी रिकॉर्ड है।

जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को किया 191 रन के स्कोर पर किया ढेर

सिलहट, 20 अप्रैल। वेलिंगटन मसकदजा और ब्लेसिंग मुजारबानी (तीन-तीन विकेट), विक्टर न्याउची और वेस्ली मधेवेरे (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद दम पर जिम्बाब्वे ने रविवार को बंगलादेश को पहले टेस्ट मैच के पहले दिन पहली पारी 191 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया है। आज यहां बंगलादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बंगलादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 32 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। विक्टर न्याउची ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करे हुए पहले पहले शादमान इस्लाम (12) और उसके बाद महमुदुल हसन जॉय (14) को अपना शिकार बना लिया। ऐसे संकट के समय मोमिनुल हक और नजमुल शान्तो ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 66 रनों की साझेदारी हुई।

32वें ओवर में लेसिंग मुजारबानी ने नजमुल शान्तो (40) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद वेलिंगटन मसकदजा ने (56) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। मुशफिकुर रहीम (चार) और तैजुल इस्लाम (तीन) को वेलिंगटन ने आउट किया। मेहदी हसन मिराज (एक) को मुजारबानी ने अपना शिकार बनाया। तैजुल इस्लाम (तीन), हसन महमूद (19) और नाहिद राणा (शून्य) पर आउट हुये। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगलादेश की पूरी टीम पहले टेस्ट मैच के पहले दिन 61 ओवर में 191 के स्कोर पर सिमट गई। जिम्बाब्वे की ओर से वेलिंगटन मसकदजा ने 10 ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट लिये और ब्लेसिंग मुजारबानी ने 19 ओवर में 50 रन देकर तीन विकेट झटके। विक्टर न्याउची ने 15 ओवर मे 74 रन देकर दो विकेट लिये।

खालसा कॉलेज और इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ने हॉकी मैच मुकाबले जीते

नयी दिल्ली, 20 अप्रैल। पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन पुरुष वर्ग में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने और महिला वर्ग में इंदिरा गांधी इंस्टीट्ययूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने जीत दर्ज की। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने पुरुष वर्ग के हॉकी मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्ययूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज को 5-1 से पराजित किया।

धीमे ओवर रेट के लिए गिल पर लगा जुर्माना

अहमदाबाद, 20 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गये मुकाबले में धीमे ओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि शुभमन गिल पर आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत धीमें ओवर रेट के लिए 12 लाख रुपये जुर्माना लगाया हैं। आईपीएल ने बयान में कहा, चूंकि यह इस सत्र में उनकी टीम का पहला अपराध था, इसलिए आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर रेट अपराधों से संबंधित है, गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि गुजरात टाइटंस ने शनिवार को खेले गये आईपीएल के 35वें मुकाबले में जॉस बटलर (97 नाबाद) और शरफेन रदरफोर्ड (43) के बीच 119 रन की रिकार्ड साझीदारी की मदद से दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हरा दिया था।

आयुष ने 18 साल से भी कम की उम्र में किया आईपीएल में डेब्यू

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। आईपीएल 2025 में आए दिन कुछ ना कुछ नया देखने को मिलता है। बीते शनिवार को आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने अपना आईपीएल डेब्यू किया। और अब रविवार, मुंबई के खिलाफ सीएसके की तरफ से 17 वर्षीय आयुष म्हात्रे को आईपीएल डेब्यू का मौका मिला। इस डेब्यू मैच में आयुष ने अपनी बेहतरीन पारी से सबको प्रभावित किया।राहुल त्रिपाठी की जगह आयुष म्हात्रे को मौका मिला। राहुल इस सीजन में किसी भी मैच में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकामयाब रहे। ये 17 साल के आयुष का पहला आईपीएल मुकाबला है। इस दौरान उन्होंने 15 गेंदों में 32 रन की बेहतरीन पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के भी जड़े। लेकिन वह दीपक चाहर की गेंद पर मिचेल सैंटनर के हाथों कैच आउट हो गए। आयुष को चेन्नई सुपर किंग्स ऋतुराज गायकवाड़ की जगह टी में मौका मिला था। गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। 17 साल के आयुष मुंबई के रहने वाले हैं।

प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन 5 निर्णायक दौर में
सैंडी स्ट्राइकर्स व के सी मैमोरियल रॉयल्स पहुंची फाइनल में

जयपुर, 20 अप्रैल। जय क्लब में चल रही प्रतियोगिता निर्णायक दौर में पहुँच गई है। क्लब पैट्रन डॉ संदीप निझावन ने बताया कि खिलाड़ी बहुत जोश के साथ अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है ।डॉ निझावन ने बताया कि आल इंडिया 25-40 आयु वर्ग के डबल्स में डॉ सुधांशु -डॉ महाक्षित ने डॉ अंकित -डॉ अजीताभ को 6-4 से व डॉ हरनीत -डॉ निखिल ने डॉ पुनीत -डॉ आयुष को 7-6 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया ।

लीग चेयरमैन डॉ जयंत सेन ने बताया कि 40-50 आयु वर्ग में डॉ अनुपल -डॉ आदेश ने डॉ रवि -डॉ संजय को 6-3 से व डॉ आदित्य, डॉ अक्षय ने डॉ आई डी - डॉ संदीप को 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। डॉ सेन ने बताया कि 50-60 आयु वर्ग में डॉ जीत -डॉ मुदित ने डॉ कपिल -डॉ जयंत को 6-3 से व डॉ दीपक -डॉ सचिन ने डॉ गौतम -डॉ अमित को 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया ।

लीग सचिव डॉ अनिल यादव ने

बताया कि मलंग डबल्स में डॉ आदेश - डॉ अनुपल ने डॉ रंजीत -डॉ राकेश को 6-0 से व डॉ डॉ नरेंद्र -डॉ अंकुर ने डॉ अजीत -डॉ ओम को 6-2 से हराकर फ़ाइनल्स में पहुँचे ।

डॉ यादव ने बताया कि दबंग डबल्स में डॉ कपिल -डॉ निशांत ने डॉ सचिन - डॉ गौतम को 6-3 से व डॉ सुधांशु -डॉ रजत ने डॉ महाक्षित -डॉ उत्कर्ष को 6-4 से हराया व फाइनल में पहुँचे।

लीग को चेयरमैन डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि ट्रायो प्रतिस्पर्धा में डॉ सुधांशु -डॉ मधुसूदन -डॉ संकल्प ने डॉ आदित्य -डॉ उत्कर्ष -डॉ रजत को 21-16 से व डॉ हरनीत -डॉ आदेश -डॉ अनुपल ने डॉ आई डी -डॉ दिनेश -डॉ वैंकटेश को 21-15 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया । लीग कॉर्डिनेटर डॉ सुधांशु शर्मा ने बताया कि मिक्स्ड डबल्स में डॉ आई डी -डॉ अनुष्का ने डॉ आदेश - डॉ शिवी को 6-1 से व डॉ निशांत -डॉ हरशीन ने डॉ अमन - डॉ न्यासा को 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया ।लीग कॉर्डिनेटर डॉ सचिन खट्टर ने बताया कि टीम इवेंट में टीम सैंडी स्ट्राइकर्स ने टीम डॉ चैफ़ ऐसेस को 2-0 से व टीम के सी मैमोरियल रॉयल्स ने टीम व्हेयर ईगल्स डेयर को 2-1 से हराया व फाइनल में प्रवेश किया।

जिन खिलाड़ियों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है उन सभी खिलाड़ियों का खर्चा डीसीए उठायेगा : उपाध्याय

जयपुर, 20 अप्रैल। जिला क्रिकेट संघ द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर 18.4.2025 से शुरू किया गया जिसमें खिलाड़ियों की संख्या 80 से बढ़कर 100 हुई है । खिलाड़ियों की सुविधा को देखते हुए जिला क्रिकेट संघ द्वारा निशुल्क अल्पाहार ,लेदर बॉल और निशुल्क क्रिकेट सामग्री की व्यवस्था खिलाड़ियों के लिए की गई। जिला क्रिकेट संघ के सचिव ब्रृजकिशोर उपाध्याय द्वारा 18.04.2025 ग्रीष्मकालीन शिविर का उद्घाटन किया गया आगामी आरसीए द्वारा होने वाले टूर्नामेंट में जिले की टीम में सुधार करने के लिए खिलाड़ियों को फिटनेस, रनिंग, व्यायाम, योगा, ओपन नेट, बोलिंग अभ्यास, बैटिंग अभ्यास विकेट, कीपिंग अभ्यास करवाया गया ।साथ ही जिन खिलाड़ियों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है उन सभी खिलाड़ियों का खर्च डीसीए उठाएगा ।जिला क्रिकेट संघ कोच मेघराज यादव, विजय शर्मा, वेंकटेश्वर शर्मा, प्रेम सिंह और योगा कोच निर्मल सेन वर्तमान में खिलाड़ियों को कोचिंग दे रहे हैं।

मध्य क्षेत्र अंडर-14 राजसिंह डूंगरपुर ट्रॉफी में राजस्थान के कौस्तुभ धनकड़ का अर्द्धशतक

जयपुर, 20 अप्रैल। देहरादून में खेली जा रही मध्य क्षेत्र अंडर 14 राज सिंह डूंगरपुर ट्रॉफी में आज से शुरुहुए राजस्थान विधर्भ मैच के पहले दिन राजस्थान के कौस्तुभ धनकड़ का शानदार अर्धशतक। राजस्थान पहली पारी 178 आल आउट, पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम कौस्तुभ धनकड़ के शानदार अर्धशतक के सहायता से अपनी पहली पारी में 178 रनो का स्कोर बनाया, टीम के लिए कौस्तुभ धाकड़ 73, सचिन मीणा 30, रियान सेबैस्टियन 29 व खुषवर्धन 20 रनो का योगदान दिया। विधर्भ के गेंदबाज मानव वोकडे38 / 5 विकेट प्राप्त किये।विधर्भ पहली पारी 142/5 पहले दिन का खेल समाप्त होने तक विधर्भ ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट नुकसान पर 142 रन बना लिए थे। टीम के लिए नागेश नाबाद 48 व समर्थ नाबाद 26 रन बनाकर खेल रहे थे। राजस्थान के गेंदबाज हिमांशु 9/3 व कृष्णा, सचिन प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

आईपीएल आयोजन से दूर कर क्रीड़ा परिषद अध्यक्ष कर रहे सरकार द्वारा नियुक्त आरसीए एडहॉक कमेटी व खेल हितों के विरुद्ध साजिश
राजस्थान रॉयल्स टीम का जयपुर में खेला गया पिछला मैच भी संदेह के घेरे में : बियानी

जयपुर, 20 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी अध्यक्ष व विधायक जयदीप बिहाणी ने राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा जयपुर में आईपीएल के आयोजन से राजस्थान क्रिकेट संघ से दूर रख आईपीएल के आयोजन का निजीकरण करने के आरोप लगाए। जयदीप बिहाणी ने कहा की राजस्थान सरकार ने राज्य में खेल के विकास व आयोजन के लिए उनके नेतृत्व में आरसीए एडहॉक कमेटी का गठन किया था जिसके लिए एडहॉक कमेटी हर स्तर पर राज्य के युवा खिलाडियों को हर स्तर पर उच्च स्तरीय खेल सुविधाओं को उपलब्ध कराने के साथ विभिन्न आयु वर्ग की राज्य स्तरीय पुरष व महिला प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ राजस्थान में आरसीए की मेजबानी में बीसीसीआई की राष्ट्रिय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन कर रही है।

हमेशा से आरसीए ही राज्य में आईसीसी , बीसीसीआई के सभी अंतर्राष्ट्रीय मैचों व प्रतियोगिताओं के आयोजन की सफल मेजबानी कर चुकी है परन्तु क्रीड़ा परिषद् अध्यक्ष जयपुर में आयोजित हो रहे आईपीएल के आयोजन से राज्य में क्रिकेट के विकास , विस्तार हेतु राजस्थान सरकार द्वारा गठित आरसीए एडहॉक कमेटी , राजस्थान क्रिकेट संघ को दूर कर खेल हितों के विरुद्ध साजिश रच रहे हैं। क्रीड़ा परिषद द्वारा आरसीए एडहॉक कमेटी को तो आईपीएल के आयोजन से दूर रखते हुए उनके आयोजन से सम्बंधित एक्रीडेशन कार्ड तक नहीं उपलब्ध कराये गए परन्तु मनमाने तरीके से आरसीए से संबंधित एक जिला क्रिकेट संघ के सचिव का एक्रीडेशन कार्ड बनवा दिया गया जो की एक साजिश है।

पूर्व में आरसीए की मेजबानी में ही जयपुर में आइपीएल का आयोजन होता था व राज्य के खेल प्रेमियों की आवश्यकता हो देखते हुए राजस्थान क्रिकेट संघ ही सीएमओ, मंत्री परिषद , अधिकारीगण, विशिष्ट नागरिकों सहित आरसीए के सभी जिला संघो व पूर्व खिलाडियों को मैच के कम्प्लीमेंटरी मैच पास उपलब्ध करता था मगर क्रीड़ा परिषद ने साजिश के तहत आरसीए को इस आयोजन से दूर रखते हुए मनमाने तरीके से राजस्थान क्रिकेट संघ , खिलाडियों के सम्मान को नजरअंदाज करे हुए उनके हिस्से के कम्प्लीमेंटरी मैच पास अन्यत्र व निजी मित्रो को दिए जा रहे हैं जिसमे भी कुछ चुने हुए जिला संघो को उपब्ध कराये जा रहे है जोकि एक साजिश का हिस्सा है।

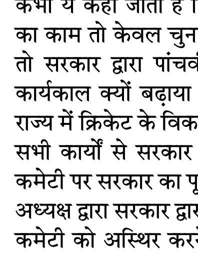

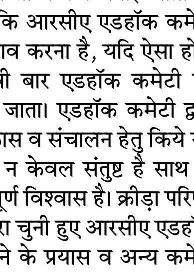

बिहाणी ने बताया कि क्रीड़ा परिषद अध्यक्ष द्वारा राज्य सरकार द्वारा चुनी हुई आरसीए एडहॉक कमेटी अस्थिर करने हेतु कभी तो कमेटी बनाई जाती है। कभी ये कहा जाता है कि आरसीए एडहॉक कमेटी का काम तो केवल चुनाव करना है, यदि ऐसा होता तो सरकार द्वारा पांचवी बार एडहॉक कमेटी का कार्यकाल क्यों बढ़ाया जाता। एडहॉक कमेटी द्वारा राज्य में क्रिकेट के विकास व संचालन हेतु किये गए सभी कार्यों से सरकार न केवल संतुष्ट है साथ ही कमेटी पर सरकार का पूर्ण विश्वास है। क्रीड़ा परिषद अध्यक्ष द्वारा सरकार द्वारा चुनी हुए आरसीए एडहॉक कमेटी को अस्थिर करने के प्रयास व अन्य कमेटी का गठन ने केवल खेल हितों के विरुद है साथ ही ये सरकार के आदेशों की अवमानना है।

बिहाणी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी ने सक्रियता व सजकता से पूर्व आरसीए कार्यकारिणी द्वारा कि गयी वित्तिय अनियमितता व घोटालो की 368 पन्नो की ऑडिट जांच कराकर ज्योति नगर थाने मे उनके विरुद्ध एफआईआर रिपोर्ट दर्ज की थी ओर यदि क्रीड़ा परिषद इतनी ही सजक थी तो एफआईआर पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की, क्या कारण है।

जयदीप बिहाणी ने कहा कि आरसीए जयपुर में आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दे रही है, आरसीए पिच क्यूरेटर तपोश चटर्जी व ग्राउंड स्टाफ दिन- रात आरसीए के उच्च स्तरीय ग्राउंड उपकरणों के सहयोग से मैदान का रख रखाव कर रही है। राजस्थान रॉयल्स जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडयम का किराये के करोड़ों रूपये का भुगतान तो क्रीड़ा परिषद को दे रही मगर आरसीए के करोडो रूपये के ग्राउंड उपकरण व क्यूरेटर , ग्राउंड स्टाफ का भुगतान क्यों नहीं दिया जा रहा है इसके पीछे क्या साजिश है व राजस्थान रॉयल्स व क्रीड़ा परिषद द्वारा हठदर्मिता क्यों दिखाई जा रहे है।

राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष राजीव खन्ना द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ को क्रिकेट से दूर करने की एक सोची समझी साजिश के तहत कार्य किये जा रहे हैं। आरसीए द्वारा आरसीए के सभी उच्च स्तरीय ग्राउंड उपकरणों की सूचि भी राजस्थान रॉयल्स व क्रीड़ा परिषद् को भुगतान हेतु उपलब्ध करा दी गयी है।

राजस्थान रॉयल्स टीम का जयपुर में खेला गया पिछला मैच भी संदेह के घेरे में है कि किस प्रकार रॉयल्स जीता हुआ मैच गँवा बैठी, ये किस ओर इशारा करते हैं व इसका राज्य के युवा खिलाडियों पर क्या प्रभाव पड़ता है। बिहाणी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी ने अपने कार्यकाल में राज्य के युवा खिलाडियों के भविष्य को सवारने हेतु सफल व सुचारु रूप से राज्य में राज्य स्तरीय व राष्ट्रिय स्तर पर खेल का आयोजन किया है जो एक बहुत ही ऐतिहासिक है जबकि क्रीड़ा परिषद् अध्यक्ष द्वारा आरसीए एडहॉक कमेटी को अस्थिर करने हेतु ये कहना की एडहॉक कमेटी का कार्य तो केवल चुनाव करना ही है बिलकुल भी न्यायोचित नहीं है। ये प्रश्न अनुत्तिरत है कि क्रीड़ा परिषद् किस साजिश के तहत व असंवैधानिक कार्य कर रही है व क्रिकेट को नुकसान पहुंचा रही है।

नहीं पता कि हमने क्या गलत किया : पराग

जयपुर, 20 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को यहां लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए अधिकांश समय अच्छी स्थिति में होने के बावजूद दो रन की हार के बाद कहा कि उन्हें नहीं पता कि टीम ने क्या गलत किया। सुपर जाइंट्स के 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की 52 गेंद में चार छक्कों और पांच चौकों से 74 रन की पारी की बदौलत रॉयल्स की टीम एक समय दो विकेट पर 156 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में थी लेकिन आवेश खान (37 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने पांच विकेट पर 178 रन ही बना सकी। आवेश ने 18वें ओवर में जायसवाल और पराग दोनों को आउट करके मैच का रुख सुपर जाइंट्स के पक्ष में मोड़ा।

'युवा मेहनत करें, राज्य सरकार उनके सपनों को पूरा करेगी'

शेखावाटी दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री भजनलाल ने मंडावा मुकुन्दगढ़ व झुंझुनूं में सभाओं को संबोधित किया

- मुख्यमंत्री ने कहा, लोग कहते हैं कि इतनी भीषण गर्मी में आप दौरे कर रहे हैं। मैं किसान का बेटा हूँ और किसान के बेटे को गर्मी नहीं लगती।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि झुंझुनूं के नेता चुनावों के समय यमुना जल को याद करते थे लेकिन केन्द्र व राज्य सरकारों में महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए शेखावाटी के लिये कुछ काम नहीं किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शेखावाटी क्षेत्र की तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन मंडावा, मुकुंदगढ़ व झुंझुनूं में जनसभाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, यमुना जल समझौते पर तेजी से कार्य हो रहा है और इसकी प्रवाह प्रणाली की डीपीआर बनाने का काम प्रारंभ हो चुका है।

झुंझुनूं, 20 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शेखावाटी क्षेत्र की तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन झुंझुनूं जिले के मंडावा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार आमजन की सरकार है और हम जन-जन की सेवा के संकल्प के साथ आए हैं। उन्होंने युवाओं को मेहनत करने का संदेश देते हुए कहा कि आप मेहनत करिए, राज्य सरकार युवाओं के सपनों को पूरा करेगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अब तक 69 हजार नियुक्तिया दे चुकी है, शीघ्र ही हम 1 लाख नियुक्तियों के लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झुंझुनूं में कांग्रेस नेता चुनावों के समय यमुना जल को याद करते थे लेकिन केन्द्र व राज्य सरकारों ने महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए भी शेखावाटी के लिए कुछ काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने हरियाणा के साथ यमुना जल समझौता किया। उसके बाद कांग्रेस ने हरियाणा चुनाव में अपने घोषणा पत्र में कहा था कि सरकार में आते ही वह शेखावाटी यमुना जल समझौते को रद्द कर देंगे। मैं आपके बीच यह विश्वास दिलाने आया हूं कि यमुना जल समझौते पर तेजी से कार्य हो रहा है और इसकी प्रवाह प्रणाली की डीपीआर बनाने का काम प्रारंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग मुझसे कहते हैं कि भीषण गर्मी में आप दौरे कर रहे हो मेरा कहना है कि मैं किसान का बेटा हूं और किसान के बेटे को धूप नहीं लगती। उन्होंने शेखावाटी के लोगों की जिजीविषा की तारीफ करते हुए कहा कि यहां किसान खेत में काम करता है और किसान का बेटा यानी जवान सीमा पर देश की रक्षा करता है।

नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मुकुंदगढ़ में आयोजित स्वागत एवं आभार सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी जवानों और किसानों की धरती है। किसान बड़ी उम्मीद के साथ अपने बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है ताकि वह नौकरी पाकर उसके बुढ़ापे का सहारा बनेगा मगर कांग्रेस सरकार ने पेपर लीक से उनके सपनों को चकनाचूर हुए। हमारी सरकार के 16 महीने में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है ।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, विधायक विक्रम सिंह जाखल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

झुंझुनू टोल प्लाजा पर आयोजित आभार सभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारा किसान समृद्ध होगा तो प्रदेश भी उन्नत और खुशहाल होगा। उन्होंने कहा कि हमारा वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य है। हम किसानों को अन्नदाता के साथ ऊर्जा दाता भी बनाना चाहते हैं।

अमेरीका में ट्रंप के विरोध में प्रदर्शन जारी है

वाशिंगटन, 20 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के खिलाफ इस महीने विरोध प्रदर्शन करने के लिये हजारों प्रदर्शनकारियों ने पूरे देश में सड़कों पर उतरकर उनके हालिया कार्यों की निंदा की और उन्हें अमेरिका के मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए खतरा बताया।

बीबीसी के अनुसार, "50501" के नाम से मशहूर ये प्रदर्शन "50 विरोध, 50 राज्य, 1 आंदोलन" के लिए हुए, जो अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध की शुरुआत की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर हुए।

न्यूयॉर्क से लेकर सैन फ्रांसिस्को, वाशिंगटन, शिकागो, रोड आइलैंड, मैरीलैंड, विस्कॉन्सिन, टेनेसी, साउथ कैरोलिना, मैनहैटन, बॉस्टन जैसे कई अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर राष्ट्रपति के विरोध में प्रदर्शन हुये।

शनिवार के विरोध प्रदर्शनों में ट्रम्प की कई कार्रवाइयों को संबोधित किया गया, जिनमें सरकारी दक्षता विभाग, अमेरिकी सरकारी नौकरियों और अन्य खर्चों में कटौती करने की पहल और अल सैल्वाडोर के नागरिक एब्रेगो गार्सिया की वापसी के लिए प्रशासन की अनिच्छा शामिल है।

ए.सी.बी. को 19 स्थानों पर सुपरिन्टैन्डैंट इंजीनियर जांगिड़ की 54 सम्पत्तियां मिलीं

पी.एच.ई.डी. के एस.ई. अशोक जांगिड़ पर कार्यवाही करने वाली ए.सी.बी. टीम में 250 लोग थे

- ए. सी. बी. को प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक जांगिड़ व उसके परिवार के नाम 22 बैंक खाते हैं। इनमें 21 लाख रुपये मिले हैं।

जयपुर, 20 अप्रैल। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के सुपरिन्टैन्डैंड इंजीनियर अशोक जांगिड़ के जयपुर सहित 6 जिलों में स्थित ठिकानों पर छापा मारा है। छापे के लिए रविवार अल सुबह टीमें प्रदेश के अलग-अलग शहरों में पहुंचीं। एसीबी ने यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की है। फिलहाल अशोक जांगिड़ बांसवाड़ा में पोस्टेड है।

अशोक जांगिड़ के घर से सर्च के दौरान कई जमीनों के दस्तावेज मिले हैं। इसमें खुद के नाम 19, पत्नी सुनीता शर्मा के नाम 3, बेटे निखिल जांगिड़ के नाम 32 प्रॉपर्टी शामिल हैं। ये प्रॉपर्टी जयपुर शहर, पावटा (कोटपूतली), श्रीमाधोपुर (सीकर), मौजमाबाद (जयपुर), उदयपुर, अजमेर, मालपुरा (टोंक), श्री मोहनगढ़ (जैसलमेर) में हैं। एसीबी को कुल 19 स्थानों पर 54 अचल सम्पत्तियां खरीदने व निर्माण में करोड़ों रुपए लगाने के सबूत मिले हैं।

एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार अशोक जांगिड़ के जयपुर शहर, पावटा (कोटपूतली), मौजमाबाद (जयपुर), उदयपुर स्थित खान एवं भू-विज्ञान विभाग के ज़ोन ऑफिस, झाड़ोल (उदयपुर) के कोच्छ्ला, जावद स्थित खनिज लीज, अजमेर, मालपुरा (टोंक) के विभिन्न ठिकानों के साथ-साथ पीएचईडी कार्यालय बांसवाडा, टोंक, अजमेर, जयपुर व उप पंजीयक कार्यालय पावटा, मौजमाबाद में टीमों ने सर्च किया है। इस कार्रवाई में 250 से अधिक अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे। । उदयपुर स्थित खान एवं भू-विज्ञान विभाग के ज़ोन ऑफिस में टीम ने जांगिड़ के परिवार के सदस्यों के नाम पर मिले माइन्स के दस्तावेजों को खंगाला। एसीबी को गोपनीय सूचना मिली थी कि जांगिड़ ने राजकीय सेवा में आने के बाद 11.50 करोड़ रुपए की आय अर्जित की। यह उनकी मूल आय से 161 प्रतिशत अधिक है।

आरोपी और उनके परिवार के नाम से 22 बैंक खाते हैं। इनमें 21 लाख रुपए मिले हैं। बेटे और बेटी की स्कूली शिक्षा, कोचिंग एवं उच्च शिक्षा में करीब 30 लाख रुपए खर्च किए गए हैं।

अमृतपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए कहा कि देश में सिखों के लिए अलग कानून चल रहा है।

तरसेम सिंह ने कहा कि अमृतपाल पर एनएसए बढ़ाने का फैसला लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने जैसा है। सांसद बनकर अमृतपाल लोगों की आवाज उठाना चाहता है, लेकिन उस पर एनएसए लगाकर उसे रोका जा रहा है। यह सब कुछ केंद्र व पंजाब सरकार मिलकर कर रही हैं।

तरसेम सिंह ने कहा कि अमृतपाल के राजनीति में आने से सरकारें डरी हुई हैं। सरकारें लोगों को मजबूर कर रही हैं कि वे गलत रास्ता अपनाएं। पंजाब में पिछले दो वर्षों में अपराध बढ़ा है। ऐसा कोई दिन नहीं गया जब हत्या या अपराध न हुआ हो।

'जनेऊ उतारो, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकारी कॉलेज में सीट दे। छात्र की शिकायत के बाद बीदर जिला प्रशासन ने घटना की जांच शुरू की। बीदर के उपायुक्त ने कॉलेज के प्राचार्य चंद्र शेखर बिरादर और स्टाफ सदस्य सतीश पवार को आगे की जांच तक निलंबित करने का निर्देश दिया।

कॉलेज के प्रबंधन साई दीपा एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट ने 19 अप्रैल को एक आपातकालीन बैठक की और औपचारिक रूप से दोनों अधिकारियों को निलंबित करने का निर्णय लिया। इस घटना पर छात्र के परिवार और जनता की तरफ से तीखी प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। सुचिव्रत की माँ नीता कुलकर्णी ने अपने पुत्र के साथ किए गए व्यवहार पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "वह बहुत दुखी था। उसे अपना जनिवारा छोड़ने या घर जाने के लिए कहा गया था।" उन्होंने कहा, "हम अधिकारियों से न्याय सुनिश्चित करने की अपील करते हैं। या तो फिर से परीक्षा आयोजित की जानी चाहिए या मेरे पुत्र को वित्तीय सहायता के साथ एक अच्छे कॉलेज में सीट दी जानी चाहिए।" कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) ने अभी तक इस मामले पर औपचारिक बयान जारी नहीं किया है।

मोदी सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैरल्ड मामले में जिस परिवार को बदनाम करने का प्रयास किया गया, उसके घर का हर सदस्य आजादी के आंदोलन में जेल में रहा। आजादी के पहले आनंद भवन और स्वराज भवन जैसी संपत्ति देश को समर्पित कर दी थी। इंदिरा गांधी जी देश के लिए शहीद हुईं, राजीव गांधीजी शहीद हुए। पिछले 11 सालों से कांग्रेस और विपक्षी दलों के साथ मोदी सरकार दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी इसलिए निशाने पर हैं क्योंकि वह कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी हैं। खड़गे ने कहा,दूसरे ताकतवर विपक्षी नेताओं पर इसी तरह फर्जी मामले चलाए जा रहे हैं। जो भारतीय जनता पार्टी में चला जाता है, उसका केस बंद कर दिया जाता है। इनको शर्म आनी चाहिए कि 10 सालों में ईडी ने 193 नेताओं पर केस किया लेकिन केवल दो मामले को वे साबित कर पाये। जब चाहते हैं घंटों पूछताछ करके ईडी के लोग फर्जी खबरें फैलाते हैं।

फर्जी कार्डियॉलजिस्ट व अपोलो अस्पतास के खिलाफ एक और केस

बिलासपुर, 20 अप्रैल। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पं. राजेन्द्र शुक्ल की मौत के सन् 2006 के मामले में फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर और अपोलो अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डॉ. नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ नरेंद्र जान केम एवं अपोलो प्रबंधन के खिलाफ शिकायत मिली थी। यह शिकायत डॉ. प्रदीप शुक्ला ने बिलासपुर जिले के सरकंडा थाने में दी थी। डॉ. नरेंद्र पर आरोप है, कि उन्होंने फर्जी डिग्री के आधार पर इलाज किया और लापरवाही के कारण मरीज की जान चली गई।

शिकायत पर डॉक्टर के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। मामले में अपोलो अस्पताल प्रबंधन को भी आरोपी बनाया गया है।

अस्पताल प्रबंधन पर आरोप है, कि बिना जांच के फर्जी डॉक्टर को नौकरी पर रखा और मरीज की जिंदगी खतरे में डाल दी। आरोपी डॉक्टर वर्तमान में दमोह पुलिस की हिरासत में है।

जम्मू कश्मीर में बादल फटने से 3 मरे

रामबन जिले में कई जगह लैंडस्लाइड हुई, जिसमें सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं

- बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। पहाड़ का मलबा गाँव की तरफ आ गया, कई लोग व घर इसके चपेट में आ गये।

श्रीनगर, 20 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में रविवार सुबह बारिश के बाद बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया।

सूत्रों ने बताया कि बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। पहाड़ का मलबा गांव की तरफ आ गया, और कई लोग और घर उसकी चपेट में आ गए। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

उधर, रामबन जिले के बनिहाल इलाके में कई जगह भूस्खलन हुआ है। इसकी वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। किश्तवाड़-पद्दर मार्ग भी बंद है। यहां वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। अधिकारियों ने मौसम साफ होने के बाद ही हाईवे पर सफर करने की अपील की है।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि रामबन जिले में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ से राष्ट्रीय राजमार्ग पंथयाल, सेरी और अन्य इलाकों में बंद हो गया। इसके अलावा, बादल फटने से धर्मकुंड क्षेत्र में तीन लोगों की मौत हो गई।

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) और पुलिस की ओर से पूर्ण बचाव अभियान नहीं चलाया जा सका। जिले में बाढ़ से निजी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान हुआ, तथा बाढ़ के कारण शहर में अवरुद्ध सड़कों पर वाहन फंस गए हैं। कठुआ-उधमपुर से सांसद एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, रामबन क्षेत्र और आसपास के इलाकों में रातभर तेज ओलावृष्टि, भूस्खलन और तेज हवाएं चलीं। राष्ट्रीय राजमार्ग बंद है, तीन लोगों की मौत हुई है और कुछ परिवारों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। मैं डिप्टी कमिश्नर बसीर-उल-हक चौधरी के साथ लगातार संपर्क में हूं।

डॉ. सिंह ने पोस्ट में कहा कि प्रशासन की तत्परता से कई जानें बचीं। हर तरह की मदद दी जा रही है। उन्होंने कहा, हर तरह की राहत, चाहे वह वित्तीय हो या अन्य, मुहैया कराई जा रही है। डीसी को सूचित किया गया है कि अगर जरूरत पड़ी तो सांसद के निजी संसाधनों से भी जो कुछ भी आवश्यक होगा, वह मुहैया कराया जा सकता है। अनुरोध है कि घबराएं नहीं। हम सब मिलकर इस प्राकृतिक आपदा से निपटेंगे।

मुर्शिदाबाद में बाप-बेटे की हत्या के मामले में एक और गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी जियाउल शेख 12 अप्रेल को हिंसा की घटना के बाद से फरार था

- पुलिस ने बताया कि 12 अप्रेल को मृतक के घर जियाउल शेख की मौजूदगी के सभी सबूत, सीबीटीवी फुटेज तथा मोबाइल फोन लोकेशन आदि उनके पास हैं।

कोलकाता, 20 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में एक व्यक्ति और उसके बेटे की हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि शमशेरगंज के जाफराबाद में दो लोगों की हत्या के मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुलिताला पुरबापारा निवासी जियाउल शेख के रूप में हुई है। वह 12 अप्रैल को अपराध की घटना के बाद से फरार था।

उन्होंने बताया कि शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा में उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया, यह व्यक्ति मुख्य आरोपियों में से एक है, जिसने 12 अप्रैल को मृतक के घर पर तोड़फोड़ करने और हरगोबिंदो दास, उसके बेटे चंदन दास की हत्या करने के लिए भीड़ को उकसाया और साजिश रची। उन्होंने बताया कि पुलिस के पास 12 अप्रैल को अपराध स्थल पर उसकी मौजूदगी साबित करने के लिए सभी सबूत, सीसीटीवी फुटेज और उसके मोबाइल फोन टावर की लोकेशन मौजूद है। इससे पहले पुलिस ने दो भाइयों कालू नादर और दिलदार और इंजमाम उल हक को दोनों की हत्या में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया था। तीसरे आरोपी को जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुरीपारा से पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि हमने मुर्शिदाबाद हिंसा मामलों में 100 से अधिक एफआईआर दर्ज की हैं। अब तक 276 लोगों को गिरफ्तार किया है। ज्ञातव्य है कि वक्फ अधिनियम में संशोधन को लेकर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कम से कम तीन लोग मारे गए थे।

कर्नाटक के पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच करने पर पता चला कि उनकी हत्या की गई है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पत्नी ने ही पुलिस को फोन करके हत्या की जानकारी दी थी, लेकिन जब पुलिस टीम उनके घर पहुंची तो उन्होंने दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उनके शव पर चोट के निशान भी मिले हैं।

यू. पी. विधान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐलान करते हुए कि 2027 के चुनाव में सपा और कांग्रेस साथ-साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। प्रयागराज में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक, राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा।

हाईकोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, किसी भी व्यक्तिगत लाभ या व्यावसायिक उपयोग के लिए सरकार या पूर्व राजपरिवार द्वारा हस्तांतरित नहीं की जा सकतीं।

मुद्दा यह नहीं है कि, कोविड के इन्तजामात में कुछ अरबों रुपये का भ्रष्टाचार...

उदयपुर में कोरोना काल में बनाये गये आई.सी.यू., पी.आई.सी.यू. का अन्य रोगों के इलाज के लिये इस्तेमाल किया जा रहा है। इनमें न्यूरो, कैंसर, मेडिकल से संबंधित रोग शामिल हैं। इन आई.सी.यू., पी.आई.सी.यू. का बदलाव संभवतः इसलिये किया गया है क्योंकि यहां पर भी मापदंडों की पालना नहीं की गई है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुष्टि करने के लिये राष्ट्रदूत के पास कोई पुख्ता दस्तावेज नहीं हैं।

तीसरा उदाहरण उदयपुर का है, जहाँ कोरोना काल के दौरान एम.बी. चिकित्सालय में नवनिर्मित एक भवन को कोरोना रोगियों के लिए गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में परिवर्तित कर दिया गया था। एम बी चिकित्सालय परिसर में स्थित इस इकाई को पृथक इकाई के रूप में संचालित करते हुए यहां न्यूरो, कैंसर, मेडीसन एवं सर्जिकल से संबंधित गंभीर रोगियों का उपचार किया जा रहा है। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा.विपिन माथुर इस इकाई के पृथक चिकित्सा अधीक्षक का कार्य भी देख रहे हैं। कोरोना काल में यहां लगाए गए सभी उपकरण एम.बी.चिकित्सालय में नवनिर्मित आई.सी.यू. में शिफ्ट कर दिए गए हैं वहीं स्वाइन फ्लू वार्ड, मेडीसन वार्ड एवं चर्म रोग के उपर स्थित अस्थायी कोरोना गहन चिकित्सा वार्डों को अब सामान्य वार्डों में परिवर्तित किया जा चुका हैं।

इस श्रृंखला में, पहले प्रकाशित दस्तावेजों के अनुसार, उदयपुर में 50 बैड का आई.सी.यू. और 20 बैड का एन.आई.सी.यू. बनाने के लिये 750 लाख और 307 लाख रुपये की राशि एस.डी.आर.एफ. फंड से राज्य सरकार के चिकित्सा शिक्षा विभाग ने उपयोग करने के आदेश दिये थे।

इसी प्रकार, बीकानेर में कोविड महामारी के दौरान, प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, 50 बैड के आई.सी.यू. और 10 बैड के एन.आई.सी.यू. की स्थापना के आदेश चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा दिये गये, जिसमें एस.डी.आर.एफ. फंड से 750 लाख रुपये और 167 लाख रुपये की राशि मुहैया कराने के आदेश दिये। हैरानी की बात है कि प्रिंस विजय सिंह मैमोरियल (पी.बी.एम.) अस्पताल परिसर में आई.सी.यू. का निर्माण किया गया था। इस अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टरों से जब बात की गई तो उन्होंने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि इस आई.सी.यू.को कोविड के बाद बंद कर दिया गया। बाद में इसे जनाना अस्पताल में तब्दील कर दिया गया। यहां गौर फरमाने वाली बात यह भी है कि पी.बी.एम. अस्पताल परिसर में सरकारी आदेशों के अनुरूप निर्माण कार्य करने के लिये इस्तेमाल होने वाली बजरी भी अनुमत नहीं थी। जैसा कि

बीकानेर में इन आई.सी.यू., पी.आई.सी.यू. में महिला चिकित्सालय खोल दिया गया है, जहां पर महिला मरीजों की आवाजाही कम ही होती हैं, इसलिये यह अस्पताल बंद ही रहता हैं।

विदित है कि सरकारी निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाली बजरी के लिए अनुबंधित कंपनियों को बजरी खनन के लिये "शॉर्ट टर्म परमिट" (एस.टी.पी.) लेना जरूरी होता है, परंतु महामारी के दौरान राज्य सरकार के खनन विभाग द्वारा कोई भी नई एस.टी.पी. जारी नहीं की जा रही थी, जिससे स्पष्ट है कि इस आई.सी.यू. के निर्माण में भी किसी तरह की एस.टी.पी. नहीं ली गई।

पांचवा उदाहरण देखें तो, भरतपुर में श्री जगन्नाथ पहाड़िया चिकित्सा महाविद्यालय समूह के अंतर्गत राजकीय आर बी एम हॉस्पिटल एवम् राजकीय जानना हॉस्पिटल में कोराना मरीजों की व्यवस्था की गई। जिसमें 300 बैड आरबीएम हॉस्पिटल एवं 225 बैड जनाना हॉस्पिटल में लगाए गए। आर बी एम हॉस्पिटल में पुरानी बिल्डिंग में लगाए गए बैड अब वर्तमान में नहीं हैं क्योंकि पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर अब नई बिल्डिंग बनाकर तैयार की जा रही है, जबकि, आरबीएम हॉस्पिटल में लगाए गए कोराना बैड अब भी वॉर्ड में संचालित हो रहे हैं जिसमें विभिन्न रोगों के मरीज भर्ती रहते हैं।

अस्पताल प्रबंधन ने कोरोना के समय आर्थिक व्यवस्था के लिए जिला कलक्टर आपदा प्रबंधन से 30 लाख का लोन एवं कलेक्ट्रेट से 5 लाख का लोन लिया था। 21जनवरी 2023 को अस्पताल प्रबंधन ने 30 लाख का लोन जिला कलेक्टर आपदा प्रबंधन को चुका दिया।

हालांकि, प्राप्त दस्तावेजों से साफ जाहिर है कि भरतपुर में पहले तो 10 बैड का पी.आई.सी.यू. बनाया गया जिसमें 167 लाख रुपये का खर्चा एस.डी.आर.एफ. फंड से किया गया। और फिर 20 बिस्तर का आई.सी.यू. भी बनाया गया जिसमें 456 लाख रुपये का खर्च आया।

जैसा कि विदित है कि सरकारी निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाली बजरी अनुबंधित कंपनियों को बजरी खनन के लिये "शॉर्ट टर्म परमिट" (एस.टी.पी.) लेना जरूरी होता है, परंतु महामारी के दौरान राज्य सरकार के खनन विभाग द्वारा कोई भी नई एस.टी.पी. जारी नहीं की जा रही थी, जिससे स्पष्ट है कि इस आई.सी.यू. के निर्माण में भी किसी तरह की एस.टी.पी. नहीं ली गई।

भरतपुर में आर बी एम हॉस्पिटल में पुरानी बिल्डिंग में लगाए गए बेड अब वर्तमान में नहीं हैं, क्योंकि पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर अब नई बिल्डिंग बनाई जा रही हैं।

छठा उदाहरण, सीकर में डॉ. के.के. अग्रवाल ने बताया कि कोविड के समय एन.आई.सी.यू., पी. आई. सी. यू. और आई. सी. यू. जनाना अस्पताल और श्री कल्याण अस्पताल में बनाए गए थे, उन्हें नष्ट कर दिया है। उनकी जगह नया भवन बन रहा है। प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार सीकर में 20 बैड का आई.सी.यू. और 12 बैड का एन.आई.सी.यू.बनाने के निर्देश चिकित्सा शिक्षा विभाग ने दिये थे, जिनमें क्रमशः 456 लाख रुपये और 200 लाख रुपये एस.डी.आर.एफ. फंड से खर्च किये गये।

ऐसी ही कहानी पाली, बाडमेर, भीलवाडा, डूंगरपुर में भी देखी गई। दस्तावेजों को देखने से जाहिर होता है कि पहले यह स्वीकृति मेडिकल उपकरणों को खरीदने के लिये दी गई थी, जो नियमों में अनुमत है, परंतु इस फंड का उपयोग कुछ गिनी चुनी कंपनियों को अस्वीकृत निर्माण कार्य करने के लिये दिया गया।

(क्रमशः)

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908